



# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

भारत सरकार

26<sup>वीं</sup>

वार्षिक रिपोर्ट

2021-22



# विषय-वस्तु

अध्यक्ष का संदेश	1
सचिव की कलम से	3
टीडीबी का अधिदेश	5
बोर्ड के सदस्य	7
विहंगावलोकन	12
टीडीबी-वर्ष एक दृष्टि में	28
हस्ताक्षरित करार	38
पूर्ण की गई परियोजनाएँ	46
संवर्धनात्मक गतिविधियाँ	54
प्रशासन	76
वर्ष 2021-22 के लिए लेखा-परीक्षित वार्षिक विवरण	80
प्रथम लेखा परीक्षा रिपोर्ट 2021-22	108



## अध्यक्ष का संदेश



**जै**सा कि भारत अमृत काल की ओर अग्रसर है, हम उन असंख्य अवसरों पर गर्व के साथ देखते हैं जब भारतीय वैज्ञानिकों, उद्यमियों और शोधकर्ताओं द्वारा ईमानदारी से किये गये प्रयासों से हमें गौरवान्वित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, और हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी की क्षेत्र में भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के इन प्रयासों को बनाए रखेंगे।

इस दिशा में, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने भारत को एक प्रौद्योगिकियों का उत्पादक और निर्यातक बनाने के अंतिम ध्येय के साथ सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए व्यावसायिक रूप से प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों का दोहन करने और विकास के लिए कई लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य किया है। यह लक्ष्य विविध विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय उद्योगों को "भेक इन इंडिया" से "आत्मनिर्भर भारत" अभियान तक ले जाने

में सक्षम बनाता है।

पिछला वर्ष कई मायनों में विशेष रहा है, क्योंकि भारत ने अपनी आजादी का 75वां वर्ष मनाया, टीडीबी ने अपना 25वां वर्ष मनाया, अर्थात् जब टीडीबी 50वां वर्ष पूरे करेगा तो भारत अपना 100वां साल मनाएगा। इसलिए, अगले 25 वर्षों के लिए हमारा लक्ष्य होगा देश को एसएंडटी के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अग्रणी बनाने में मदद करना। इसके प्रभावी होने के लिए, शिक्षा जगत, उद्योग और सरकार को 'ज्ञान सृजन', 'ज्ञान प्रसार', 'ज्ञान परिनियोजन और वाणिज्यीकरण' की ओर ले जाने वाली मजबूत नींव बनाने हेतु निर्बाध रूप से जुड़ना चाहिए और प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से देश को सही मायने में आत्मनिर्भर बनाना चाहिए।

यह वर्ष टीडीबी के लिए काफी सफल रहा है, क्योंकि हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मेडटेक, हेल्थकेयर और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में 06 समझौतों पर

हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षरित परियोजनाओं में मैसर्स बोटलैथ डायनेमिक्स ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया और इन्होंने बीटिंग रिट्रीट समारोह में एक मंत्रमुग्ध कर देने वाले शो का प्रदर्शन किया, जिसे माननीय प्रधानमंत्री जी से काफी सराहना मिली और हमें भी गौरवान्वित होने का अवसर प्राप्त हुआ। जबकि मैसर्स मंजीरा डिजिटल सिस्टम्स ने स्वदेशी चिप का निर्माण किया, जो भारतीय एनएवीआईसी एप्लिकेशन के लिए आवश्यक है। इसी तरह, मैसर्स स्वजल, मैसर्स स्काईशेड, मैसर्स ऑरेंजकोई और मैसर्स सैपिजेन का उद्देश्य क्रमशः जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, मेडटेक

आपूर्ति श्रृंखला और स्वदेशी वैक्सीन निर्माण में अपना योगदान देना है।

अपार हर्ष के साथ, मैं इस सुअवसर पर टीडीबी को देश की प्रगति में उनके योगदान के लिए बधाई देता हूँ, और मुझे विश्वास है कि टीडीबी भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के लिए सही तरह से तैयार है। मैं कामना करता हूँ कि आने वाले वर्षों में टीडीबी और इसकी पहल को और मजबूती मिले।

डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर  
अध्यक्ष, टीडीबी

## सचिव की कलम से



**प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी)** ने विगत 25 वर्षों से, भारत में विविध विज्ञान और प्रौद्योगिकी डोमेन में प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण के लिए व्यापक समर्थन सुनिश्चित किया है। पिछले कुछ वर्ष वास्तव में मानव जाति के लिए कठिन थे लेकिन हम जिस तरह का कार्य करते आ रहे हैं, वह गतिशील है उसे हम रोक नहीं सकते। इसी कठिन समय के दौरान मैंने दिनांक 26.07.2021 से सचिव, टीडीबी का पदभार संभाला। अपने काम के प्रति उत्साह और दृढ़ विश्वास ने हमें आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रेरित किया। हमने सिस्टम को मजबूत एवं सहज बनाए रखने के लिए नए तरीके और साधन तैयार किए और उत्पादकता में सुधार लाने के लिए कुछ नए तरीकों का अनुपालन किया।

मुझे इस बात की खुशी है कि इस कठिन समय में भी हमारे उद्यमियों ने भी लगातार और उत्साह के साथ समाज की सेवा करने में योगदान दिया और इस तरह

भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पारिस्थितिकी तंत्र को सृदृढ़ किया। इस वर्ष टीडीबी को विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक प्रतिष्ठानों से कुल 88 आवेदन प्राप्त हुए।

मुझे यह साझा करते हुए बेहद खुशी की अनुभूति हो रही है कि इस वर्ष टीडीबी ने राष्ट्र को अपनी समर्पित सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। हमने अपना स्थापना दिवस 01 सितंबर, 2021 को माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डॉ. जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में गर्व के साथ मनाया। संयोगवश, वर्ष 2021 विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक ऐतिहासिक वर्ष रहा, जिसमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के राष्ट्रीय उत्सव के साथ-साथ अपना 50वां वर्ष (स्वर्ण जयंती) मनाया है। मेरे अनुसार अगले 25 वर्ष हमारे देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जिसमें पूरा देश माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण, "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ वर्ष 2047 तक भारत

को पूर्ण विकसित देश बनाने के लिए कड़ी मेहनत करेगा।

अगले 25 वर्षों के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में नया भारत, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, खगोल विज्ञान, डाटा साइंस, सौर ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, क्लाउड चेंज मिटिगेशन टेक्नोलॉजीज और साइबर फिजिकल सिस्टम जैसे उभरते क्षेत्रों में वैश्विक अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है। यह स्पष्ट है कि टीडीबी इस प्रयास में हमेशा की तरह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

माननीय मंत्री के विजन और मार्गदर्शन के अनुसार, टीयर II और टीयर III नगरों/शहरों में टीडीबी की पहुंच का विस्तार करने के लिए एसएंडटी (आई/सी) के भावी तकनीकी उद्यमी/नवोदित उद्यमी जो टीडीबी में आना चाहते हैं, उनके आने के बजाय, टीडीबी को स्वयं उन तक पहुंचना चाहिए। इस वर्ष टीडीबी ने पटना, गुवाहाटी, जम्मू, कानपुर आदि जैसे विभिन्न शहरों में कई औद्योगिक इकाईयों/अनुसंधान एवं विकास संस्थानों/विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इसके अलावा, टीडीबी ने सभी वैज्ञानिकों और परियोजना समन्वयकों को स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए अपनी कार्य पद्धति में सुधार किया है ताकि निर्णय लेने की प्रक्रिया को संचयी रखते हुए, अधिक से अधिक परियोजना प्रस्तावों की जांच की जा सके और उन्हें अंतिम रूप दिया जा सके। यह न केवल उनके बहुमुखी विकास में बल्कि टीडीबी की संवृद्धि में भी योगदान

देगा।

इस वर्ष टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए छह (06) समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन छह समझौतों के माध्यम से, टीडीबी ने ₹ 357.28 करोड़ की कुल परियोजना लागत में से ऋण के रूप में ₹ 116.78 करोड़ की वित्तीय सहायता की प्रतिबद्धता की है। टीडीबी ने वित्त वर्ष 2021-22 में चालू नई परियोजनाओं और अन्य योजनाओं के लिए ₹ 13.30 करोड़ की राशि का संवितरण किया था। इस वर्ष सात कंपनियों ने अपनी परियोजना को पूर्ण और वाणिज्यीकृत घोषित किया है।

मैं अपनी युवा टीम को कोविड-19 से उत्पन्न हुई चुनौतीपूर्ण परिस्थिति को सकारात्मक रूप से लेने के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि टीडीबी, हमारी टीम के अथक प्रयासों, समर्पण और प्रतिबद्धता से आने वाले वर्षों में अपने प्रदर्शन में और सुधार करेगा। मैं अपनी युवा और समर्पित टीम के साथ अधिक तालमेल और सफलता की उम्मीद रखता हूँ।

टीडीबी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की प्राप्ति की ओर काम करने वाले स्टार्ट-अप को अप-स्केलिंग में समर्थन देकर और उनके उत्पादों का वाणिज्यीकरण करके स्वदेशी नवाचारों को प्रोत्साहित करने में सहायक रहा है। हम टीडीबी के मिशन और विजन के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

राजेश कुमार पाठक  
सचिव, टीडीबी

# टीडीबी का अधिदेश

- स्वदेशी प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करने वाली या व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए आयातित प्रौद्योगिकी को अपनाने का प्रयास करने वाली औद्योगिक संस्थाओं और अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना;
- स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकसित करने या वाणिज्यिक अनुप्रयोग के लिए आयातित प्रौद्योगिकी के अनुकूलन में संलग्न ऐसे अनुसंधान और विकास संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, जिसे केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त हो;
- ऐसे अन्य कार्य करना जो केंद्र सरकार द्वारा उसे सौंपे जाएं।

## स्थापना के बाद से टीडीबी द्वारा वित्त पोषित क्षेत्र:

टीडीबी, क्षेत्र अज्ञेयवादी है और अब तक निम्नलिखित क्षेत्रों को व्यापक रूप से वित्त पोषित किया है:

स्वास्थ्य और चिकित्सा 	दूरसंचार 	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग 
सड़क परिवहन 	सूचना प्रौद्योगिकी 	वर्षियांत्रिकी 
वस्त्र 	रसायन 	रक्षा एवं नागर विमानन 
कृषि 	इलेक्ट्रॉनिक्स 	अन्य 

# प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड की संरचना

(31 मार्च, 2022 के अनुसार)

डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग	पदेन अध्यक्ष
डॉ. शेखर सी. मांडे सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग	पदेन सदस्य
डॉ. जी. सतीश रेड्डी सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग	पदेन सदस्य
डॉ. टी.वी. सोमनाथन सचिव, व्यय विभाग	पदेन सदस्य
श्री अनुराग जैन सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग	पदेन सदस्य
श्री नागेन्द्र नाथ सिन्हा सचिव, ग्रामीण विकास विभाग	पदेन सदस्य
श्री प्रदीप गोयल अध्यक्ष, प्रदीप मेटल्स लिमिटेड, नवी मुंबई	सदस्य
सुश्री विनीशा पी. कार्यकारी निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय अपशिष्ट प्रबंधन संस्थान, बेंगलोर	सदस्य
प्रो. मनोज कुमार घर पूर्व कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय	सदस्य
डॉ. मृदुल हजारिका पूर्व कुलपति, गुवाहाटी विश्वविद्यालय	सदस्य
श्री राजेश कुमार पाठक सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड	पदेन सदस्य (सदस्य सचिव)

# बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2022 तक)



डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर  
अध्यक्ष, टीडीबी और सचिव, डीएसटी



डॉ. शेखर सी. मांडे



डॉ. जी. रातीश रेड्डी



डॉ. टीवी सोमनाथन



श्री अनुराग जैन



श्री नागेन्द्र नाथ सिन्हा



श्री प्रदीप गोयल



सुश्री विनीशा पी.



प्रो मनोज कुमार घर



डॉ मृदुल हजारिका



श्री राजेश कुमार पाठक

## वर्ष 2021-22 के लिए बोर्ड की संरचना

### अध्यक्ष



प्रो. आशुतोष शर्मा  
01.04.2021 से 31.08.2021



डॉ. रेणु स्वरूप  
01.09.2021 से 31.10.2021



डॉ. एम रविचंद्रन  
01.11.2021 से 13.12.2021



डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर  
14.12.2021 से आज तक

### पदेन सदस्य



डॉ. शेखर सी. मांडे  
01.04.2021 से आज तक



डॉ. जी. सतीश रेड्डी  
01.04.2021 से आज तक



डॉ. टीवी सोमनाथन  
01.04.2021 से आज तक



डॉ. गुरुप्रसाद महापात्रा  
01.04.2021 से 19.06.2021



श्री अनुराग जैन  
27.09.2021 से आज तक



श्री नागेन्द्र नाथ सिन्हा  
01.04.2021 से आज तक

गैर सरकारी सदस्य



प्रो देशदीप सहदेव  
01.04.2021 से 26.11.2021



श्री रावू एम. जैकेथ  
01.04.2021 से 26.11.2021



श्री प्रदीप गoyal  
01.04.2021 से 26.11.2021  
और  
दिनांक 28.01.2022 से आज तक



सुश्री बिनीशा पी  
01.04.2021 से 26.11.2021  
और  
दिनांक 28.01.2022 से आज तक



प्रो मनोज कुमार घर  
दिनांक 28.01.2022 से आज तक



डॉ मृदुल हजारिका  
दिनांक 28.01.2022 से आज तक

सचिव



डॉ. नीरज शर्मा  
01.04.2021 से 25.07.2021



श्री राजेश कुमार पाठक  
26.07.2021 से आज तक



# विहंगावलोकन

01 110 101 011 010110 01 01011001 010 001 011010

01 110 101 011 010110 101 01011001 010 001 011010

# विहंगावलोकन

भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 01 सितंबर, 1996 को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) का गठन किया, जिसका उद्देश्य व्यापक घरेलू अनुप्रयोगों के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और व्यावसायीकरण और आयातित प्रौद्योगिकी के अनुकूलन को बढ़ावा देना है। टीडीबी ऐसे विकास और वाणिज्यिक अनुप्रयोग का प्रयास करने वाली औद्योगिक संस्थाओं और अन्य एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

अधिनियम ने टीडीबी द्वारा प्रशासित किये जाने वाले प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए एक निधि के निर्माण को सक्षम बनाया। वर्ष 1995 में यथा संशोधित अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत औद्योगिक संस्थाओं से सरकार द्वारा एकत्र किए गए अनुसंधान एवं विकास उपकर में से उक्त निधि भारत सरकार से अनुदान प्राप्त करता है। यह यह अधिनियम टीडीबी को किसी भी अन्य स्रोत से टीडीबी द्वारा प्राप्त सभी राशियों, निधि से दी गई राशि से की गई वसूली, और फंड की राशि के निवेश से होने वाली किसी भी आय को क्रेडिट करके फंड का निर्माण करने में सक्षम बनाता है। वित्त अधिनियम, 1999 ने आयकर उद्देश्यों के लिए निधि में दान के लिए पूर्ण कटौती को सक्षम किया।

केंद्र सरकार ने अपने आम बजट वर्ष 2017-18 में 01 अप्रैल, 2017 से 'अनुसंधान और विकास उपकर अधिनियम, 1986' को समाप्त कर दिया। वर्ष 1996-97 से 2016-17 की अवधि के दौरान, सरकार ने अनुसंधान एवं विकास उपकर के रूप में ₹ 7974.32 करोड़ एकत्र किए।

टीडीबी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के गैर-योजना बजट से 26 वर्षों (1996-97 से 2021-22) की अवधि में सहायता अनुदान के रूप में ₹ 1112.47 करोड़ की संघयी राशि प्राप्त की।

## 1. वित्तीय सहायता के प्रकार

टीडीबी से वित्तीय सहायता ऋण या इक्विटी के रूप में और/या अनुदान के रूप में (असाधारण मामलों में) उपलब्ध है। कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के तहत निगमित औद्योगिक प्रतिष्ठानों से वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पूरे वर्ष स्वीकार किए जाते हैं।

### 1.1 ऋण

औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए वित्तीय सहायता 5 प्रतिशत साधारण ब्याज दर पर सॉफ्ट लोन के रूप में प्रदान की जाती है। ऋण के रूप में वित्तीय सहायता की सीमा बिना खर्च वाली परियोजना लागत का 50 प्रतिशत है। ऋण समझौते में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार संबंधित उपलब्धियों के कार्यान्वयन के अनुसार ऋण राशि किश्तों में वितरित की जाती है। ऋण की सहमति के दौरान टीडीबी की परियोजना के तहत उत्पादों की बिक्री पर रॉयल्टी देय है।

कुछ मामलों में, सहायता प्राप्त औद्योगिक प्रतिष्ठान के निदेशक मंडल में टीडीबी के नामित निदेशक हो सकते हैं। किसी परियोजना की कार्यान्वयन अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। ऋण और ब्याज संपार्श्विक और गारंटी के माध्यम

से सुरक्षित है। आम तौर पर, ऋण की चुकौती और ब्याज का भुगतान परियोजना के पूरा होने के बाद शुरू होता है और अधिस्थगन अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं की नहीं होती है। ऋण की राशि आम तौर पर नौ, अर्धवार्षिक किश्तों में वसूली योग्य होती है। पहली किस्त के पुनर्भुगतान तक संचित ब्याज तीन वर्षों की अवधि में वितरित किया जाता है।

टीडीबी आवेदकों से प्रशासनिक, प्रोसेसिंग या प्रतिबद्धता शुल्क नहीं लेता है।

### 1.2 इक्विटी

टीडीबी, ऋण-इक्विटी अनुपात को ध्यान में रखते हुए, टीडीबी द्वारा मूल्यांकन की गई आवश्यकताओं के अनुसार औद्योगिक प्रतिष्ठानों में इक्विटी पूंजी के रूप में अपने प्रारंभ, स्टार्ट-अप और/या विकास के चरणों में योगदान देता है। टीडीबी के पूर्ण बोर्ड द्वारा इक्विटी सदस्यता का निर्णय लिया जाता है। यह अनुमोदित परियोजना लागत का 25% तक होता है, बशर्ते ऐसा निवेश प्रमोटरों द्वारा प्रदत्त पूंजी से अधिक न हो।

टीडीबी उन औद्योगिक संस्थाओं के मौजूदा ऋण या इक्विटी को प्रतिस्थापित करने पर विचार नहीं करता है, जिन्होंने अन्य संस्थानों से ऐसा वित्त प्राप्त किया है।

### 1.3 अनुदान

टीडीबी औद्योगिक प्रतिष्ठानों और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास में लगे अनुसंधान एवं विकास संस्थानों को अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है। अनुदान की मंजूरी पूर्ण बोर्ड द्वारा तय की जाती है और राष्ट्रीय हित को पूरा करने के लिए महत्व रखने वाले असाधारण मामलों में प्रदान की जाती है।

### 1.4.1 औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए टीडीबी का वित्तीय योगदान (1996-2022)

निम्न तालिका टीडीबी के मोड़ और वित्तीय योगदान को इंगित करती है (स्थापना के बाद से 31 मार्च, 2022 तक):

(₹ करोड़ में)

लिखत	*टीडीबी द्वारा स्वीकृत राशि	टीडीबी द्वारा संवितरण
ऋण	1870.52	1566.96
इक्विटी	33.06	35.67
अनुदान	157.13	150.50
वेंचर फंड	285.00	258.20
<b>कुल</b>	<b>2345.71</b>	<b>2011.33</b>

\*दिनांक 31.03.2022 को टीडीबी द्वारा वार्षिक स्वीकृत राशि पूर्व में कुछ मामलों में ऋण को इक्विटी में बदलने और वित्तीय सहायता की मात्रा में संशोधन, फोरक्लोचर और गिरावटीकरण के कारण विन्न हो सकती है।

### 1.4.2 "फाइटिंग कोविड -19" कॉल के लिए औद्योगिक प्रतिष्ठानों हेतु टीडीबी का वित्तीय अंशदान

निम्नलिखित तालिका "फाइटिंग कोविड -19" कॉल के तहत टीडीबी द्वारा की गई वित्तीय योगदान को दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विधि	टीडीबी द्वारा स्वीकृत राशि	टीडीबी द्वारा संवितरण
ऋण	103.25	27.75
अनुदान	7.65	2.17
<b>कुल</b>	<b>110.90</b>	<b>29.92</b>

## 2. क्षेत्र

टीडीबी क्षेत्र अज्ञेयवादी है और इसने उद्योगों के लगभग सभी क्षेत्रों को वित्त पोषित किया है। स्थापना के बाद से, क्षेत्रवार और राज्यवार कवरेज नीचे दिया गया है:

### 2.1 क्षेत्र-वार कवरेज (1996-2022)

टीडीबी की वित्तीय सहायता सभी क्षेत्रों के लिए

निम्नलिखित तालिका में टीडीबी द्वारा, अपने स्थापना के बाद से 31 मार्च, 2022 तक स्वीकृत परियोजनाओं का क्षेत्र-वार ब्यौरा दिया गया है।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	क्षेत्र	समझौतों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी प्रतिबद्धता
1	स्वास्थ्य और चिकित्सा	107	2403.35	714.47
2	अभियांत्रिकी	73	719.72	265.45
3	सूचना प्रौद्योगिकी	47	461.00	172.31
4	रासायनिक	26	236.80	84.69
5	कृषि	27	217.48	69.85
6	दूरसंचार	12	99.88	37.85
7	सड़क परिवहन	10	527.04	81.20
8	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग	11	150.10	64.61
9	इलेक्ट्रॉनिक्स	5	66.81	22.48
10	रक्षा और नागर विमानन	10	648.83	229.95
12	यस्त्र	1	689.00	250.00
13	अन्य			
	क) वैचर फंड	11	2463.00	285.00
	ख) एसटीईपी-टीबीआई	35	35.00	35.00
	ग) सीआईआई	1	0.83	0.50
	घ) मिलेनियम एलायंस	1	112.00	25.00
	ड.) ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस	1	15.00	7.35
	घ) इनवेंट कार्यक्रम	1		
	कुल	379	8845.84	2345.71

टीडीबी द्वारा दिया जाने वाले समर्थन बड़े पैमाने पर अपने सभी नए उद्यमों और विभिन्न प्रकार के औद्योगिक क्षेत्रों में बाजार संचालित और प्रौद्योगिकी उन्मुख है।

उपलब्ध है। वर्ष 1996 में इसकी स्थापना के बाद से दिनांक 31 मार्च, 2022 तक, टीडीबी ने अलग-अलग क्षेत्रों की औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ कुल 379 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें कुल परियोजना लागत ₹ 8845.84 करोड़ और टीडीबी ₹ 2345.71 करोड़ की राशि के लिए प्रतिबद्ध है।

### 2.2 राज्य-वार कवरेज (1996-2022)

वर्ष 1996-2022 के दौरान हस्ताक्षरित समझौतों का राज्यवार वितरण (कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के आधार पर) नीचे दिया गया है

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य और केंद्र शासित प्रदेश	समझौतों की संख्या	कुल लागत	टीडीबी की प्रतिबद्धता
1	असम	1	18.31	8.20
2	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना	92	2063.49	668.36
3	कर्नाटक	49	1040.78	361.59
4	महाराष्ट्र	51	1641.75	456.35
6	तमिलनाडु	38	321.87	101.56
7	दिल्ली	25	319.76	117.86
8	गुजरात	14	149.06	45.94
9	पश्चिम बंगाल	10	137.39	57.57
10	उत्तर प्रदेश	12	94.77	50.44
11	मध्य प्रदेश	7	155.92	42.20
12	हरियाणा	8	54.06	22.48
13	पंजाब	7	91.79	21.98
14	छत्तीसगढ़	4	43.75	16.50
15	केरल	5	21.63	8.15
16	हिमाचल प्रदेश	1	6.24	1.90
17	जम्मू और कश्मीर	1	5.65	2.38
18	मणिपुर	1	7.94	2.70
19	पुदुचेरी	1	5.83	1.90
20	राजस्थान	1	35.77	3.00
21	ओडिशा	1	4.25	1.80
22	अन्य – सहित			
	वेबचर फंड	11	2463.00	285.00
	एसटीईपी-टीबीआई	35	35.00	35.00
	सीआईआई	1	0.83	0.50
	मिलेनियम एलायंस	1	112.00	25.00
	ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस	1	15.00	7.35
	इन्वेंट कार्यक्रम	1		
	<b>कुल योग</b>	<b>379</b>	<b>8845.84</b>	<b>2345.71</b>

### 3. टीडीबी को परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करना

टीडीबी से वित्तीय सहायता चाहने वाली एक औद्योगिक संस्था को निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा करना

आवश्यक है। टीडीबी की वेबसाइट (<http://TDB.gov.in/>) पर उपलब्ध 'परियोजना वित्त पोषित दिशानिर्देश' में वित्तीय सहायता और अन्य विवरण प्राप्त करने के लिए आवेदन का प्रारूप उपलब्ध कराया गया है।

औद्योगिक प्रतिष्ठान साल भर में किसी भी समय / <http://e-techcom.tdb.gov.in> के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

#### 4. परियोजना प्रस्तावों की प्रक्रिया

प्राप्त आवेदनों को तकनीकी और वित्तीय दोनों पक्षों पर कार्यक्षेत्र वाली विशेषज्ञों वाली समिति द्वारा व्यापक रूप से मूल्यांकन किया जाता है। इस व्यापक प्रक्रिया का त्वरित विवरण नीचे दिया गया है:

##### 4.1 मूल्यांकन के मानदंड

आवेदन का मूल्यांकन इसके वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय, वाणिज्यिक और वित्तीय गुणों के लिए किया जाता है। मूल्यांकन के मानदंड में निम्न शामिल हैं:

- प्रस्ताव की विशिष्टता और नवीन विषय वस्तु;
- सुदृढ़ता, वैज्ञानिक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकीय योग्यता;
- व्यापक अनुप्रयोग की संभावना और व्यावसायीकरण से प्राप्त होने वाले प्रत्याशित लाभ;
- प्रस्तावित प्रयास की पर्याप्तता;
- प्रस्तावित कार्रवाई नेटवर्क में अनुसंधान एवं विकास संस्थान (संस्थानों) की क्षमता;
- उद्यम की संगठनात्मक और वाणिज्यिक क्षमता जिसमें इसके आंतरिक प्राप्ति शामिल हैं;
- प्रस्तावित लागत और वित्तपोषण पैटर्न की युक्तिसंगतता;
- मापने योग्य उद्देश्य, लक्ष्य और उपलब्धियां;
- उद्यमी की पृष्ठभूमि।

##### 4.2 गोपनीयता और पारदर्शिता

टीडीबी का मानना है कि गोपनीयता बनाए

रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रत्येक प्रस्ताव एक वाणिज्यिक प्रस्ताव है जिसमें एक नया उत्पाद या प्रक्रिया शामिल है। इसलिए मूल्यांकन के दौरान संबंधित प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है।

साथ ही, ऐसे मामलों में जहां आवेदक उल्लेख करता है कि परियोजना प्रस्ताव में प्रदान की गई कुछ जानकारी को पूरी तरह से गोपनीय माना जाना है, इसे समिति के विशेषज्ञों को परिचालित नहीं किया जाता है। समिति प्रक्रियाओं की कुछ महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा करने में आवेदक की आशंकाओं की संवेदनशीलता का भी सम्मान करती है।

##### 4.3 आवेदन की प्रारंभिक जांच

एक विधिवत रूप से गठित प्रारंभिक जांच समिति (आईएससी) वित्तीय सहायता के लिए प्राप्त आवेदनों को इसकी पूर्णता, परियोजना के उद्देश्य, प्रौद्योगिकी की स्थिति आदि के दृष्टिकोण से जांचता है।

समिति की संरचना में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों/संगठनों के तकनीकी और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं। आवेदकों और/या प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को समिति के समक्ष एक विस्तृत प्रस्तुति देने का मौका दिया जाता है, जिसके बाद एक प्रश्नावली होती है ताकि प्रस्तुत परियोजना के प्रस्ताव पर अधिक स्पष्टता लायी जा सके।

समिति के सुझाव/टिप्पणियों के अनुसार, यदि मूल्यांकन के लिए अतिरिक्त जानकारी/विवरण या और स्पष्टीकरण की आवश्यकता होती है, तो इसके लिए कंपनी से इसकी मांग की जाती है।

यदि आवेदन टीडीबी की वित्तीय सहायता के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो आईएससी आवेदक को लिखित कारण प्रदान करने के बाद आगे की प्रक्रिया के लिए आवेदन की

अनुशंसा नहीं किया जा सकता है।

#### 4.4 परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी)

आईएससी की सिफारिशों के आधार पर, आवेदन को परियोजना स्थल के दौरे सहित अधिक विस्तृत मूल्यांकन के लिए परियोजना मूल्यांकन समिति (पीईसी) को भेजा जाता है। प्रत्येक परियोजना के लिए, परियोजना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए एक पीईसी का गठन किया जाता है।

पीईसी में परियोजना के निष्पक्ष और स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए टीडीबी के बाहर प्रासंगिक क्षेत्रों में संबंधित क्षेत्र विशेषज्ञ (वैज्ञानिक और तकनीकी और वित्तीय) शामिल हैं। ये विशेषज्ञ (सेवारत या सेवानिवृत्त) सरकारी विभागों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और वाणिज्यिक बैंकों से संबंधित हो सकते हैं।

आवेदक को प्रौद्योगिकी प्रदाता (यदि कोई हो) के साथ परियोजना के वैज्ञानिक, तकनीकी, विपणन, वाणिज्यिक और वित्तीय पहलुओं पर उक्त समिति के समक्ष एक विस्तृत प्रस्तुति देने का उचित अवसर दिया जाता है, ताकि परियोजना और कंपनी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन जानकारी प्रदान की जा सके।

#### 4.5 वित्तीय सहायता का अनुमोदन

अध्यक्ष, टीडीबी द्वारा उक्त पीईसी की अनुशंसाओं को आगे अनुमोदित किया कर दिया जाता है। पीईसी द्वारा अनुशंसित सभी परियोजना प्रस्ताव जहां टीडीबी की सहायता 10.00 करोड़ रु. से अधिक है, उसे तीसरे पक्ष के उचित परिश्रम के लिए संसाधित किया जाता है।

पीईसी इनपुट्स के साथ थर्ड पार्टी सम्यक-तत्परता

रिपोर्ट्स को बोर्ड के पास उनके अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है। शेष अनुशंसित मामले संबंधित सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं।

#### 4.6 निगरानी और समीक्षा

टीडीबी लामार्थियों को अनुमोदित वित्तीय सहायता राशियों को किस्तों में वितरित करता है जो पारस्परिक रूप से सहमत ऋण समझौते के अनुसार पूर्व-निर्धारित माइल-स्टोन के अनुपालन पर आधारित होती है।

परियोजना निगरानी समिति द्वारा समय-समय पर परियोजना की निगरानी की जाती है। पीएमसी में वैज्ञानिक/तकनीकी और वित्तीय विशेषज्ञ शामिल हैं।

#### 5.0 सक्रिय भूमिका

औद्योगिक संस्थानों और अन्य एजेंसियों से प्राप्त आवेदनों का जवाब देने के अलावा, टीडीबी प्रौद्योगिकी विकास और वाणिज्यीकरण के लिए व्यापक समर्थन सुनिश्चित करने हेतु एक अग्रसक्रिय भूमिका निभाता है।

अधिदेश के तत्वावधान में टीडीबी ने विभिन्न पहलों के माध्यम से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और व्यावसायीकरण को प्रोत्साहित किया है। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

#### 5.1 वैचर कैपिटल फंड्स (वीसीएफ), में भागीदारी

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने इस बात को महसूस किया कि कई तकनीकी परियोजनाएं वित्तीय संस्थानों और वाणिज्यिक बैंकों की पारंपरिक आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं। वाणिज्यीकरण के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को सीधे समर्थन देने के अलावा, टीडीबी ने यह

सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी केंद्रित वेंचर कैपिटल फंड (वीसीएफ) को प्रोत्साहित करने के लिए अन्य संस्थानों के साथ नेटवर्क की आवश्यकता महसूस की कि पर्याप्त धन की कमी नवोन्मेषी और तकनीकी रूप से व्यवहार्य परियोजनाओं के लिए बाधा नहीं हो सकती है।

इस प्रकार टीडीबी ने नवाचार और नवीन उत्पादों/सेवाओं वाले एसएमई के माध्यम से प्रारंभिक चरण के उद्यमों को सहायता प्रदान करने के लिए उद्यम पूंजी निधि में भाग लिया। टीडीबी की प्रेरणा और भागीदारी के परिणामस्वरूप वेंचर कैपिटलिस्ट टीडीबी के मिशन के लिए अपनी सहायता की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। बोर्ड ने वीसीएफ में टीडीबी की भागीदारी को टीडीबी के अधिदेश के भौगोलिक प्रसार को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से एमएसएमई/एसएमई श्रेणी में नवाचार और नवीन उत्पादों/सेवाओं वाली प्रौद्योगिकी कंपनियों का समर्थन करने के लिए एक उपकरण के रूप में माना।

टीडीबी की पहल ने वेंचर कैपिटलिस्ट/प्राइवेट इक्विटी फंड्स को भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास चालक क्षेत्रों पर स्पष्ट जोर देने के साथ प्रौद्योगिकी आधारित परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए बड़े पैमाने पर आने का भरोसा दिया है।

## 5.2 इन्क्यूबेटर्स में स्टार्ट-अप के लिए मूल सहायता

वर्ष 2005 में, टीडीबी ने नवीन प्रौद्योगिकी उद्यम संबंधी विचारों के साथ युवा उद्यमियों को प्रारंभिक चरण/स्टार्ट-अप वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सीड सपोर्ट सिस्टम की स्थापना की ताकि विकास किया जा सके और उनके विचारों को विकास के तहत लाया जा सके और अंत में बाजार तक पहुंचाया जा सके। प्रस्तावित सहायता को प्रौद्योगिकियों के विकास और वाणिज्यिककरण के

बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए रखा गया था। डीएसटी के राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास बोर्ड (एनएसटीईडीबी) द्वारा नियंत्रित विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमी पार्क/प्रौद्योगिकी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (एसटीईपी/टीबीआई) में इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यह योजना शुरू की गई थी।

31 मार्च, 2018 तक, टीडीबी ने 35 टीबीआई और एसटीईपी (4 टीबीआई/एसटीईपी को दो बार की वित्तीय सहायता सहित) को ₹ 1.00 करोड़ की वित्तीय सहायता के साथ कुल मिलाकर ₹ 35.00 करोड़ की सहायता दी है।

इन इन्क्यूबेटर्स ने टेलीकॉम, आईटी, रोबोटिक्स, कृषि, इंस्ट्रुमेंटेशन, इंजीनियरिंग, पर्यावरण, फार्मा, फूड, सोलर, टेक्सटाइल और बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में अपनी परियोजना के प्रसार के लिए कई इनक्यूबेटियों को सहायता प्रदान की है। इस योजना ने अच्छी प्रगति की और कई उद्यमियों को अप-स्केलिंग और संबंधित कार्यों में लाभान्वित किया। इसने इनक्यूबेटर्स द्वारा इन्क्यूबेशन फण्ड के निर्माण में भी मदद की।

## 5.3 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

### 5.3.1 बीपीआई-फ्रांस के साथ समझौता ज्ञापन

टीडीबी ने एक प्रबंध भागीदार के रूप में सीईएफआईपीआरए के साथ टीडीबी और बीपीआईफ्रांस के बीच नवीनीकृत समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार बीपीआई फ्रांस पूर्व नाम, ओएसईओ, फ्रांस के साथ अपने तकनीकी सहयोग को निरंतर बनाये रखा है। उक्त समझौते पर वर्ष 2016 में हस्ताक्षर किए गए और यह 5 साल की अवधि के लिए वैध है।

यह समझौता फ्रांस और भारत की कंपनियों, संगठनों और संस्थानों के बीच सहयोग के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में तकनीकी आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और समन्वित उपायों की स्थापना से संबंधित गतिविधियों को पूर्ण करने पर बल देता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वैमानिकी, मोटर वाहन और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर प्रस्तावों को वित्त पोषित करना है।

### 5.3.2 अंतर्राष्ट्रीय विकास निगम (डीएफआईडी), यूके के साथ समझौता ज्ञापन

अंतर्राष्ट्रीय विकास निगम (डीएफआईडी), यूके के साथ साझेदारी में टीडीबी ने वित्तीय वर्ष 2015-16 में इनोवेटिव वेंचर्स एंड टेक्नोलॉजीज फॉर डेवलपमेंट (आईएनवीईएनटी/इन्वेंट) प्रोग्राम शुरू किया। इस प्रोग्राम की डिजाइन इस उद्देश्य से किया गया था ताकि तकनीकी और प्रक्रिया उन्मुख दोनों समावेशी नवाचार समाधानों, जिसका निम्न आय वर्ग के लोगों पर सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक प्रभाव पड़ता है, जिसे पिरामिड के निचले भाग (बीओपी) के रूप में भी जाना जाता है, की सहायता किया जा सके। भारत के 8 निम्न आय वाले राज्यों (एलआईएस) (यूपी, एमपी, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल) में सहयोग शामिल है, लेकिन यह धन के प्रावधान, गहन सलाह, ज्ञान और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों तक पहुंच, सहायता सेवाओं और प्रासंगिक नेटवर्क तक सीमित नहीं है।

अंतिम उद्देश्य उपर्युक्त 8 एलआईएस में प्रभाव निवेश के लिए व्यवहार्य सामाजिक उद्यम पाइपलाइन बनाना था; 8 कम आय वाले राज्यों में लाभ के लिए तैयार 50 निवेश सामाजिक उद्यम का सृजन करना; इन 8 निम्न आय वाले राज्यों में 160 उद्यमियों को सहायता करना था।

टीडीबी और मैसर्स विलग्रो इनोवेशन फाउंडेशन (वीआईएफ) के बीच वित्त वर्ष 2015-16 में एक समझौते को निष्पादित किया गया था, जिसमें विलग्रो को भारत के 8 एलआईएस में प्रभाव निवेश के लिए एक व्यवहार्य सामाजिक उद्यम (लाभ के लिए) पाइपलाइन बनाने के उद्देश्य से इन्क्यूबेशन संबंधी सहायता प्रदान करने के लिए प्रमुख इनक्यूबेटर के रूप में कार्य करने के लिए चयन किया गया था। उद्यम विकास के सीड या प्रारंभिक अवस्थाओं में नवीन व्यवसायों को हैण्ड होल्ड हेतु एलआईएस में वीआईएफ समर्थित चार इन्क्यूबेटर अर्थात् आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क (आईआईएमसीआईपी), आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क (आईआईएमसीआईपी), भुवनेश्वर में केआईआईटी टेक्नोलॉजी विजनेस इनक्यूबेटर (केआईआईटी टीबीआई), आईआईटी कानपुर में सिडबी इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर (एसआईआईसी आईआईटीके) और स्टार्टअप ओएसिस (सीआईआईई, आईआईएम अहमदाबाद और आरआईआईसीओ(रीको) की पहल) जो व्यावसायिक रूप से सफल होने के दौरान भारत के एलआईएस में पिरामिड के निचले हिस्से को लाभान्वित करते हैं।

### 5.4 राष्ट्रीय सहयोग:

#### 5.4.1 वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) – इंडिया फॉर क्लाइमेट सॉल्वर पार्टनर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

नवाचार के क्षेत्र में भारत की ताकत को ध्यान में रखते हुए, जहां इसे ग्लोबल क्लिनटेक इनोवेशन इंडेक्स 2012 में 12वां स्थान दिया गया है, टीडीबी ने दिनांक 21 मई 2012 को डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया द्वारा लॉन्च किए गए क्लाइमेट सॉल्वर प्लेटफॉर्म में शामिल होने का फैसला किया।

भारत में, टीडीबी के अलावा, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), न्यू वेंचर्स इंडिया, सेंटर फॉर इनोवेशन इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (आईआईएम अहमदाबाद) और स्काईक्वेस्ट टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग प्रा. लिमिटेड ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

#### 5.4.2 प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

टीडीबी और प्रौद्योगिकी सूचना पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी) ने डीएसटी के तहत एक स्वायत्त निकाय ने दिनांक 10 फरवरी, 2018 को "परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी नवाचार" पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य नवीन तकनीकों की तलाश करना, स्वदेशी तकनीकों का व्यावसायीकरण करना और ऐसी तकनीकों का व्यावसायीकरण करने वाली कंपनियों में निवेश करना है। सहयोग के क्षेत्रों और कार्यक्षेत्र में निम्न शामिल हैं:

- निवेश प्रवृत्तियों और उनको संचालित करने वाली ताकतों के साथ उभरती हुई (कोर थ्रस्ट) प्रौद्योगिकियों/प्रौद्योगिकी क्षेत्रों की स्काउटिंग;
- उन प्रौद्योगिकियों की पहचान करना जिनमें सामाजिक और आर्थिक वातावरण को बदलने की क्षमता और साथ ही साथ देश के बढ़ते युवाओं के लिए तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक आधार पर रोजगार सृजित करने की क्षमता है;
- प्रौद्योगिकी को आसानी से अपनाने के लिए नीतिगत ढाँचा विकसित करना; चिह्नित किये गये क्षेत्र के लिए राष्ट्र में इसके वाणिज्यीकरण के लिए अग्रणी स्केलिंग और विनिर्माण।

#### 5.4.3 इनोवेटिव चेंज कोलैबोरेटिव (आईसीसीओ) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

टीडीबी और इनोवेटिव चेंज कोलैबोरेटिव (आईसीसीओ) इंडिया ऑर्गनाइजेशन, भारत में कार्यरत एक विकास संगठन है, जिसने दिनांक 6 मार्च, 2018 को "ट्रांसफॉर्मेशनल एग्रीकल्चरल टेक्नोलॉजी बिजनेस सॉल्यूशंस" विषय पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य नवीन कृषि प्रौद्योगिकियों के लिए स्काउट, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण और कंपनियों में निवेश करना है जो किसानों की आय को दोगुना करने की क्षमता प्रदर्शित करेगा। सहयोग के क्षेत्रों और कार्यक्षेत्र में निम्न शामिल हैं:

- प्री-हार्वैस्ट क्षेत्र, संबद्ध कृषि, फसल-पश्चात खेत्र में प्रासंगिक कृषि प्रौद्योगिकी व्यवसाय संबंधी समाधानों की खोज करना;
- उन प्रौद्योगिकियों और व्यावसायिक समाधानों की पहचान करना जो ग्रामीण आर्थिक वातावरण को परिवर्तित करने की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं और देश के ग्रामीण युवाओं के लिए तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक आधार पर रोजगार का सृजन करते हैं।
- वाणिज्यिक और वित्तीय व्यवहार्यता के लिए उनकी प्रौद्योगिकी तत्परता और व्यवसाय मॉडल का मूल्यांकन करके किसानों की आय के स्तर में वास्तव में सुधार करने के लिए पहचाने गए डोमेन में रुचि रखने वाले कृषि-प्रौद्योगिकी व्यवसायों की क्षमता का मूल्यांकन करना।

#### 5.4.4 पीएचडी चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

टीडीबी और पीएचडी चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने दिनांक 25 अप्रैल, 2018 को राष्ट्रीय महत्व की उभरती प्रौद्योगिकियों/

तकनीकी क्षेत्रों जैसे कृषि व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण, हेल्थकेयर और फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, पानी और अपशिष्ट से ऊर्जा ऑटोमोबाइल, आदि क्षेत्रों की तलाश के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। और उन्हें संचालित करने के कारकों की पहचान किया गया; इसके व्यावसायीकरण के लिए अग्रणी प्रौद्योगिकी, अपस्केलिंग और विनिर्माण को आसानी से अपनाने के लिए नीतिगत ढांचे को भी विकसित किया गया। दोनों संगठन प्रौद्योगिकी संचालित परियोजनाओं के साथ उद्योगों की पहचान करने में सहयोग कर रहे हैं जिनके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव हो सकते हैं और तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घावधि के आधार पर रोजगार का सृजन कर सकते हैं।

#### 5.4.5 एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के साथ समझौता ज्ञापन

टीडीबी और एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) ने दिनांक 3 मई, 2018 को राष्ट्रीय महत्व की उभरती प्रौद्योगिकियों/ तकनीकी क्षेत्रों जैसे फार्मास्यूटिकल्स, चिकित्सा उपकरण और निदान, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा और एयरोस्पेस विद्युत गतिशीलता और ऑटोमोबाइल; और उनको संचालित करने वाले कारकों की पहचान करना; साथ ही प्रौद्योगिकी को आसानी से अपनाने के लिए नीतिगत ढांचे का विकास करना, इसके व्यावसायीकरण के लिए अग्रणी प्रौद्योगिकी की तलाश के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। दोनों संगठन संगोष्ठी, संगोष्ठी और परियोजना-लेखन कार्यशालाओं के माध्यम से तत्काल, मध्यम-अवधि और दीर्घावधि आधार पर वाणिज्यिक परिणाम वाली प्रोटोटाइप प्रौद्योगिकियों/प्रौद्योगिकी-संचालित परियोजनाओं वाली कंपनियों की पहचान करने के लिए निकट सहयोग में काम कर रहे हैं।

#### 5.4.6 जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी/बिरक) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू)

"स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण" के लिए विभिन्न उद्योग सहायक संगठनों के बीच तालमेल लाने के उद्देश्य से, दिनांक 7 सितंबर, 2018 को जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी/बिरक) और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे ताकि जैव चिकित्सा/जैव प्रौद्योगिकी नवाचारों, परिवर्तन और व्यावसायीकरण के लिए एक निर्बाध तरीके से वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर एक पा. रिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जा सके और बढ़ाया दिया जा सके।

सहयोग के क्षेत्र और इसके कार्यक्षेत्र में निम्नलिखित शामिल हैं:

- बीआईआरएसी और टीडीबी नवाचार और व्यावसायीकरण के बीच होने वाले अंतराल को दूर करने के लिए ठोस प्रयासों हेतु संयुक्त अंतर-संगठनात्मक तंत्र को मजबूत करेंगे।
- पारस्परिक रूप से उन जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के साथ सहमत हैं जो एक सहकारी शासन संरचना की स्थापना द्वारा निर्बाध मूल्यांकन और वित्त पोषण संबंधी सहायता विचारों के लिए संबंधित संगठनात्मक कार्यक्षेत्र में आ सकते हैं।
- प्रभावी निधीयन जुटाने और प्रौद्योगिकी तत्परता में होने वाले अंतराल को कम करने के लिए पार्टियां अपनी संबंधित संगठनात्मक क्षमता से लाभ उठाने के लिए एक तालमेल बनाएंगी।
- प्रति संदर्भ (क्रॉस रेफरेंस) के लिए परियोजनाओं का निर्णय एमओयू की क्रियाशील (ऑपरेटिव) अवधि के संबंध में आपसी समझ के आधार पर लिया जाएगा; जिसमें वित्तीय दायित्वों और

सहयोग की सीमा शामिल है।

- इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से पार्टियां संयुक्त पहल की प्राप्ति के लिए ज्ञान का आधार, आंतरिक प्रक्रियाओं और परियोजना इनपुट को साझा करने के लिए संयुक्त रूप से सहमत हुई हैं।

## 5.5 गठबंधन

### 5.5.1 ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस (जीआईटीए)

भारत के औद्योगिक अनुसंधान और विकास प्रयासों में गति लाने के संबंध में समर्थन करने हेतु व्यापार और उद्योग पर प्रधान मंत्री की परिषद के परिणाम के रूप में, वर्ष 2011 में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार के बीच पीपीपी संयुक्त उद्यम के रूप में ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस (जीआईटीए) की स्थापना की गई थी।

जीआईटीए एक अभिनव मंच है जो प्रौद्योगिकी अंतराल को दूर करता है, दुनिया भर में उपलब्ध प्रौद्योगिकियों का मूल्यांकन करता है और भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उपयुक्त तकनीकी-रणनीतिक सहयोगी साझेदारी बनाता है। जीआईटीए प्रभावी मैचमेकिंग और सहयोगी औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए औद्योगिक और संस्थागत भागीदारों को एक साथ लाता है, जिससे प्रौद्योगिकी विकास / अधिग्रहण / अनुकूलन / तैनाती के लिए वित्त पोषण की सुविधा मिलती है।

वर्षों से, जीआईटीए भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों, जैसे कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमआईटीआई), भारी उद्योग विभाग (डीएचआई), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), औद्योगिक नीति

और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमओएमएसएमई) की साझेदारी के तहत विभिन्न राष्ट्रीय और द्विपक्षीय औद्योगिक अनुसंधान और विकास और प्रौद्योगिकी अधिग्रहण परियोजनाओं का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहा है। जीआईटीए ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए यूरोपीय आयोग जैसे बहुपक्षीय निकायों के साथ भी सहयोग किया है।

इसमें आने वाले व्यवधानों ने भारत की तकनीकी आकांक्षाओं के लिए राष्ट्रीय प्रासंगिकता के क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है, जैसे कि सस्ती स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा और परिवहन सहित स्वच्छ प्रौद्योगिकियां, उन्नत विनिर्माण, पूंजीगत सामान क्षेत्र, रक्षा और एयरोस्पेस, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी), इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और निर्माण (ईएसडीएम), जल प्रौद्योगिकी (जल शोधन, विलवणीकरण, सिंचाई प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट जल उपचार और प्रबंधन सहित), आदि।

जीआईटीए ने जीआईटीए इनोवेशन एक्सचेंज (जीआईएक्ससी) के साथ भारतीय इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ अपने जुड़ाव को व्यापक और औपचारिक बनाया। जीआईएक्ससी एक विशिष्ट, आभासी मंच है जो नवाचार स्पेक्ट्रम में एक्टर्स के लिए नवाचार हेतु तकनीकी साझेदारी, प्रौद्योगिकियों, आईपी सेवाओं और वित्त के लिए विश्वसनीय जुड़ाव बनाने का प्रयास करता है।

### 5.5.2 मिलेनियम एलायंस (एमए)

मिलेनियम एलायंस (एमए) कार्यक्रम 2011 में टीडीबी, यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिककी) द्वारा संयुक्त रूप से नवाचारों की पहचान करने, परीक्षण करने और स्केल करने के लिए एक मंच के रूप में शुरू किया गया था जो पिरामिड (बीओपी) स्तर के तल पर सुधार लाते हैं। यह एलायंस

स्वास्थ्य, बुनियादी शिक्षा, जल और स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा/कृषि और स्वच्छ ऊर्जा सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक विकास के लिए एक नवाचार साझेदारी के रूप में बनाया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नवाचार का लाभ बीओपी आबादी तक पहुंचे। बाद में, यूके के डीएफआईडी, आईसीसीओ सहयोग, समावेशी विकास के लिए आईसीआईसीआई फाउंडेशन, विश्व बैंक समूह और फेसबुक इस मंच से जुड़ गए।

प्रत्येक एमए पार्टनर सामाजिक उद्यमों का समर्थन करने के अंतिम उद्देश्य के साथ वित्तीय और ज्ञान आधारित संसाधनों को साथ लाया जो परिवर्तनकारी बदलाव ला सकता है। एमए भारत और दुनिया भर में बीओपी आबादी को लाभान्वित करने वाली विकास चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत में विकसित और परीक्षण किए जा रहे नये समाधानों की पहचान करने और उन्हें आकलन करने के लिए भारतीय रचनात्मकता, विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाने के लिए एक समावेशी मंच था। एमए विभिन्न सामाजिक नवप्रवर्तकों, परोपकार संगठनों, सामाजिक उद्यम पूंजीपतियों, एंजेल निवेशकों, दानदाताओं, सेवा प्रदाताओं और कॉरपोरेट फाउंडेशनों को एक साथ लाने के लिए एक नेटवर्क था, ताकि नवप्रवर्तकों (इनोवेटर्स) को वित्तीय और अन्य तरह की सहायता प्रदान की जा सके।

25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का एक फंड स्थापित किया गया था, जिसमें 25.00 करोड़ (5.00 करोड़ रु. प्रति वर्ष) रु. का योगदान दिया गया था। इस कार्यक्रम के तहत, नवप्रवर्तकों (इनोवेटर्स) को सीड फंडिंग, अनुदान, इन्क्यूबेशन, नेटवर्किंग के अवसर, व्यवसाय सहायता, ज्ञान का आदान-प्रदान और तकनीकी सहायता प्रदान की गई, जो इक्विटी, ऋण और अन्य पूंजी तक पहुंच की सुविधा प्रदान करती है।

इस कार्यक्रम ने वर्ष 2018-19 में अपने 5 दौर पूरे किए। इन दौरों के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने 86.7 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के साथ सीधे तौर पर 124 नवीन परियोजनाओं का समर्थन किया। इन परियोजनाओं ने लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है, किसानों की आय में वृद्धि की है, उन्हें प्रारंभिक कक्षा की शिक्षा, स्वच्छ पेयजल, उनके घरों के लिए ऊर्जा, सस्ती और डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सुविधाएं प्रदान की हैं।

समर्थित उद्यम बाह्य निधियों को जुटाने के साथ-साथ व्यापक और टिकाऊ परियोजना के कार्यान्वयन के लिए भागीदारी विकसित करने हेतु उत्प्रेरक निधि के रूप में दिए गए अनुदान का लाभ उठाने में सक्षम थे। एमए द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं को भारत के 21 राज्यों में लागू किया गया था। फंड द्वारा 11 देशों में हस्तक्षेप का भी समर्थन किया। एमए अफ्रीका (केन्या, रवांडा, युगांडा, इथियोपिया, बुर्किना फासो और मलावी) और दक्षिण एशिया (अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल) में 22 भारतीय कंपनियों को उनके नवाचारों को दोहराने और उनका विस्तार करने का समर्थन करने वाला अपनी तरह का एकमात्र कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम ने पूरे दुनिया में सामाजिक क्षेत्र में उद्यमिता विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## 5.6 प्रौद्योगिकी दिवस और राष्ट्रीय पुरस्कार की प्रस्तुति

### 5.6.1 प्रौद्योगिकी दिवस

प्रत्येक वर्ष पूरे भारत में 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। ऑपरेशन शक्ति (पोखरण-द्वितीय) परमाणु परीक्षण के पांच परीक्षणों में से पहले की वर्षगांठ मनाने हेतु राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जा रहा है, जो 11 मई, 1998 को पोखरण राजस्थान में आयोजित किया गया था।

इस दिन प्रथम स्वदेशी विमान हंसा-3 का परीक्षण बेंगलूर में किया गया और उसी दिन भारत ने त्रिशूल मिसाइल का सफल परीक्षण भी किया था। इन सभी उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाने के लिए चुना गया।

यह दिन दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व पर जोर देता है और छात्रों को करियर विकल्प के रूप में विज्ञान को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

इस दिन ने उद्योग से राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं के साथ मजबूत साझेदारी बनाने और अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने और वैश्विक बाजारों में प्रवेश पाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ ज्ञान नेटवर्क बनाने का आग्रह किया।

### 5.6.2 राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने और तकनीकी उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टीडीबी ने राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की थी। यह पुरस्कार नवीन स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल व्यावसायीकरण के लिए विभिन्न उद्योगों को प्रदान किया जाता है।

यह पुरस्कार दिनांक 11 मई, 1999 को मनाये जाने वाले राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के शुभ अवसर पर पहली बार दिया गया था। मैसर्स शांता बायोटेक्निक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा भारत के तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा प्रसारित 'रिकॉम्बिनेंट डीएनए आधारित हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन' के व्यावसायिक उत्पादन हेतु इस पुरस्कार का प्रथम प्राप्तकर्ता था।

इस पुरस्कार में 10.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी दी गई। यदि कोई प्रौद्योगिकी अलग-अलग संस्थाओं द्वारा विकसित और व्यावसायीकरण की गई है, तो दोनों अलग-अलग

पुरस्कार प्राप्त करने के पात्र हैं। वर्ष 2016 में, पुरस्कार की मात्रा को बढ़ाकर 25.00 लाख रु. कर दिया गया।

अगस्त 2000 में, टीडीबी ने एक लघु क्षेत्र उद्योग (एसएसआई) इकाई के लिए 2.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी की शुरुआत की, जिसने एक प्रौद्योगिकी-आधारित उत्पाद का सफलतापूर्वक व्यवसायीकरण किया है। पहला एसएसआई पुरस्कार दिनांक 11 मई, 2001 को दिया गया था। पुरस्कार की संख्या और मात्रा को वर्ष 2011 में क्रमशः तीन और 5.00 लाख रु. तक बढ़ा दिया गया था।

वर्ष 2016 में, इस पुरस्कार का नाम बदलकर 'एमएसएमई पुरस्कार' कर दिया गया और इसकी मात्रा (राशि) को बढ़ाकर 15.00 लाख रु. कर दी गई।

वर्ष 2017-18 के दौरान, टीडीबी ने 15.00 लाख रु. के पुरस्कार की एक नई श्रेणी और वाणिज्यीकरण की क्षमता वाली आशाजनक नई प्रौद्योगिकी के लिए स्टार्ट-अप हेतु एक ट्रॉफी की शुरुआत की।

दिनांक 11 मई 2018 से, प्रौद्योगिकी दिवस समारोह के एक भाग के रूप में निम्नलिखित तीन श्रेणियों के लिए पुरस्कार दिए जाते हैं:

- **स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (01)**— स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल विकास और वाणिज्यीकरण की दिशा में एक औद्योगिक प्रतिष्ठान को 25.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी; यदि प्रौद्योगिकी विकासकर्ता और वाणिज्यीकरण करने वाले संगठन अलग-अलग हैं, तो प्रत्येक संगठन नकद पुरस्कार और ट्रॉफी के लिए पात्र है;

- **प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद के सफल वाणिज्यीकरण के लिए एमएसएमई श्रेणी के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार (03\*)** – एमएसएमई को 15.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी जिसने स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित उत्पाद का सफलतापूर्वक व्यवसायीकरण किया है;
- **स्टार्ट-अप श्रेणी के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार (01\*)** – वाणिज्यीकरण हेतु क्षमता वाली आशाजनक नई प्रौद्योगिकी के लिए 15.00 लाख रु. का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी।

\*राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए ध्यान समिति दिए जाने वाले पुरस्कारों की संख्या में परिवर्तन कर सकती है या यदि प्रविष्टियाँ उपयुक्त नहीं पाई जाती हैं तो ये भिन्न हो सकती हैं।

### 5.7 "प्रस्तावों के लिए आमंत्रण" जारी करना

बोर्ड इस मामले में एक अग्र-सक्रिय दृष्टिकोण अपनाता है और समय-समय पर महत्व के विभिन्न क्षेत्रों में "प्रस्तावों की मांग" जारी करता है ताकि नीतियों के अनुसार विभिन्न रणनीतिक क्षेत्रों में टीडीबी समर्थन नवाचार-संचालित प्रौद्योगिकी केंद्रित परियोजनाओं और "मेक इन इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" आदि जैसे भारत सरकार की पहलें की इरादे से स्थानीय उद्योग को परिचित कराया जा सके।।

### 5.8 विवाद समाधान समिति (डीआरसी)

टीडीबी की स्थापना के बाद से, कई मामलों को प्रौद्योगिकी विफलता या व्यावसायीकरण विफलता के कारण तनावग्रस्त घोषित किया गया है। इन एनपीए/तनावग्रस्त मामलों, पूर्व-मुकदमेबाजी और मुकदमेबाजी के मामलों के कारण, बोर्ड ने वर्ष 2015 के अंत में "विवाद समाधान समिति (डीआरसी)" का गठन करके ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए एक तंत्र की शुरुआत किया।

डीआरसी का उद्देश्य टीडीबी के बकाये राशि के भुगतान से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए कंपनियों को एक मंच प्रदान करना है। हालाँकि, डीआरसी कहीं भी टीडीबी द्वारा पहले से शुरू की गई कानूनी कार्यवाही में हस्तक्षेप नहीं करता है। डीआरसी की सिफारिशों को अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष रखा जाता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से, कई कंपनियों के साथ मुद्दों को सुलझाया गया है और इसकी वसूली की गई है।

### 5.9 परियोजना प्रस्तावों का ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण

वर्ष 2017-18 से, टीडीबी आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को डिजिटल और पेपरलेस जमा करने का प्रयास कर रहा है, जो "डिजिटल इंडिया" की दिशा में एक रास्ता है। इस पहल ने कार्य प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता और दक्षता लाई। "परियोजना प्रस्तावों का ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण" "परियोजना प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस)" @<http://www.e-techcom.tdb.gov.in/> के माध्यम से किया जाता है।

### 5.10 प्रदर्शनियाँ/संगोष्ठियाँ

टीडीबी से उपलब्ध वित्तीय सहायता के बारे में उद्योग, उद्यमियों और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों में जागरूकता पैदा करने के लिए, अन्य संगठनों के सहयोग से परस्पर क्रिया बैठकें/प्रदर्शनियों में भागीदारी जैसी विभिन्न गतिविधियों की गई।

### 5.11 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का निर्माण

कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने, व्यापक कनेक्टिविटी प्राप्त करने और वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के महत्व को ध्यान में रखते हुए टीडीबी ने अपने स्वयं के सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म की आवश्यकता महसूस की और इसके आधिकारिक पेज निम्नानुसार बनाए:

**फेसबुक :** [www.facebook.com/tdbgoi](http://www.facebook.com/tdbgoi)

**लिंकडइन:** <https://www.linkedin.com/in/technology-development-board/>

**ट्विटर :** <https://twitter.com/tdbgoi>

**इंस्टाग्राम:** [www.instagram.com/technologydevelopmentboard/](http://www.instagram.com/technologydevelopmentboard/)

**यूट्यूब:** [https://www.youtube.com/channel/Technology Development Board](https://www.youtube.com/channel/TechnologyDevelopmentBoard)

# टीडीबी-वर्ष एक दृष्टि में



# टीडीबी-वर्ष एक दृष्टि में

वित्त वर्ष 2021-22 में टीडीबी ने, विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए छह (06) समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों के माध्यम से, टीडीबी ने विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करते हुए ₹ 357.28 करोड़ की कुल परियोजना लागत में से ₹ 116.78 करोड़ ऋण के रूप में दिए गये हैं।

## 1.0 वित्त वर्ष 2021-22 में प्राप्त आवेदन

वित्तीय वर्ष में, टीडीबी को कुल 88 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 29 आवेदन नियमित विधि के तहत प्राप्त हुए, 56 आवेदन भारतीय स्टार्ट-अप कंपनियों से "स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण" प्रस्ताव के आमंत्रण के माध्यम से प्राप्त हुए और 03 आवेदन "सेमीकंडक्टर और सेंसर टेक्नोलॉजीज" प्रस्ताव आमंत्रण के तहत प्राप्त हुए।

### क्षेत्र-वार विवरण:

इन 88 आवेदनों का क्षेत्रवार वितरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	क्षेत्र	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1.	स्वास्थ्य और चिकित्सा	21	135.29	61.17
2.	अभियांत्रिकी	17	208.47	85.24
3.	सूचना प्रौद्योगिकी	14	115.95	52.59
4.	कृषि	13	241.00	105.19
8.	ऊर्जा - और अपशिष्ट उपयोग	11	72.83	37.61
9.	इलेक्ट्रानिक्स	12	154.52	67.14
	कुल	88	928.07	408.92

## 1.2 राज्यवार विवरण :

इन 88 आवेदनों का राज्यवार वितरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं	राज्य और संघ राज्य क्षेत्र	आवेदनों की संख्या	अनुमानित कुल लागत	टीडीबी से मांगी गई सहायता
1.	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना	12	272.23	122.42
2.	बिहार	1	0.63	0.20
3.	गुजरात	3	58.84	29.41
4.	हिमाचल प्रदेश	1	1.68	0.70
5.	झारखंड	1	8.25	3.93
6.	कर्नाटक	17	121.83	49.33
7.	केरल	3	2.55	1.38
8.	मध्य प्रदेश	1	1.02	0.50
9.	महाराष्ट्र	11	109.56	43.61
10.	नई दिल्ली	10	88.89	38.22
11.	ओडिशा	3	11.10	3.16
12.	पंजाब	1	36.60	18.30
13.	राजस्थान	2	2.88	1.01
14.	तमिलनाडु	13	89.06	32.33
15.	उत्तर प्रदेश	7	95.77	50.93
16.	उत्तराखंड	1	23.18	11.50
17.	पश्चिम बंगाल	1	4.00	2.00
	<b>कुल योग</b>	<b>88</b>	<b>928.07</b>	<b>408.92</b>

## 2.0 वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान हस्ताक्षरित समझौते

इस वर्ष टीडीबी ने विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ छह (06) समझौतों पर हस्ताक्षर किए। विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं	कंपनी का नाम	परियोजना का नाम	क्षेत्र
1.	मैसर्स बोटलैब डायनामिक्स लिमिटेड, नई दिल्ली	प्रा. 3डी कोरियोग्राफ किए गए ड्रोन लाइट शो के लिए 500-1000 ड्रोन से मिलकर बने हुए रीकॉन्फिगररेबल स्वार्मिंग सिस्टम का डिजाइन और विकास।	अभियांत्रिकी
2.	मैसर्स मंजीरा डिजिटल सिस्टम्स लिमिटेड, हैदराबाद	प्रा. नाविक और जीपीएस के लिए रिसीवर मॉड्यूल का विकास और उत्पादन।	इलेक्ट्रॉनिक्स

क्र.सं	कंपनी का नाम	परियोजना का नाम	क्षेत्र
3.	मैसर्स स्वजल वाटर प्रा. लिमिटेड, गुरुग्राम	मलिन बस्तियों, गांवों और उच्च उपयोगिता वाले क्षेत्रों के लिए सौर जल शोधन इकाई के उपयोग के लिए ईओटी सक्षम पॉइंट।	अभियांत्रिकी
4.	मैसर्स स्काईशेड डेलाइट्स प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	कार्बन पदचिह्न को कम करने और भवन ऊर्जा दक्षता में सुधार करने हेतु डेलाइट हार्वैस्टिंग टेक्नोलॉजीज।	ऊर्जा और अपशिष्ट उपयोग
5.	मैसर्स सपिजेन बायोलॉजिक्स प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	दो नए टीकों - इंट्रानासल कोविड-19 वैक्सीन और 'आरटीएस, एस मलेरिया वैक्सीन' का वाणिज्यीकरण और विकास।	स्वास्थ्य और चिकित्सा
6.	मैसर्स ऑरेंज कोई प्रा. लिमिटेड, विशाखापत्तनम	'इंफ्लान्स, रोबोटिक सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स और डिवाइसेस की मेटल इंजेक्शन मोल्डिंग' का विकास और वाणिज्यीकरण	स्वास्थ्य और चिकित्सा

### 3.0 संवितरण

वित्तीय वर्ष 2021-22 में, टीडीबी ने परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए कुल ₹ 39.71 करोड़ का संवितरण किया है, जिसमें निम्न शामिल हैं:

- क) चालू नई परियोजनाओं और अन्य योजनाओं के लिए ₹ 13.30 करोड़ का संवितरण किया जिसमें ₹ 13.23 करोड़ ऋण के रूप में और निवेश के लिए यूटीआई/अन्य वीसीएफ/ आईटीवीयूएस के लिए ₹ 0.07 करोड़ शामिल हैं;
- ख) "फाइटिंग कोविड-19" के प्रस्तावों के लिए ₹ 26.41 करोड़ का संवितरण किया जिसमें ₹ 25.63 करोड़ ऋण और ₹ 0.78 करोड़ अनुदान के रूप में शामिल हैं।

### 4.0 पूर्ण की गई परियोजनाएं

टीडीबी द्वारा समर्थित निम्नलिखित कंपनियों ने वित्त वर्ष 2021-2022 के दौरान अपनी परियोजना पूरी होने की घोषणा की:

क्र.सं	कंपनी का नाम	परियोजना का नाम	क्षेत्र
1.	मैसर्स बायोजेन फर्टिलाइजर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सलेम, तमिलनाडु	बायो एनपीके (लिविबड), बायो कंट्रोल माइक्रोब्स के साथ जैविक खाद के एनकैप्सुलेटेड मल्टी-न्यूट्रिएंट प्रेनुलेशन/पेलेटाइजेशन का व्यावसायिक उत्पादन ह्यूमिक, वीएएम, एंजाइम, इम्यून मॉड्यूलेटर और ट्रेस तत्व (जिंक, बोरान, मोलिब्डेनम, मैंगनीज और आयरन)	कृषि
2.	मैसर्स क्यूनु लैब्स प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर	क्यूनु के क्वांटम प्रीयोगिकी सुरक्षा उत्पादों का वाणिज्यीकरण	सूचना प्रौद्योगिकी
3.	मैसर्स कोकोस्लैब इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर	सार्वजनिक स्थानों पर असामान्य शरीर के तापमान वाले व्यक्तियों की पहचान करने के लिए कम लागत वाले थर्मल कैमरों के लिए उन्नत वीडियो विश्लेषण	सूचना प्रौद्योगिकी

क्र.सं	कंपनी का नाम	परियोजना का नाम	क्षेत्र
4.	मैसर्स थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा. लिमिटेड, पुणे	कोविड-19 और अन्य वायरल संक्रमणों के प्रसार और सुरक्षा के लिए एंटीवायरल एजेंटों के साथ कम लागत वाले और अधिक कुशल मास्क का विकास	स्वास्थ्य और चिकित्सा
5.	मैसर्स पैनाशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर	स्वदेशी चिकित्सा एलआईएनएसी (लिनैक) के लिए व्यावसायीकरण और विनिर्माण लाइन की स्थापना	स्वास्थ्य और चिकित्सा
6.	मैसर्स एवोबी ऑटोमेशन्स प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर	पोर्टेबल अल्ट्रा-वायलेट आधारित बॉक्स स्टरलाइजर और मॉड्यूलर मूवेबल अल्ट्रा-वायलेट आधारित इंडोर रूम स्टरलाइजर	स्वास्थ्य और चिकित्सा
7.	मैसर्स मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र	कोविड कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए परीक्षण किट का निर्माण	स्वास्थ्य और चिकित्सा

## 5.0 ऋण का निपटारा / भुगतान

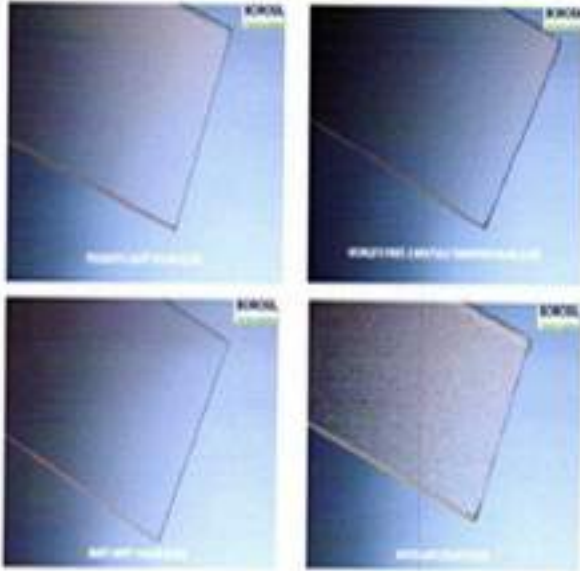
इस वर्ष टीडीबी द्वारा वित्तपोषित निम्नलिखित कंपनियों ने अपना ऋण चुकाया/टीडीबी के साथ अपने ऋण लेखा का निपटान किया:

क्र.सं	कंपनी का नाम	परियोजना का शीर्षक
1.	मैसर्स संपूर्ण एग्री वेंचर्स प्रा. लिमिटेड, चंडीगढ़	केवल धान के पुआल का उपयोग करते हुए बायोगैस और जैव-समृद्ध जैविक खाद प्लांट का विकास और व्यावसायीकरण
2.	मैसर्स बायोलॉजिकल ई लिमिटेड, हैदराबाद	न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सिन के निर्माण के लिए एक परियोजना की स्थापना के लिए
3.	मैसर्स सात्सिट टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड, हैदराबाद	केएस, कोविड-19 के लिए एक स्क्रीनिंग और निगरानी उपकरण
4.	मैसर्स लाइफकेयर इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, गुडगांव	निबंधित रिलीज फार्मास्यूटिकल्स का विकास और व्यावसायीकरण
5.	मैसर्स यशराज बायोटेक्नोलॉजी लिमिटेड, नवी मुंबई	रोग मॉडलिंग बायोमार्कर खोज और दवा विषाक्तता परीक्षण के लिए प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्राप्त उत्पादों और सेवाओं का विकास और व्यावसायीकरण।
6.	मैसर्स कोरल टेलीकॉम लिमिटेड, हिमाचल प्रदेश	आईआरआईएस एनजीएक्स स्विच का विकास और व्यावसायीकरण जो उद्यम के साथ-साथ रक्षा के लिए नई पीढ़ी की नेटवर्क आवश्यकताओं को पूरा करेगा
7.	मैसर्स आईमिनबिट टेकइंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा	जल बचत आरओ आधारित शोधन प्रौद्योगिकी का विनिर्माण और व्यावसायीकरण
8.	मैसर्स पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड, अंबाला चंडीगढ़ हाईवे, लालरू, पंजाब	डेंगू टेट्रावैलेंट वैक्सिन (लाइव, एटेन्यूएटेड, रिकॉम्बिनेंट, लियोफिलाइज्ड) का विकास और व्यावसायीकरण

## 6.0 प्रौद्योगिकी दिवस

निम्नलिखित विजेताओं को निम्नलिखित तीन श्रेणियों के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार-2021 से सम्मानित किया गया है:-

### 6.1 स्वदेशी प्रौद्योगिकी के सफल वाणिज्यीकरण हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार



मेसर्स बोरोसिल रिन्यूएबल्स लिमिटेड, मुंबई  
2 एमएम का फुली टेम्पर्ड सोलर ग्लास, शक्ति: मैटमैट  
फिनिश में सोलर ग्लास, सेलेन: एयरपोर्ट के पास पीवी  
इंस्टॉलेशन के लिए एंटी-ग्लेयर सोलर ग्लास



मेसर्स रैना इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई  
टेक्सटाइल रीइन्फॉर्स्ड कंक्रीट

6.2 प्रौद्योगिकी आधारित उत्पाद के सफल वाणिज्यीकरण के लिए एमएसएमई श्रेणी के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार



मैसर्स प्लस एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम  
‘सेल्स्योर’ एक स्वदेशी तापमान नियंत्रित फार्मास्युटिकल शिपिंग बॉक्स

DIGITAL RADIO RECEIVER SOLUTIONS



APPLICATIONS  
AUTOMOTIVE RACING BROADCAST  
SECURITY SERVICES  
COMMUNICATIONS



मैसर्स इनटोट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड,  
कोच्चि  
डिजिटल प्रसारण रेडियो



मेसर्स ओलेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड,  
चेन्नई  
पेटेंट एक्वोसोम® का उपयोग करने वाला  
गिनफोर्ट<sup>टीएम</sup>

### 6.3 स्टार्ट-अप श्रेणी के तहत राष्ट्रीय पुरस्कार



मेसर्स प्रोफिशिएंट विज्जिन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, खड़गपुर  
क्लीयर विज्जिन: रीयल-टाइम रिमोवल ऑफ बैड वैंडर



मेसर्स आईरोव (आईआरओवी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड) केरल  
आईरोव टूना – आरओवी  
(दूरस्थरूप से संचालित वाहन)।



मेसर्स फैंबहेड्स ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई  
फैंबहेड्स की उड़ी प्रिंटर की फाइबरबोट श्रृंखला



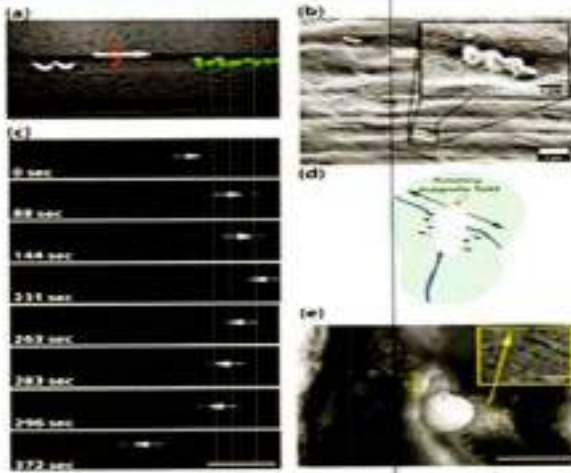
मेसर्स प्लाबेलटेक प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल  
ग्लाइ-टैग® प्लेटफॉर्म



मेसर्स ब्रीथी एप्लाइड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु  
प्रायोगिक पैमाने पर कार्बन डाइऑक्साइड का मेथनॉल में रूपांतरण



मेसर्स साइरान एआई सॉल्यूशंस, दिल्ली  
बुद्धि एआई डीआईवाई किट\*



मैसर्स थेरानॉटिक्स प्रा. लिमिटेड, बेंगलुरु  
नैनोरोबोट्स



मैसर्स मल्टी नैनो सेंस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट  
लिमिटेड, नागपुर  
एमईएमएस प्रौद्योगिकी



मैसर्स नॉकार्क रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे  
वी310 आईसीयू वेंटीलेटर, नोकार्क एच210



मैसर्स सिंथेरा बायोमेडिकल प्राइवेट लिमिटेड,  
पुणे  
पोरोएसवाईएन® बायोएक्टिव सिंथेटिक बॉन ग्राफ्ट

## 7.0 वेंचर कैपिटल फंड्स (वीसीएफ) में भागीदारी

टीडीबी ने अभी तक (31 मार्च, 2022 तक) ₹ 285.00 करोड़ की कुल प्रतिबद्धता के साथ अन्य निवेशकों के साथ 11 वेंचर कैपिटल फंड्स में भाग लिया है, जिसमें से कुल ₹ 2281.77 करोड़ (जैसा कि निवेश प्रबंधक द्वारा प्रस्तुत) की धनराशि का लाभ अन्य निवेशकों से उठाया है, अपने प्रतिबद्ध संवितरण के लिए ₹ 258.20 करोड़ का संवितरण किया है और इन फंड की निकास आय से ₹ 239.41 करोड़ की राशि प्राप्त की है। वीसीएफ में भागीदारी के जरिए टीडीबी के फंड को करीब 209 कंपनियों में निवेश किया गया है।

इस वर्ष ₹ 8.66 करोड़ की राशि ऋण मोचन के लिए प्राप्त हुए थे। इसका विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:-

(₹ करोड़ में)

क्र.सं	निधि का नाम	निवेश प्रबंधक	कुल निधि	टीडीबी की प्रतिबद्धता	वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान प्रतिपूर्ति के लिए प्राप्ति
1.	बायोटेक्नोलॉजी वेंचर फंड (बीवीएफ)	एपीआईडीसी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, हैदराबाद	155.00	30.00	-
2.	एसएमई टेक्नोलॉजी वेंचर फंड	गुजरात वेंचर फाइनेंस लिमिटेड (जीवीएफएल), अहमदाबाद	89.32	15.00	-
3.	आईसीकैप वेंचर्स ट्रस्ट फंड आई	आईसीकैप वेंचर्स एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई	238.20	25.00	2.62
4.	मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड	ब्लूम वेंचर्स एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई	100.00	25.00	-
5.	एसएमई टेक फंड आरपीसीएफ II	राजस्थान एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान	150.00	15.00	-
6.	सीफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड	सीफ इंडिया इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई	106.25	25.00	0.80
7.	भारत अपरप्युनिटिज फंड (आईओएफ)	सिडबी वेंचर कैपिटल लिमिटेड, फंड	421.30	25.00	3.57
8.	वेंचरईस्ट टेनेट फंड II	वेंचरईस्ट फंड एडवाइजर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई	54.45	15.00	-
9.	इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी	सीआईआई, आईआईएम अहमदाबाद	125.00	10.00	1.67
कुल					8.66

A person in a dark suit is holding a tablet computer. The tablet screen displays various data visualizations, including bar charts and circular gauges. In the background, a robotic arm is visible, suggesting a manufacturing or industrial setting. The overall scene is brightly lit, with a warm, golden glow. The bottom of the image features a dark teal banner with white text.

हस्ताक्षरित करार

# हस्ताक्षरित करार

मैसर्स बोटलैब डायनेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली

**क्षेत्र : अभियांत्रिकी**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 08.11.2021 को मैसर्स बोटलैब डायनेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ "3डी कोरियोग्राफड ड्रोन लाइट शो के लिए 500-1000 ड्रोन से युक्त एक रीकॉन्फिगरेबल स्वार्मिंग सिस्टम का डिजाइन और विकास" नामक अपनी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 665.84 लाख के कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 250.00 लाख की ऋण सहायता हेतु एक समझौता किया है।

**कंपनी के बारे में**

मैसर्स बोटलैब डायनेमिक्स प्राइवेट लिमिटेड को

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के इन्क्यूबेशन सेंटर में शामिल किया गया है। वर्तमान में कंपनी दो अलग-अलग परियोजनाओं में शामिल है:

- स्काई लाइट शो के लिए ड्रोन स्वार्म प्रौद्योगिकी और
- रक्षा अनुप्रयोगों के लिए ड्रोन स्वार्म प्रौद्योगिकी।

**परियोजना और उत्पाद के बारे में**

गणतंत्र दिवस बीटिंग रिट्रीट समारोह, 2022 के राष्ट्रीय अवसर पर ड्रोन लाइट शो करने के लिए 6 महीने के भीतर 500-1000 ड्रोन से युक्त एक रीकॉन्फिगरेबल स्वार्मिंग सिस्टम बनाने की परियोजना है। कंपनी ने पूरे ड्रोन प्रबंधन प्रणाली को स्वदेशी रूप से डिजाइन किया है, यानी कंपनी ने अपना इलेक्ट्रॉनिक स्पीड कंट्रोलर (मोटर कंट्रोलर), प्रेसिजन जीपीएस और फ्लाइट कंट्रोलर बनाया है। ये सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं जो मोटर की गति को नियंत्रित करने, ड्रोन को सटीक स्थान खोजने और सिस्टम को चलाने में मदद करने के लिए आवश्यक हैं। कंपनी ने दिनांक 29.01.2022 को राष्ट्रपति भवन में बीटिंग द रिट्रीट समारोह की पूर्व संध्या पर 1,000 स्वार्म ड्रोन के एक नये ड्रोन शो की परिकल्पना की है।



## मैसर्स मंजीरा डिजिटल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

### क्षेत्र : इलेक्ट्रॉनिक्स

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने "नाविक और जीपीएस के लिए रिसेवर मॉड्यूल का विकास और उत्पादन" नामक परियोजना के कार्यान्वयन हेतु ₹ 1425.00 लाख की कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 473.00 लाख की ऋण सहायता के लिए दिनांक 13.12.2021 को मैसर्स मंजीरा डिजिटल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ एक समझौता किया है।

### कंपनी के बारे में

मैसर्स मंजीरा डिजिटल सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद को आईआईआईटी-हैदराबाद के इन्क्यूबेशन सेंटर से विकसित किया गया है। कंपनी मौजूदा प्रोसेसर/को-प्रोसेसर/एक्सैलरेटर आर्किटेक्चर की बाधाओं को दूर करने के लिए उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग के लिए आर्किटेक्चर की गणना कर रही है।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

यह परियोजना किसी उत्पाद के लिए बाजार के विशिष्ट क्षेत्रों और कार्यात्मक प्रणालियों को पूरा करने के लिए चिप्स के उत्पादन के लिए "नाविक और जीपीएस के लिए रिसेवर मॉड्यूल के विकास और उत्पादन" के लिए है। यह स्वदेशी उत्पाद नेविगेशन और ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है और इसका इस्तेमाल वाणिज्यिक और नागरिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

अपनी पेटेंट तकनीक का उपयोग करके जेनेरिक जीएनएसएस (ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम) रिसेवर के विकास और विपणन में लगा हुआ है। नाविक रिसेवर के उनके संस्करण की विशिष्ट विशेषताएं यह है कि जीएनएसएस रिसेवर प्रोग्राम करने योग्य और सामान्य है। यह कई नक्षत्रों का समर्थन कर सकता है और एक साथ 60 से अधिक उपग्रहों को ट्रैक करने में सक्षम है। रिसेवर मॉड्यूल की बिजली खपत 200 मेगावाट से कम है, छोटे फॉर्म फैक्टर (240 मिमी 2)।

एकीकृत एनएवीआईसी और जीपीएस चिप्स भारत में सिग्नल उपलब्धता और स्थिति सटीकता में सुधार करेंगे। साथ ही, एनएवीआईसी (नाविक) प्रणाली पूरी तरह से भारतीय नियंत्रण में है जो एक संप्रभु देश के लिए प्रमुख जरूरत है। इसमें व्यावसायिक क्षमता भी है और एक स्वदेशी प्रणाली का विकास "मेक इन इंडिया" और "डिजिटल इंडिया" कार्यक्रमों के साथ अच्छी तरह मेल खाता है।



## मैसर्स स्वजल वाटर प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम

### क्षेत्र : अभियांत्रिकी

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने "मलिन बस्तियों, गांवों और उच्च उपयोगिता वाले क्षेत्रों के लिए आईओटी सक्षम बिंदु सौर जल शोधन इकाइयों का उपयोग" नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 648.62 लाख की कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 300.00 लाख की ऋण सहायता हेतु दिनांक 11.01.2022 को मैसर्स स्वजल वाटर प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के साथ एक समझौता किया है।

### कंपनी के बारे में

मैसर्स स्वजल वाटर प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, एक टेक स्टार्टअप कंपनी है जिसे पूर्व आईआईटीयन द्वारा स्थापित किया गया है, जिसने प्लास्टिक की बोतलों के उपयोग में कमी लाने के साथ-साथ सस्ती कीमत पर समुदायों के लिए विश्वसनीय स्वच्छ पेयजल सुलभ बनाने के लिए नवीन तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया।

## परियोजना और उत्पाद के बारे में

भारत सरकार "जल जीवन मिशन" के माध्यम से दूर-दराज के गांवों में लोगों सहित आम आदमी के लिए स्वच्छ और विश्वसनीय पेयजल को सस्ता और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस मिशन के लिए योगदान करने के लिए, कंपनी ने एक तकनीकी-अज्ञेय बिंदु-उपयोग जल प्रणाली बनाई है जो सौर ऊर्जा से संचालित होती है और इसके मालिकाना आईओटी प्लेटफॉर्म का उपयोग करके क्लाउड आधारित रिमोट मॉनिटरिंग करती है। कंपनी के पेटेंट सिस्टम, 'क्लैरवॉयंट' में सेंसर लगे हैं, जो दूर-दराज के गांवों और मलिन बस्तियों में स्थापित मशीनों की दूर से निगरानी करने में मदद करते हैं। इस प्रकार, यदि सिस्टम में किसी प्रकार की विफलता होती है या रखरखाव की आवश्यकता होती है, तो इंजीनियरिंग टीम डेटा की पूर्व जानकारी की मदद से और वास्तविक समय में समस्या को ठीक कर सकती है। ये ग्रामीण जल एटीएम स्थान के आधार पर नदियों, कुओं, तालाबों या भूजल से पानी पंप करने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करते हैं। इसके बाद पानी को पीने के लिए स्वस्थ और

शुद्ध बनाने के लिए उपयुक्त तकनीक से उपचारित किया जाएगा। इस नवाचार के साथ, शुद्ध पानी की लागत को 25 पैसे प्रति लीटर तक कम किया जा सकता है।



## मैसर्स स्काईशेड डेलाइट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

### क्षेत्र : ऊर्जा और अपशिष्ट का उपयोग

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 03.03.2022 को मैसर्स स्काईशेड डेलाइट्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ उनकी "डेलाइट हार्वेस्टिंग टेक्नोलॉजीज टू रिड्यूस कार्बन फुटप्रिंट एंड इम्प्रूव द बिल्डिंग एनर्जी एफिशिएंसी" नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 1000.00 लाख की कुल परियोजना लागत के सापेक्ष में ₹ 500.00 लाख ऋण सहायता के लिए समझौता किया है। समझौते के अनुसार, परियोजना दिनांक 31.03.2024 से पहले पूरी की जाएगी। दिनांक 31.03.2022 को कंपनी को ₹ 125.00 लाख की प्रथम किश्त जारी की गई।

### कंपनी के बारे में

यह कंपनी डेलाइटिंग टेक्नोलॉजीज में है और यह अलग-अलग डेलाइट संघटकों और समाधानों जैसे लाइट पाइप (ट्यूबलर डेलाइटिंग सिस्टम), सनलाइट रीडायरेक्टिंग लेजर कट पैनल, डेलाइटिंग सिस्टम के लिए लुमेन आउटपुट स्टडीज, मल्टी ग्लेज्ड, प्रिज्मेटिक स्काईलाइट-नोरिकूलटीएम, वास्तविक परिवेशी दिन के उजाले को मापने के लिए डेलाइट सेंसर का विकास, औद्योगिक और गोदाम आवश्यकताओं के लिए प्रकाश नियंत्रकों का विकास डे360टीएम, दीवार पर चढ़कर ट्यूबलर डेलाइटिंग सिस्टम-लाइटपाइपटीएम, आईओटी आधारित प्रकाश ऊर्जा मापन प्रणाली, दिन के उजाले

संघयन परियोजनाओं में विद्युत प्रकाश ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने के लिए, एकीकृत, हाइब्रिड डेलाइटिंग सिस्टम-आईडीएस, औद्योगिक और वेयरहाउसिंग अनुप्रयोगों के लिए पीआईआर ऑक्ज्यूपेंसी सेंसर और डेलाइट हार्वेस्टिंग सिस्टम में प्रकाश नियंत्रण के लिए एकीकरण का उत्पादन करने में योगदान दे रही है।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

प्रस्तावित प्रणाली में सूर्य के प्रकाश संकेन्द्रक के साथ डेलाइटिंग सिस्टम प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। सूरज की रोशनी के कंसन्ट्रेटर्स को बिल्डिंग की छत और दीवारों पर लगाया जाता है। वे बड़ी मात्रा में सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा एकत्र करते हैं, इसे केंद्रित करते हैं और इसे प्रकाश नलिकाओं के माध्यम से पाइप करते हैं। प्रकाश नलिकाएं पूरे भवन में यात्रा करती हैं (जैसे एयर कंडीशनिंग एयर नलिकाएं) पूरे भवन में प्राकृतिक प्रकाश पहुंचाती हैं। यह प्रणाली बिना धूप के घंटे, प्रकाश नियंत्रक, दिन के प्रकाश सेंसर, नियंत्रण कक्ष, ऊर्जा माप प्रणाली के दौरान बैकअप के लिए एलईडी प्रकाश व्यवस्था से सुसज्जित है।



## मेसर्स सैपिजेन बायोलॉजिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद

### क्षेत्र: स्वास्थ्य और चिकित्सा

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 26 मार्च 2022 को मेसर्स सैपिजेन बायोलॉजिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद (परियोजना का स्थान: भुवनेश्वर-राज्य ओडिशा) के साथ उनके परियोजना का नाम "कोविड-19 और मलेरिया टीका का विकास और वाणिज्यीकरण" के कार्यान्वयन के लिए ₹ 31130.00 लाख की कुल परियोजना लागत की तुलना में ₹ 10000.00 लाख की ऋण सहायता के लिए एक समझौता किया है।

### कंपनी के बारे में

कंपनी मेसर्स सैपिजेन बायोलॉजिक्स प्रा. लिमिटेड (एसबीपीएल) को, भुवनेश्वर में इसकी परियोजना स्थल के साथ दिनांक 17 अक्टूबर 2020 को शामिल किया गया था। यह बायोवेट प्राइवेट लिमिटेड मलूर कर्नाटक की एक सहायक कंपनी है और मेसर्स भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड, हैदराबाद के डॉ. कृष्णा एम एला

इसके प्रबंध निदेशक के रूप में हैं। एसबीपीएल को वैक्सीन और बायोथेराप्यूटिक्स के विकास, स्वामित्व और संविदा विनिर्माण, उत्पादन, प्रसंस्करण, वितरण और बिक्री पर ध्यान देने के साथ शामिल किया गया था। कंपनी का भुवनेश्वर, ओडिशा में एक बड़े पैमाने पर बहु-उत्पाद वैक्सीन और जैव चिकित्सीय विकास और निर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव है।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

अत्यधिक संक्रामक गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोना वायरस 2 (सार्स-कोव-2) के कारण होने वाली कोविड-19 महामारी को मार्च 2020 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा जारी वैश्विक महामारी घोषित किया गया है। कोविड-19 महामारी को समाप्त करने के लिए सुरक्षित और प्रभावी टीकों की समान पहुंच को महत्वपूर्ण माना जाता है।

वर्तमान में उपयोग किए जा रहे इंद्रामस्क्युलर (आईएम) कोरोना वायरस वैक्सीन के विपरीत, इंद्रा नैजल वैक्सीन म्यूकोसल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकता है जिससे एक टीकाकृत व्यक्ति की ऊपरी और निचली श्वसन प्रणाली दोनों की रक्षा हो सकती है और यह



संक्रमण और संचरण के चक्र को तोड़ सकता है। वर्तमान परियोजना वाशिंगटन यूनिवर्सिटी फॉर मेडिसिन, सेंट लुइस द्वारा सार्स-कोव-2 चिपांजी एडेनोवायरस को निष्क्रिय कर या मारे गए वायरस के रूप में विकसित प्रौद्योगिकी मंच का उपयोग करती है। इस प्लेटफॉर्म के कई फायदे हैं:

- ये टीके सतह एंटीजन को व्यक्त करते हैं जो विशेष रूप से सार्स-कोव-2 के संदर्भ में मजबूत निवारक ह्यूमरल प्रतिक्रियाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अपने एपिटोप अनुरूपता को बनाए रखते हैं।
- इसे बढ़ाना अपेक्षाकृत आसान है।
- अप्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा भी आसानी से प्रसव कराया जा सकता है और स्व-टीकाकरण भी संभव है, और इसमें सिरिंज, सुई और अल्कोहल स्वैब की कोई आवश्यकता नहीं है।
- उपयोग करने के लिए सुरक्षित है।

### ख: आरटीएस, एस मलेरिया वैक्सीन

सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता को देखते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मलेरिया और टीकाकरण के लिए डब्ल्यूएचओ के शीर्ष सलाहकार निकायों ने संयुक्त रूप से उप-सहारा अफ्रीका के चयनित क्षेत्रों में वैक्सीन के चरणबद्ध परिचय की सिफारिश की है। तीन देशों – घाना, केन्या और मलावी – ने वर्ष 2019 में मध्यम और उच्च मलेरिया संचरण के चयनित क्षेत्रों में टीके की शुरुआत की। प्रत्येक देश के नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के माध्यम से टीकाकरण प्रदान किया जा रहा है। जीएवीआई के पूर्वानुमान के अनुसार, 2035 तक मलेरिया के टीके की मांग 75 मिलियन डोज हो जायेगी।

आज तक, आरटीएस, एस मलेरिया का टीका प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रभाव दिखाने वाला एकमात्र टीका है। ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन

(जीएसके) द्वारा विकसित, अफ्रीकी देशों में छोटे बच्चों और शिशुओं में तीसरे चरण का क्लिनिकल परीक्षण पूरा हो चुका है।

दोनों टीके नये हैं और पहली बार व्यावसायिक उत्पादन के कार्यक्षेत्र में आएंगे।

### मैसर्स ऑरेंज कोई प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम

#### क्षेत्र : स्वास्थ्य और चिकित्सा

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 30.03.2022 को मैसर्स ऑरेंज कोई प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम के साथ "इंफ्लान्ट्स, रोबोटिक सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स और डिवाइसेस की मेटल इंजेक्शन मोल्डिंग" नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 858.00 लाख की कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 155.00 लाख की ऋण सहायता के लिए एक समझौता किया है।

#### कंपनी के बारे में

चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण के लिए कंपनी का प्रशासनिक कार्यालय आंध्र प्रदेश मेडटेक जोन में है। वे ऑल इंडिया मेडिकल डिवाइसेस एसोसिएशन का भी हिस्सा हैं।

#### परियोजना और उत्पाद के बारे में

मेडटेक हेल्थकेयर इकोसिस्टम की बड़ी छतरी के नीचे एक खंड है। यह खंड मुख्य रूप से निदान (डायग्नोसिस), रोकथाम, निगरानी, उपचार और रोगी देखभाल के लिए चिकित्सा उत्पादों/उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला के डिजाइन और विनिर्माण पर केंद्रित है।

इस परियोजना में, कंपनी का लक्ष्य मेडिकल सर्जिकल उपकरणों और उपकरण संघटकों जैसे बोन कटर, रॉजर्स, क्यूरेट्स, कैस्ट्रोविजोकैलिपर्स, हेमोस्टैटिक

संदंश, एलीस टिशू संदंश, क्रिल, एलीगेटर सर्जिकल फोरसेप्स, चिमटी, सीजर सिंग, मेटजेनबाम घाय बंद करने वाली क्लिप, क्लैम्प, सुई, स्टेपलर, सर्जिकल एक्सेसरी चम्मच, स्पैटुला, कैथेटर, सर्जिकल किट डेंटल आदि के विनिर्माण के लिए धातु इंजेक्शन मोल्डिंग (एमआईएम) प्रक्रिया को लागू करना है। एमआईएम धातु

या सिरामिक पाउडर से जटिल, सटीक, शुद्ध आकार के घटकों के विनिर्माण की एक तकनीक है। एमआईएम की क्षमता प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग के डिजाइन लचीलेपन और पाउडर धातु विज्ञान द्वारा प्रस्तुत सामग्री की असीमित पसंद की बहुमुखी प्रतिभा को संयोजित करने की क्षमता में निहित है।





# पूर्ण की गई परियोजनाएँ

# पूर्ण की गई परियोजनाएँ

मैसर्स थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा.  
लिमिटेड, पुणे

**क्षेत्र : स्वास्थ्य और चिकित्सा**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 08.07.2020 को मैसर्स थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे के साथ उनके "कोविड 19 और अन्य वायरल संक्रमणों के प्रसार और सुरक्षा की रक्षा के लिए एंटीवायरल एजेंटों के साथ लेपित कम लागत और अधिक कुशल मास्क का विकास" नामक परियोजना के कार्यान्वयन हेतु प्रस्ताव के लिए कोविड कॉल में वित्तीय सहायता के रूप में ₹ 27.40 लाख की कुल परियोजना लागत के सापेक्ष ₹ 7.50 लाख की वित्तीय सहायता हेतु एक समझौता किया है।

**कंपनी के बारे में**

मैसर्स थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा. लिमिटेड विभिन्न फार्मास्युटिकल उत्पादों की 3डी प्रिंटिंग पर काम कर रहा है।

**परियोजना और उत्पाद के बारे में**

कोविड-19 के खिलाफ एक निवारक उपाय के रूप में मास्क पर एंटी-वायरल एजेंटों की 3डी प्रिंटिंग के लिए परियोजना की परिकल्पना की गई है। सोडियम ओलेफिन सल्फोनेट आधारित मिश्रण जो सौंदर्य प्रसाधनों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, मास्क पर एक लेप के रूप में तैयार किया जाता है। सोडियम ओलेफिन सल्फोनेट जो एक साबुन बनाने वाला एजेंट है, इसमें हाइड्रोफिलिक और हाइड्रोफोबिक गुण होते हैं, जब वे लिफाफे वाले वायरस के संपर्क में आते हैं, तो यह बाद वाले की बाहरी झिल्ली को बाधित कर देता है। कंपनी सेटअप और रासायनिक सूत्रीकरण को सफलतापूर्वक स्थापित कर सकती है और एंटीवायरल कोटेड मास्क का उत्पादन शुरू कर सकती है। टीडीबी से मिली बड़ी सहायता के बदले में, कंपनी ने देश भर में विभिन्न सरकारी संगठनों को बराबर मूल्य के एंटीवायरल कोटेड मास्क वितरित किए हैं। कंपनी 28.02.2022 को इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूर्ण किया।



## मैसर्स कोकोस्लैब इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर

क्षेत्र : आई.टी

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 23.09.2020 को मैसर्स कोकोस्लैब इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूर, राज्य कर्नाटक के साथ उनके 'सार्वजनिक स्थानों पर असामान्य शरीर का तापमान वाले व्यक्तियों की पहचान करने के लिए कम लागत वाले थर्मल कैमरों के लिए उन्नत वीडियो विश्लेषण' नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 590.94 लाख रुपये की कुल परियोजना लागत के खिलाफ 275.00 लाख रु. की ऋण सहायता के लिए एक समझौता किया है। यह परियोजना दिनांक 31 जुलाई 2021 को पूर्ण हुई।

### कंपनी के बारे में

मैसर्स कोकोस्लैब इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड एक सॉफ्टवेयर उत्पाद विकास कंपनी है जो कंप्यूटर विज्ञान, इमेज प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता रखती है। इसने स्वदेशी रूप से विकसित वीडियो एना. लिटिक्स प्लेटफॉर्म पर काम किया है ताकि निगरानी को अधिक प्रज्ञा बनाने और रीयल-टाइम अलर्ट देने के लिए छवियों और वीडियो से सटीक और कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

प्रस्तावित परियोजना एक ऐसे समाधान के विकास के लिए थी जो भीड़ के माध्यम से चलने वाले बड़े हुए शरीर के तापमान वाले व्यक्तियों की पहचान कर सके। कोविड संक्रमण के

तेजी से प्रसार की शुरुआत में, सार्वजनिक स्थानों पर मुख्य रूप से किसी व्यक्ति के बड़े हुए शरीर के तापमान का पता लगाने के माध्यम से रोगसूचक लोगों की जांच करने के लिए एक कुशल विधि की आवश्यकता थी। टीडीबी की सहायता से विकसित उत्पाद एक समय में कई लोगों के लिए एआई तकनीक और थर्मल कैमरों का उपयोग करके शरीर के तापमान का पता लगा सकता है, मुक्त प्रवाह की स्थिति में, हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों के आगमन और प्रस्थान पर भीड़ वाले स्थानों के लिए आदर्श या कोई अन्य प्रवेश निकास बिंदु जहां लोगों की अवाजाही अधिक होता है। यह सिस्टम किसी भी संख्या में अधिकारियों को उनके फोन और लैपटॉप पर पहचाने गए व्यक्ति के बारे में सूचित करने के लिए एक अलर्ट सिस्टम भी प्रदान कर सकता है।

परियोजना के कुल निवेश ₹ 590.94 लाख का आकलन किया गया था और टीडीबी ने कुल ₹ 275.00 लाख का सावधि ऋण स्वीकृत किया था। मैसर्स कोकोस्लैब इनोवेटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने परियोजना पूरी कर ली है और दिनांक 1 अगस्त 2021 से वाणिज्यिक संचालन शुरू कर दिया है।



मेसर्स एवोबी ऑटोमेशन्स प्रा. लिमिटेड,  
बैंगलोर

**क्षेत्र : स्वास्थ्य और चिकित्सा**

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने अपनी "पोर्टेबल अल्ट्रा-वायलेट आधारित बॉक्स स्टरलाइजर और मॉड्यूलर मूवेबल अल्ट्रा-वायलेट आधारित इंडोर रूम स्टरलाइजर" नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 35.50 लाख की कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 15.00 लाख की वित्तीय सहायता के लिए दिनांक 25.09.2020 को मेसर्स इवोबी ऑटोमेशन प्रा. लिमिटेड, बैंगलोर के साथ समझौता किया।

**कंपनी के बारे में**

यह कंपनी प्रौद्योगिकी के साथ मिलकर अगली पीढ़ी के उत्पादों और सॉफ्टवेयर पर काम कर रही है। उत्पादों में बच्चों के लिए टिकर करने और उनके मन में किसी भी विचार को बनाने के लिए सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर प्लेटफॉर्म शामिल हैं। प्लेटफॉर्म डोमेन में छोटे बच्चों के लिए रोबोटिक्स, गेमिंग, संवर्धित वास्तविकता (एआर),

वर्चुअल रियलिटी (वीआर), व्यक्तिगत स्मार्ट खिलौने, भाषा और वस्तु की पहचान संबंधी शिक्षण के खिलौने शामिल हैं।

**परियोजना और उत्पाद के बारे में**

कंपनी ने अपने उत्पाद "पोर्टेबल अल्ट्रा-वायलेट आधारित बॉक्स स्टरलाइजर और मॉड्यूलर मूवेबल अल्ट्रा-वायलेट आधारित इंडोर रूम स्टरलाइजर" के व्यावसायीकरण के लिए एक समझौता किया है। कंपनी ने दो अलग-अलग मॉडल में अल्ट्रावायलेट सैनिटाइजर विकसित किए हैं: जिनमें से एक पोर्टेबल मॉडल है जबकि दूसरा मूवेबल है। अनुदान सहायता के बदले में, कंपनी ने जेजे अस्पताल, मुंबई, सैसन अस्पताल, पुणे, टीएमसी और नायर अस्पताल, मुंबई और देश भर के विभिन्न सरकारी विद्यालयों सहित विभिन्न अस्पतालों में 450 यूवी सैनिटाइजर बॉक्स वितरित किए गये हैं। कंपनी ने 500 से अधिक यूवी सैनिटाइजर बॉक्स बेचे हैं और विभिन्न संगठनों से ऑर्डर प्राप्त कर रही है। कंपनी ने परियोजना को दिनांक 31.07.2021 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।



## मैसर्स क्यूनु लैब्स प्रा. लिमिटेड, बेंगलोर

### क्षेत्र: आई.टी

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने अपनी क्यूनु के क्वांटम प्रौद्योगिकी सुरक्षा उत्पादों का वाणिज्यीकरण नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹586.00 लाख की कुल परियोजना लागत के लिए ₹280.00 लाख की ऋण सहायता के लिए दिनांक 28.08.2020 को मैसर्स क्यूनु लैब्स प्रा. लिमिटेड, बेंगलोर के साथ समझौता किया। परियोजना को दिनांक 15.06.2021 को सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है।

### कंपनी के बारे में

मैसर्स क्यूनु लैब्स प्रा. लिमिटेड, बेंगलोर को आईआईटी (आईआईटीएम) से विकसित हुआ किया गया है। यह कंपनी क्वांटम सुरक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में है और क्वांटम प्रौद्योगिकियों पर आधारित सुरक्षा उत्पादों के विकास में लगी हुई है। इसकी शुरुआती प्लेटफॉर्म में क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (क्यूकेडी) सिस्टम और क्वांटम रैंडम नंबर (क्यूआरएनजी) शामिल हैं।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेडी) एक ऐसी तकनीक है जिसके द्वारा कोई व्यक्ति क्वांटम यांत्रिकी के नियमों द्वारा सुनिश्चित सुरक्षा के साथ संचार लिंक

के दो सिरों के बीच एन्क्रिप्शन के लिए एक कुंजी का आदान-प्रदान कर सकता है। कुंजी के आदान प्रदान की प्रक्रिया एक अलग फाइबर चैनल पर की जाती है जिसे क्वांटम चैनल कहा जाता है, जिस पर एन्कोडेड क्वांटमबिट्स या 'क्विबिट्स' के रूप में सूचना भेजी जाती है। आमतौर पर, एन्कोडेड फोटॉनों का उपयोग किया जाता है और चूंकि तीव्रता कम होती है, तो उनमें से कुछ ही दूसरे छोर तक पहुंचते हैं। इसके बाद, दोनों पक्षों के बीच 'क्लासिकल' चैनल के माध्यम से हैण्डशेकिंग की प्रक्रिया से, दोनों पक्ष एक सामान्य, छननी वाली कुंजी पर पहुंचते हैं। यह आगे अपनी गोपनीयता को और बढ़ाने के लिए त्रुटि सुधार और गोपनीयता प्रवर्धन की प्रक्रिया से गुजरता है।

इस शिफ्टिंग प्रक्रिया द्वारा प्राप्त ऐसी कुंजी को 'बिना शर्त सुरक्षित' माना जाता है या दूसरे शब्दों में, भले ही किसी विरोधी व्यक्ति के पास भौतिक रूप से अनुमेय कम्प्यूटेशनल शक्ति की कोई भी राशि हो, वह कुंजी को समझने में सक्षम नहीं होगा। यदि कोई विरोधी संचार लिंक पर नज़र रखने की कोशिका प्रयास करता है, तो उसे या तो पता चल जाएगा या वह पर्याप्त जानकारी प्राप्त करने में असमर्थ होगा और इस तथ्य की गारंटी क्वांटम भौतिकी के सिद्धांतों द्वारा दी गई है। क्यूनु ने कई बड़े ओईएम और पीएसयू के राउटर/एन्क्रिप्टर्स/मालिकाना उपकरणों के साथ क्यूकेडी प्लेटफॉर्म को सफलतापूर्वक जोड़ा है जो भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों को एन्क्रिप्शन समाधान प्रदान करते हैं।



## मैसर्स बायोजेन फर्टिलाइजर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सलेम, तमिलनाडु

### क्षेत्र: कृषि

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने दिनांक 15.03.2019 को मैसर्स बायोजेन फर्टिलाइजर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सलेम, तमिलनाडु के साथ उनके "एनपीके (तरल), जैव नियंत्रण रोगाणुओं, एचयूएमआईसी, वीएएम, एंजाइम, इम्यूनो मोडायुलेटर्स और ट्रेस तत्वों (जस्ता, बोरान, मोलिब्डेनम, मैंगनीज और लोहे) के साथ जैविक खाद के अघुलनशील बहु पोषक दाने / फूस के व्यावसायिक उत्पादन" के लिए ₹ 1027.00 लाख की कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 460.00 लाख की ऋण सहायता के लिए एक समझौता किया।

### कंपनी के बारे में

मैसर्स बायोजेन फर्टिलाइजर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सलेम, तमिलनाडु, भारत में कम कीमत के जैविक उर्वरक के विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता में शामिल है। उन्होंने जैसे उत्पादों का प्रस्ताव दिया जिन्हें उच्च ग्रेड सामग्री और परिष्कृत तकनीक का उपयोग करके तैयार किए गए हैं।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

इस परियोजना का उद्देश्य दानेदार कोटिंग और एनकैप्सुलेशन की प्रक्रिया के माध्यम से जैविक खाद और जैव-अणुओं (जैव उर्वरक/जैव-कीटनाशक, प्रोबायोटिक रोगाणुओं/एंजाइम/प्रतिरक्षा न्यूनाधिक आदि) की अच्छाई को संयोजित करना है। परियोजना

का उद्देश्य टीएनएयू, तमिलनाडु द्वारा विकसित ग्रेनुलेशन/पैलेटाइजेशन तकनीक का व्यावसायीकरण करना और एनसीओएफ, गाजियाबाद द्वारा विकसित तरल एनपीके प्रौद्योगिकी का इनकैप्सुलेशन करना है। इनकैप्सुलेटेड बायो ग्रेन्यूल्स एक "ऑल इन वन बायो प्रोडक्ट" है जिसमें जैविक खाद, जैव उर्वरक, बायोपेस्टीसाइड ह्यूमिक, इम्यून मॉड्युलेटर और ट्रेस तत्व होते हैं। यह बायोप्रोडक्ट फसलों को रोग और सूत्रकृमि के प्रतिरोध के अलावा प्रमुख और सूक्ष्म पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है।

परियोजना का कुल निवेश ₹ 1027.00 लाख निर्धारित किया गया था और टीडीबी ने कुल ₹ 460.00 लाख का सावधि ऋण की स्वीकृति दी थी। मैसर्स बायोजेन फर्टिलाइजर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सलेम, तमिलनाडु ने दिनांक 31.07.2021 को परियोजना पूरी कर ली है।



## मैसर्स पैनासिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड, बेंगलोर

### क्षेत्र: स्वास्थ्य एवं चिकित्सा

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने दिनांक 06 अक्टूबर, 2016 को "स्वदेशी चिकित्सा लिनाक के लिए विनिर्माण लाइन के वाणिज्यीकरण और स्थापना" के लिए 1930.36 लाख रु. की परियोजना लागत के मुकाबले 740.00 लाख रु. की ऋण सहायता के लिए एक समझौता किया और दिनांक 30 अगस्त, 2019 को मेडिकल लाइनेक की मौजूदा परियोजना के तहत 1953.00 लाख रु. की अनुमानित परियोजना लागत पर "लाइनेक द्यूब (मेडिकल लाइनेक का एक महत्वपूर्ण घटक) के स्वदेशी विनिर्माण" के लिए 500.00 लाख की अतिरिक्त ऋण सहायता हेतु पूरक समझौता किया।

पैनासिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज, एक अग्रणी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता है जो रेडियोथेरेपी में मुख्य विशेषज्ञता के साथ कैंसर थेरेपी के लिए अत्याधुनिक नवाचारों और समाधानों का उत्पादन करती है। अपनी स्थापना के बाद से, पैनासिया भारत सरकार के सम्मानित आर-डी संस्थानों - परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के तहत भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), सोसाइटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग एंड रिसर्च (समीर) और टाटा मेमोरियल सेंटर (मुंबई) के साथ तकनीकी सहयोग से कई उत्पादों के विकास में लगे हुए है।

टीडीबी की वित्तीय सहायता से पैनासिया ने एक रैखिक त्वरक विकसित किया है - "स्टीरियोटैक्टिक इमेजिंग और उन्नत वितरण तकनीकों की उन्नत सुविधाओं के साथ सिद्धार्थ II अर्थात आईएमआरटी, आईजीआरटी, वीएमएटी और एसबीआरटी", एक "मेक इन इंडिया" उत्पाद है जिसने भारत को 'आत्मनिर्भर' बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के पहले रिंग गैन्ट्री

आधारित लीनियर एक्सेलेरेटर के विकास के साथ, पैनासिया का लक्ष्य भारत और बाकी देशों में कैंसर के इलाज को सस्ता बनाना है।

सिद्धार्थ II, एक अत्यधिक उन्नत दोहरी मोडैलिटी प्रणाली है जो 6एमवी फोटोन और 6एमईवी इलेक्ट्रॉनों को वितरित करने में सक्षम है, जिसे चिकित्सकों को रोगी की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करते हुए हाई एंड उपचार देने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सिद्धार्थ II एक आधुनिक एसबीआरटी रैखिक त्वरक है जो 6 एमवी फोटॉन के साथ सटीक रेडियोथेरेपी देने में सक्षम है। रिंग गैन्ट्री आधारित सिद्धार्थ II में बीम स्टॉपर होता है, जो परिरक्षण आवश्यकताओं को कम करता है और बदले में बंकर निर्माण की लागत को कम करता है। सिद्धार्थ II में 1.5एम का चौड़ा बोर है जो उपयोगकर्ताओं को टकराव के जोखिम के बिना सबसे बड़े स्थिरीकरण उपकरणों को रखने की अनुमति देता है।

मैसर्स पैनेशिया मेडिकल टेक्नोलॉजीज प्रा.लिमिटेड ने परियोजना पूरी कर ली है और आईईसी, सीई मार्किंग और यूएसएफडीए (510के) की मंजूरी के मौजूदा अनुपालन के साथ, सिद्धार्थ II उत्पाद वाणिज्यिक वैश्विक विपणन के लिए तैयार है। ऋण की अदायगी जनवरी 2020 से शुरू हो गयी है।



मेसर्स मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस प्रा.  
लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र

### क्षेत्र: स्वास्थ्य और चिकित्सा

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) ने "कोविड कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए परीक्षण किट का विनिर्माण" नामक परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ₹ 1360 लाख की कुल परियोजना लागत के मुकाबले ₹ 400 लाख की अनुदान सहायता हेतु दिनांक 22 मई, 2020 को मेसर्स मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, महाराष्ट्र के साथ एक समझौता किया था। कंपनी ने दिनांक 05 अक्टूबर, 2021 को परियोजना पूरी कर ली है और दिनांक 06 अक्टूबर, 2021 से 100 लाख रु. की टीडीबी फंडिंग के साथ वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।

### कंपनी के बारे में

मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड पैथोजन का पता लगाने और वायरल लोड मॉनिटरिंग के लिए डायग्नोस्टिक किट का एक पोर्टफोलियो प्रदान करता है। यह कंपनी नैदानिक नमूनों से नोवेल कोरोनावायरस

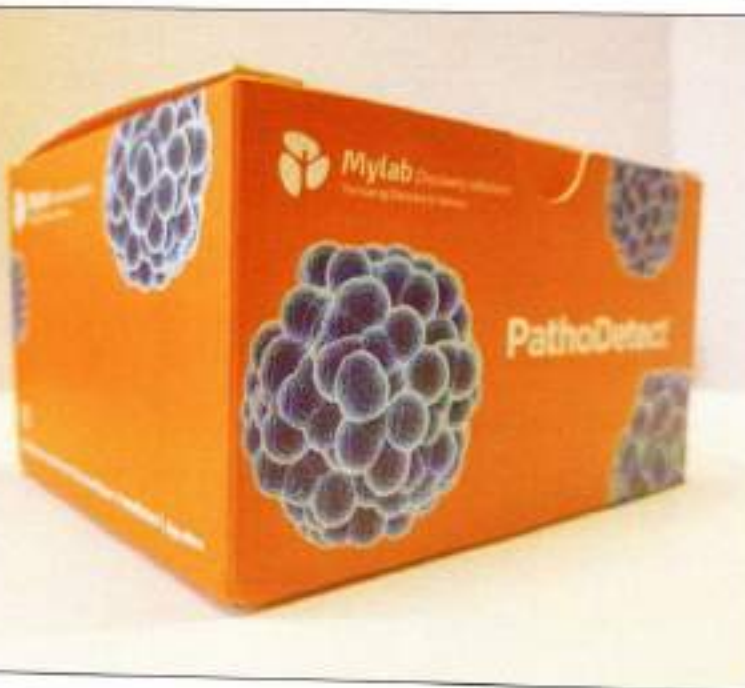
2019-एन कोव/सार्स-कोव-2 का पता लगाने के लिए किट के विनिर्माण, बिक्री या वितरण के लिए लाइसेंस प्राप्त करने वाली पहली कंपनी थी।

### परियोजना और उत्पाद के बारे में

कंपनी ने भारत में व्यावसायीकरण के लिए इसका उपयोग करने हेतु प्रसिद्ध आरटी पीसीआर तकनीक के आसपास नवाचार किए। कंपनी ने संकट की स्थिति में भारत के आम आदमी के लिए प्रौद्योगिकी को सस्ती बना दिया है। मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस पैथोडिटेक्टटीएम कोविड-19क्यू गुणात्मक पीसीआर किट श्वसन नमूनों और सीरा में 2019-नावेल कोरोनावायरस (2019-एनकोव) के इनविट्रो गुणात्मक पता लगाने और भेदभाव के लिए एक इनविट्रो आरटी पीसीआर परख है। 2019-एनकोव प्राइमर और जांच सेट को कोरोनावायरस जैसे सार्स की सार्वभौमिक पहचान के लिए डिज़ाइन किया गया है और एकल परीक्षण में बर्लिन प्रोटोकॉल के आधार पर स्क्रीनिंग के लिए ई जीन और आरडीआरओ जीन का उपयोग करके 2019-एनकोव का विशिष्ट पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कोरोना वायरस का पता लगाने के लिए किट बनाने के लिए आईसीएमआर से मंजूरी और डीसीजीआई से मंजूरी पाने वाली यह पहली भारतीय कंपनी थी।

टीडीबी की सहायता से, कंपनी ने इस प्रक्रिया में ऑटोमेशन मशीनों को लाकर एक दिन में 4000 किट (4 लाख परीक्षण एक दिन) के विनिर्माण के लिए एक सेटअप विकसित करने की योजना बनाई है। कंपनी ने 4 लाख परीक्षणों की परिकल्पना के मुकाबले प्रति दिन लगभग 10 लाख परीक्षण की है।



# संवर्धनात्मक गतिविधियाँ



# संवर्धनात्मक गतिविधियाँ

ETHealthworld.com इनोवेशन एंड इंटेलिजेंट हेल्थकेयर समिट

06 अगस्त, 2021

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने 06 अगस्त, 2021 को आयोजित ETHealthworld.com इनोवेशन एंड इंटेलिजेंट हेल्थकेयर समिट के लिए ईटी गवर्नमेंट को सरकारी सहायता प्रदान की। समिट का उद्देश्य भारत की हेल्थकेयर के लिए आगे की राह की परिकल्पना करने

हेतु संपूर्ण हेल्थकेयर इकोसिस्टम और आस-पास के हितधारकों को एक साथ लाना है।

इस कार्यक्रम ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में टीडीबी द्वारा किए गए सविनयपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

2nd Edition

Healthworld.com  
**Innovation & Intelligent Healthcare Summit 2021**  
Technological Disruption in Indian Health & Pharma

In association with  
Government.com

Welcoming Our Supporting Partner

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD  
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

August 06, 2021

ETHGIHS

## टीडीबी का 25वां स्थापना दिवस

1 सितंबर, 2021

टीडीबी ने सक्षम प्रौद्योगिकी वाणिज्यीकरण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर अपना 25वां स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डॉ. जितेंद्र सिंह और देश में एसएंडटी क्षेत्र में दिग्गज डॉ. वी.के. सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, डॉ. शेखर सी मांडे, सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, सीएसआईआर, सचिव डीबीटी और डीएसटी, श्रीमती रेणु स्वरूप, श्री राजेश कुमार पाठक, आईपी एंड टीएफएस, सचिव, टीडीबी और प्रोफेसर आशुतोष शर्मा, पूर्व सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की उपस्थिति द्वारा इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई गयी।

प्रो. के विजय राघवन, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार ने वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम

में भाग लिया। डॉ. कृष्णा एल्ला, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, भारत बायोटेक और युवा उद्यमी, सुश्री अक्षता कारी, सह-संस्थापक और सीओओ, कोको लैब ने भी व्यक्तिगत रूप से इस कार्यक्रम को संबोधित किया। वहीं बायोकॉन इंडिया लिमिटेड की संस्थापक डॉ. किरण मजूमदार शॉ और शांता बायोटेक की संस्थापक डॉ. केएल वरप्रसाद रेड्डी ने वर्चुअल माध्यम से इस अवसर को संबोधित किया।

इस समारोह में टीडीबी द्वारा वित्तीय रूप से समर्थित 26 सिग्नेचर कंपनियों और प्रौद्योगिकियों पर एक विशेष रिपोर्ट के लॉन्च को भी चिह्नित किया गया। इस रिपोर्ट में इन सिग्नेचर कंपनियों और वर्षों के प्रमुख विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकासों को उजागर करने वाली परियोजनाओं के सफल केस स्टडीज शामिल हैं।



## एपीएसी का दूसरा हेल्थटेक इनोवेशन कॉन्क्लेव

07 सितंबर, 2021

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने एपीएसी हेल्थटेक इनोवेशन कॉन्क्लेव 2021 के दूसरे संस्करण के साथ मिलकर सरकारी समर्थक के रूप में एक साथ काम किया। सचिव, टीडीबी, श्री राजेश कुमार पाठक ने एपीएसी न्यूज नेटवर्क द्वारा आयोजित दूसरे हेल्थटेक इनोवेशन कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम ने कम लागत, स्केलेबल नवाचारों को सुनिश्चित करने के लिए महामारी के दौरान देश के स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में टीडीबी के सविनयपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।



दूसरा ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट एंड अवाडर्स, 2021

28 से 29 सितंबर, 2021

सचिव, टीडीबी, श्री राजेश कुमार पाठक ने ऑल इंडिया काउंसिल फॉर रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन द्वारा आयोजित दूसरे ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट एंड अवाडर्स, 2021 के समापन सत्र को संबोधित किया। श्री राव इंद्रजीत सिंह, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा इस कार्यक्रम की शोभा भी बढ़ाई गई थी।

अपने मुख्य भाषण में, श्री पाठक ने भविष्य में जिम्मेदार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आवश्यकता पर जोर दिया और ऐसी तकनीकों का टीडीबी में समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

इस आयोजन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स क्षेत्र के विकास में योगदान दिया। टीडीबी ने इस क्षेत्र में वित्तपोषित परियोजनाओं का प्रदर्शन किया।



## शिव नादर यूनिवर्सिटी की 'आइडियाएक्सचेंज' स्टार्टअप कॉन्फ्रेंस

23 अक्टूबर 2021

सचिव, टीडीबी, श्री राजेश कुमार पाठक 23 अक्टूबर, 2021 को अटल इनक्यूबेशन सेंटर और शिव नादर यूनिवर्सिटी के 'आइडियाएक्सचेंज' स्टार्टअप सम्मेलन में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पुरस्कार समारोह में देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम और टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स के प्रति टीडीबी के सक्रिय

दृष्टिकोण पर अपने विचार रखे।

इस कार्यक्रम ने टीडीबी को नवोदित नवोन्मेषकों और भविष्य के उद्यमियों के साथ बातचीत करने की सुविधा प्रदान की, जो सरकार से समर्थन की तलाश कर रहे थे।



भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के साथ बैठक।

12 नवंबर, 2022

श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के. विजयराघवन से स्टार्टअप ईकोसिस्टम को

प्रेरित करने और उसमें टीडीबी की भूमिका के लिए नई पहलों और रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।



**“एक्सप्लोटिंग द पोटेंसियल ऑफ इंडियन टेलीकॉम—द वे फॉरवर्ड” पर सी-डॉट की कार्यशाला**

02 दिसंबर 2021

टीडीबी ने सी-डॉट द्वारा आयोजित “एक्सप्लोटिंग द पोटेंसियल ऑफ इंडियन टेलीकॉम—द वे फॉरवर्ड” पर कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य देश में प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए विनिर्माण/स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर ध्यान केंद्रित करके पारिस्थितिकी तंत्र की कमजोरियों और ताकत को

समझने के लिए एक साझा मंच पर हितधारकों को एक साथ लाना था।

जो प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को प्रेरित करने में मदद कर सकते हैं।



## एपीएसी ग्लोबल एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड्स का तीसरा संस्करण

3 दिसंबर, 2021

एपीएसी ग्लोबल एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड्स 2021 के तीसरे संस्करण में एक कार्यक्रम के दौरान, टीडीबी को "डीएसटी के अनसंग हीरो" के रूप में सराहा गया और स्वदेशी तकनीक के व्यावसायीकरण में उनके योगदान के लिए एपीएसी ग्लोबल एजुकेशन लीडरशिप

अवार्ड्स 2021 प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यीकरण की दिशा में टीडीबी के प्रयासों की सराहना की गई।



## इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल,

10 –13 दिसंबर 2021

टीडीबी ने इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में भाग लिया और युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपनी सिग्नेचर परियोजनाओं और सफलता की कहानियों को प्रदर्शित किया।

इस कार्यक्रम ने टीडीबी को 'गोवा' से संभावित परियोजनाओं की तलाश करने का अवसर प्रदान किया।



तमिलनाडु प्रौद्योगिकी विकास और संवर्धन केन्द्र (टीएनटीडीपीसी) की 8वीं वार्षिक आम सभा बैठक

17 दिसंबर, 2021

श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव टीडीबी ने तमिलनाडु प्रौद्योगिकी विकास और संवर्धन केंद्र (टीएनटीडीपीसी) के पदेन अध्यक्ष के रूप में चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित

टीएनटीडीपीसी की 8वीं वार्षिक आम सभा की बैठक की अध्यक्षता की।



## आईएसबीए का 14वां वार्षिक सम्मेलन

9 – 11 जनवरी, 2022

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने दिनांक 09-11 जनवरी, 2022 से चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित इंडियन स्टेप एंड बिजनेस इनक्यूबेटर एसोसिएशन (आईएसबीए) के 14वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया। वार्षिक सम्मेलन का आयोजन 'रिब्रूटिंग द इकॉनमी - रोल ऑफ इनक्यूबेटर्स' के विषय पर किया गया था।

टीडीबी को तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री, थिरु

एम. के. स्टालिन द्वारा 'डिस्ट्रिब्यूटेड नेटवर्क' इन्क्यूबेटर मॉडल" पर आईएसबीए की विशेष रिपोर्ट की पहली प्रति भी प्रस्तुत की गई थी, जिसे कमांडर नवनीत कौशिक, वैज्ञानिक-एफ द्वारा प्राप्त किया गया था। साथ ही, कमांडर नवनीत कौशिक, वैज्ञानिक-एफ ने 'स्टार्टअप फंड मैनेजमेंट: एक्सेस टू फाइनेंसिंग-आपर्टूनिटीज, चैलेंज एंड पॉसिबिलिटीज' विषय पर पैनल चर्चा में भाग लिया।



### माननीय मंत्री निवास पर मैसर्स बोटलैब डायनेमिक्स के साथ प्रेस वार्ता

28 जनवरी 2022

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सचिव—टीडीबी, श्री राजेश कुमार पाठक के साथ—गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी 2022 में बोटलैब के 1000 ड्रोन शो से पहले मैसर्स बोटलैब्स डायनेमिक्स के

संस्थापकों और टीम के सदस्यों के साथ बातचीत की। इतने बड़े पैमाने पर ड्रोन शो करने वाला भारत विश्व का चौथा देश बन गया है।

### माननीय मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा टीम बॉटलैब डायनेमिक्स का सम्मान

01 फरवरी 2022

जनवरी को राजपथ पर आयोजित बीटिंग द रिट्रीट समारोह में मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति के लिए टीम बोटलैब को सम्मानित किया गया। सम्मान माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा पृथ्वी भवन में किया गया। टीडीबी के अध्यक्ष डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर द्वारा भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई गयी।

इस कार्यक्रम ने बीटिंग रिट्रीट समारोह में 1000 स्वार्म ड्रोन शो के सफल आयोजन के पीछे युवा दिमाग को सम्मानित किया, जिससे पूरा देश मेक इन इंडिया ड्रोन का उपयोग करके उनके प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध हो गया।



माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री के साथ बैठक

15 फरवरी, 2022

डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और अध्यक्ष, टीडीबी और श्री राजेश कुमार पाठक, आईपी एंड टीएफएस, सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने दो मंत्रालयों स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और अनुसंधान एवं विकास के लिए डीएसटी-टीडीबी;

स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का वाणिज्यीकरण के बीच एक सहक्रियात्मक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के विचार पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री से मुलाकात की।



सीएसआर का 9वां राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, 2022

21 फरवरी, 2022

टीडीबी ने सीएसआर रिसर्च फाउंडेशन के 9वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, 2022 में भाग लिया। टीडीबी के सचिव श्री राजेश कुमार पाठक ने कहा कि 'जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने वाली स्वदेशी तकनीकों और ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहनों और जैव ईंधन के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों का प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड में

स्वागत है।'

इस कार्यक्रम में प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया और जलवायु परिवर्तन और उसमें टीडीबी की भूमिका से निपटने के लिए संभावित अवसरों का पता लगाया गया।



## विज्ञान प्रसार एक्सपो

22-28 फरवरी 2022

विज्ञान प्रसार द्वारा आयोजित मेगा साइंस एक्सपो 2022 में माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने टीडीबी

समर्थित स्टार्ट-अप बॉटलैब डायनेमिक्स, नैनोक्लीन, स्वजल एंड एबिलिटीज इंडिया के संस्थापकों के साथ भी बातचीत की।



## सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा 'नासो95' वायु शोधक का शुभारंभ

24 फरवरी, 2022

श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने आज आईआईटी दिल्ली में नासो95 का शुभारंभ किया। नैनोक्लीन ग्लोबल द्वारा विकसित नेसल फिल्टर

दुनिया का सबसे छोटा पहनने योग्य वायु शोधक है, जो नाक से चिपक जाता है और हानिकारक वायु प्रदूषकों के प्रवेश को रोकता है।



## सिपेट और फिक्की द्वारा इंडस्ट्री कनेक्ट-2022

25 फरवरी, 2022

टीडीबी ने रसायन और पेट्रोकेमिकल विभाग के सहयोग से सीआईपीईटी और फिक्की द्वारा आयोजित इंडिया कनेक्ट 2022 में भाग लिया। श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव, टीडीबी ने इस प्रकार कहा, "प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और रसायन और पेट्रोकेमिकल विभाग के बीच बढ़ते तालमेल के साथ। टीडीबी का लक्ष्य रसायनों के स्वदेशी उत्पादन में लगे उद्योगों का समर्थन करना है, जिससे भारत को रासायनिक और पेट्रोकेमिकल डोमेन में आत्मनिर्भर बनाया जा सके"।

इस कार्यक्रम में डॉ. मनसुख मंडाविया, माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक मंत्री भी उपस्थित थे।

इस आयोजन ने टीडीबी को उद्योग के प्लेयर्स के साथ बातचीत करने और 75 रसायनों की पहचान करने का अवसर प्रदान किया, जिन्हें टीडीबी द्वारा समर्थित स्वदेशी तकनीकों का उपयोग करके भारत में उत्पादित किया जा सकता है।



## आईआईटी पटना कार्यशाला

13 मार्च – 15 मार्च

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सचिव श्री राजेश कुमार पाठक आईआईटी पटना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला 'पीआरआईईएसटी' के संरक्षक थे। उद्घाटन समारोह में माननीय केंद्रीय ऊर्जा मंत्री, श्री राज कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति द्वारा

कार्यक्रम का शोभा बढ़या गया।

यह कार्यक्रम आईआईटी के युवा दिमागों के लिए अवसरों का एक प्रवेश द्वार बन गया।



### आईएसएफए ईवी समिट 2022

16 मार्च, 2022

कमांडर नवनीत कौशिक, वैज्ञानिक एफ, टीडीबी ने आईएसएफए और फ्रेंचाइजी इंडिया द्वारा आयोजित ईवी शिखर सम्मेलन और सम्मेलन में 'ईवी क्षेत्र में वित्तपोषण के अवसर' विषय पर पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

इस कार्यक्रम ने टीडीबी को ईवी क्षेत्र में नवाचारों का पता लगाने और हीरो, महिंद्रा आदि जैसे प्रमुख बाजार के कंपनियों (प्लेयर्स) से मिलने का मौका दिया।



### 'ब्लूमडे' ब्लूम वेंचर्स लिमिटेड का वार्षिक दिवस समारोह

23 मार्च, 2022

कमांडर नवनीत कौशिक, वैज्ञानिक और डॉ. ज्योत्सना दलाल, परियोजना समन्वयक, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने मुंबई में ब्लूम वेंचर्स के वार्षिक दिवस समारोह 'ब्लूमडे' में टीडीबी का प्रतिनिधित्व किया।

## एआईपीएमए प्लास्टिक इंटरनेशनल कांफ्रेंस

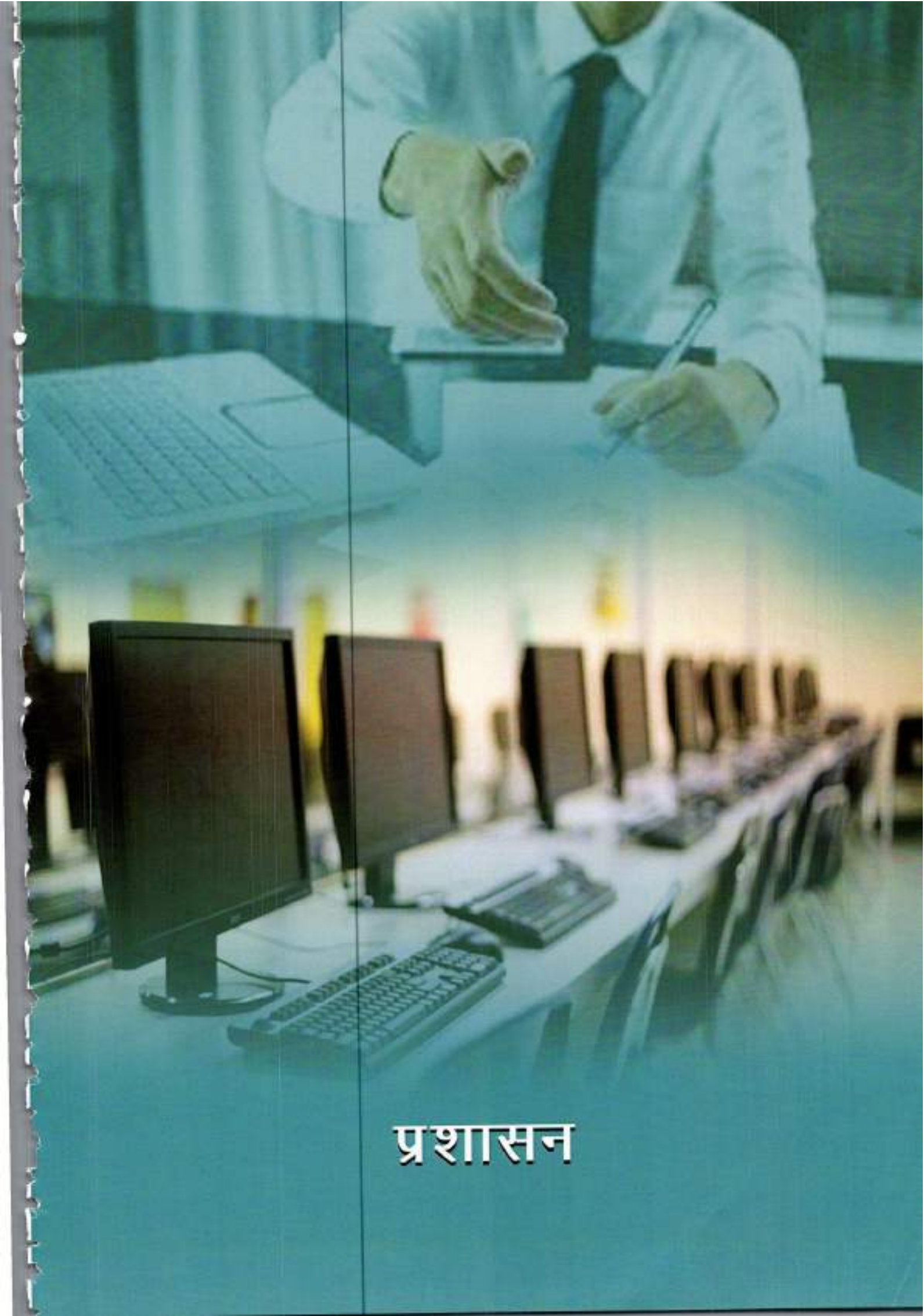
24 मार्च, 2022

टीडीबी ने एआईपीएमए में भाग लिया और श्री राजेश कुमार पाठक, सचिव, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड ने मुंबई में आयोजित प्लास्टिक उद्योग में नवाचारों पर एआईपीएमए के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने मुख्य भाषण में कहा, "प्लास्टिक उद्योग टीडीबी के लिए एक

अज्ञात वर्टिकल है। मैं सभी प्लास्टिक विनिर्माताओं से पर्यावरण के अनुकूल नवाचारों के साथ आगे आने का आग्रह करूंगा। ऐसी परियोजनाओं का टीडीबी में समर्थन करने में हमें काफी खुशी होगी।"







प्रशासन

# प्रशासन

## 1.0 वार्षिक रिपोर्ट और लेखा विवरण

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 12, निर्धारित करती है कि बोर्ड अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा, जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा दिया जाएगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम की धारा 13(4) के अनुसार, बोर्ड को केंद्र सरकार को लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ खातों की लेखा परीक्षित प्रति प्रस्तुत करनी होती है।

वर्ष 2020-21 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के वार्षिक रिपोर्ट के लेखा परीक्षित रिपोर्ट प्रति क्रमशः दिनांक 15.12.2021 और 16.12.2021 को लोकसभा और राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत की गई।

## 2.0 नए पदधारियों का शामिल होना

### 2.1 अध्यक्ष, टीडीबी

डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर ने दिनांक 14.12.2021 को सचिव, डीएसटी और अध्यक्ष, टीडीबी का पदभार ग्रहण किया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईआईसीटी) के पूर्व निदेशक डॉ. चंद्रशेखर एक प्रसिद्ध सिंथेटिक ऑर्गेनिक केमिस्ट हैं और उन्होंने धिरल केमिस्ट्री, जैविक रूप से सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों के कुल संश्लेषण और फार्मास्युटिकल उत्पादों पर विशेष जोर देने

के साथ कार्बनिक रसायन के विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

### 2.2 सचिव, टीडीबी

श्री राजेश कुमार पाठक दिनांक 26.07.2021 से प्रतिनियुक्ति के आधार पर बोर्ड में सचिव के रूप में शामिल हुए हैं। वह आईपी और टीएफएस कैंडर के 1995 बैच के सिविल सेवा अधिकारी हैं। टीडीबी में शामिल होने से पहले, वह भारतीय अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) में सदस्य (वित्त) का पदभार संभाल रहे थे, जो बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सांविधिक निकाय है।

## 3.0 अधिकारिक भाषा का कार्यान्वयन

### 3.1 हिंदी पखवाड़ा मनाना

राजभाषा के संबंध में संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने की दृष्टिकोण से टीडीबी सभी सरकारी संचार में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करता रहा है। माह सितम्बर, 2021 में हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस मनाया गया, जिसमें श्रुतलेख, निबंध लेखन, कविता, भाषण, अनुवाद आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।



### 3.2 सम्मेलन/संगोष्ठी (हिंदी) में भागीदारी:

टीडीवी ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वाराणसी (यूपी) में 13 से 14 नवंबर, 2021 को आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।



### 4.0 ई ऑफिस का कार्यान्वयन

एक गतिशील कार्यप्रवाह और विभिन्न चरणों में दस्तावेज़ को ट्रैक करने के लिए, इस वर्ष टीडीवी ने सितंबर 2021 से ई-ऑफिस लागू किया।

## 5.0 दिनांक 1 सितंबर, 2021 को टीडीबी का 25वां स्थापना दिवस

टीडीबी ने दिनांक 1 सितंबर, 2021 को अपनी स्थापना का 25वां वर्ष मनाया। इस कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), प्रो. के. विजय राघवन, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, (वर्चुअल), डॉ. वीके सारस्वत, सदस्य, नीति आयोग, डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (अतिरिक्त प्रभार), प्रो. आशुतोष शर्मा, पूर्व सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. कृष्णा इला, संस्थापक, भारत बायोटेक, डॉ. केआई वराप्रसाद रेड्डी, संस्थापक, शांता बायोटेक, डॉ. किरण मजूमदार शॉ, चेयरपर्सन, बायोकोन लिमिटेड और सुश्री अक्षरा, सह-संस्थापक, कोको लैब्स उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में, माननीय मंत्री ने टीडीबी द्वारा वित्तपोषित सिग्नेचर कंपनियों पर टीडीबी की विशेष रिपोर्ट का भी अनावरण किया।



## 6.0 सतर्कता सप्ताह मनाना

भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्राप्त करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) 'भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस' की नीति को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2021 के लिए, आयोग ने दिनांक 26 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2021 तक 'स्वतंत्र भारत@75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्मरता; Independent India @75: Self Reliance with Integrity' विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया।

भ्रष्टाचार मुक्त संस्था की नीति को बढ़ावा देने के लिए टीडीबी ने दिनांक 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2021 तक सतर्कता सप्ताह मनाया, जिसकी शुरुआत सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लेने के साथ हुई। सप्ताह के दौरान प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, भाषण, निबंध लेखन और स्लोगन लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में टीडीबी के अधिकांश स्टाफ सदस्यों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया।



# वार्षिक विवरण



# वर्ष 2021-22 के लिए लेखा-परीक्षित वार्षिक विवरण

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड 31 मार्च, 2022 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>कोंपस/कैपिटल फंड और देनदारियां</b>			
कोंपस/कैपिटल फंड	1	17,40,71,93,645	15,68,59,44,667
आरक्षित और अधिशेष	2	-	-
उद्दिष्ट/ अक्षय निधि	3	8,84,13,834	8,60,24,859
सुरक्षित ऋण और उधार	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधार	5	-	-
आस्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	7	47,54,98,342	73,68,10,769
<b>कुल</b>		<b>17,97,11,05,821</b>	<b>16,50,87,80,295</b>
<b>परिसंपत्तियाँ</b>			
अचल परिसंपत्तियाँ	8	86,87,216	84,95,873
निवेश-उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में	9	65,99,000	65,99,000
निवेश-अन्य	10	1,02,13,25,900	1,16,63,34,106
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि।	11	16,93,44,93,705	15,32,73,51,316
विविध व्यय (उस सीमा तक जिसे बढ़ते खाते में नहीं डाला गया या समायोजित नहीं किया गया)		-	-
<b>कुल</b>		<b>17,97,11,05,821</b>	<b>16,50,87,80,295</b>
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24	-	-
आकस्मिक देयताएं और लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25	-	-

—हस्ताक्षरित—  
(राजेश जैन)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

—हस्ताक्षरित —  
(राजेश कुमार पाठक)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

—हस्ताक्षरित —  
(डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर)  
उप्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखायें

(राशि ₹ में)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>आय</b>			
बिक्री/सेवाओं से प्राप्त आय	12		
अनुदान/सब्सिडी	13	1,25,06,13,703	11,56,38,978
शुल्क / अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (उद्दिष्ट/अक्षयनिधि से निवेश पर प्राप्त आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से प्राप्त आय	16	31,85,321	35,09,803
अर्जित ब्याज	17	60,93,72,130	60,00,36,912
अन्य आय	18	5,76,10,361	35,78,35,993
तैयार माल और कार्य-प्रगति के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)।	19		
	<b>कुल (क)</b>	<b>1,92,07,81,515</b>	<b>1,07,70,21,686</b>
<b>व्यय</b>			
स्थापना व्यय	20	4,51,35,103	3,66,06,098
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	11,50,81,763	3,26,45,669
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	22	-	12,05,791
ब्याज	23	-	-
मूल्यहास (वर्ष के अंत में शुद्ध योग - अनुसूची -8 के अनुरूप)		24,48,029	14,32,703
	<b>कुल (ख)</b>	<b>16,26,64,895</b>	<b>7,18,90,260</b>
व्यय पर आय में अधिकता (क-ख)		1,75,81,16,620	1,00,51,31,426
पूर्य अर्बधि का समायोजन		(3,68,67,642)	(44,24,641)
निवेश की हानि के लिए प्रावधान			
सामान्य आरक्षित कोष में अंतरण		-	-
कॉरपस फंड में दिया गया अतिरिक्त शेष		1,72,12,48,978	1,00,07,06,785
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
आकरिमक देयताएं और लेखा टिप्पणियां	25		

—हस्ताक्षरित—  
(राजेश जैन)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

—हस्ताक्षरित—  
(राजेश कुमार पाठक)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

—हस्ताक्षरित—  
(डॉ. श्रीवारी चंद्रसेखर)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

(राशि ₹ में)

	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>आरंभिक शेष :</b>			
i)	अल्पावधि जमा में निवेश	1,66,99,00,000	56,99,00,000
ii)	सुलभ नकद	22,149	34,976
<b>बैंक में नकदी</b>			
ए)	बैंक में शेष	1,49,62,29,986	1,26,10,21,180
बी)	बैंक में शेष राशि – डीएफआईडी इनवेंट	7,94,25,859	3,97,52,776
<b>प्रौद्योगिकी विकास और आवेदन निधि</b>			
i)	टीडी फंड	1,25,00,00,000	10,00,00,000
ii)	कोविड – 19 से लड़ने के लिए कोष (ब्याज सहित लौटाया गया ऋण)	5,07,603	-
iii)	अल्पावधि जमा पर ब्याज	5,48,39,937	4,23,09,523
iv)	ऋणों पर ब्याज	45,05,50,006	18,08,99,609
v)	आईटी रिफंड पर ब्याज	8,679	-
vi)	रॉयल्टी पर ब्याज	1,04,092	2,16,794
vii)	अनुदान पर ब्याज	-	14,78,533
viii)	ऋणों का पुनर्भुगतान	2,19,84,24,479	96,47,10,885
ix)	रॉयल्टी	31,85,321	35,09,803
x)	दान	4,00,000	2,00,000
xi)	अव्ययित अनुदान वापस प्राप्त हुआ	6,13,703	1,56,38,978
xii)	बचत खातों पर ब्याज (ईपीएफ खाते सहित)	6,19,40,100	1,79,99,301
xiii)	बीसीएफ फंड से आय	5,71,56,361	36,60,29,271
xiv)	सिटिंग फीस	54,000	-
xv)	आयकर वसूली योग्य	1,02,151	-
xvi)	वसूल किए गए शुल्क – देय	3,80,913	-

	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
xvii)	विविध प्राप्तियां	1,389	32,399
xviii)	कर्मचारियों को अग्रिम राशि	1,72,952	-
xix)	संपत्ति प्राप्ति	1,07,900	12,399
xxi)	मल्टी सेक्टर सीड फंड	-	9,61,39,030
xxii)	यूटीआई/एसेंट इंडिया फंड	-	-
xxiii)	आरवीसीएफ	-	1,17,74,229
xxiv)	जीवीएफएल	-	-
xxv)	इक्विटी प्राप्ति	5,91,21,375	7,02,64,200
xxvi)	सिडबी वेंचर फंड	3,57,02,362	2,25,23,262
xxvii)	इंडियन फंड फॉर स्स्टेनेबल एनर्जी (सीआईआईई)	1,66,68,253	77,66,033
xxviii)	आइवीकैप वेंचर ट्रस्ट फंड -1	2,62,37,709	1,57,41,937
xxix)	एपीआईडीसी वेंचर फंड	-	39,60,314
xxvii)	एसईएएफ इंडिया फंड	79,67,336	11,21,514
xxviii)	कर्मचारियों को अग्रिम वापसी राशि	8,67,280	93,085
xxix)	डीएफआईडी इन्वेंट परियोजना के लिए प्राप्ति	-	3,76,96,231
xxx)	डीएफआईडी इन्वेंट बचत पर ब्याज	23,89,046	19,76,923
	<b>कुल</b>	<b>7,47,30,80,941</b>	<b>3,83,28,03,186</b>

—हस्ताक्षरित—  
(राजेश जैन)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

—हस्ताक्षरित —  
( राजेश कुमार पाठक)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

—हस्ताक्षरित —  
(डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान लेखा

(राशि ₹ में)

	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>स्थापना व्यय</b>			
i)	वेतन	4,25,99,977	3,56,72,789
ii)	यात्रा व्यय (घरेलू)	18,06,270	13,58,457
iii)	वर्दी	10,000	-
iv)	कर्मचारी कल्याण व्यय और ओटीए	82,593	1,11,023
v)	चिकित्सा व्यय	6,68,658	5,06,052
vi)	प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान	-	-
<b>कार्यालय व्यय</b>			
i)	टेलीफोन / टैलेक्स	32,70,010	19,23,299
ii)	ढाक टिकट	32,201	37,310
iii)	पेट्रोल, तेल, लूब्रीकैन्ट्स	73,885	19,487
iv)	मरम्मत और अनुरक्षण	15,05,749	25,24,758
v)	उपभोग्य स्टोर और मुद्रण	33,26,553	6,59,099
vi)	समाचार पत्र और पत्रिकाएँ	80,894	-
vii)	मनोरंजन और आतिथ्य	4,96,131	86,601
viii)	बैठकों पर व्यय	2,88,749	2,31,719
ix)	विज्ञापन और प्रचार	58,03,290	44,20,269
x)	प्रौद्योगिकी दिवस व्यय	28,46,182	18,94,259
xi)	विविध व्यय	14,81,380	7,69,525
xii)	पुस्तकालय की पुस्तकें और पत्रिकाएँ	8,560	-
xiii)	कानूनी शुल्क	20,60,790	34,95,859
xiv)	परिसम्पत्ति प्रबंधन शुल्क	11,80,000	29,74,302
xv)	विशेषज्ञों को टीए/डीए	13,61,479	2,85,667
xvi)	विशेषज्ञों को मानदेय	21,78,092	46,28,073
xvii)	सदस्यता शुल्क	23,600	47,200
xviii)	प्रबंधन शुल्क	24,40,000	-
xix)	किराया	25,53,666	68,28,548
xx)	अन्य विभागों को वसूली का प्रेषित धन।	-	-
xxi)	ब्याज और टीडीएस	2,767	-
xxii)	राष्ट्रीय पुरस्कार	6,65,00,000	-

	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
xxiii)	अन्य को दी गयी अग्रिम राशि	-	40,453
xiv)	कर एवं शुल्क		1,12,088
xxv)	स्थापना दिवस	26,58,525	
xxvi)	पानी और बिजली	2,30,664	3,71,929
<b>बोर्ड पर व्यय</b>			
i)	सदस्यों को टीए/डीए	1,43,031	9,308
ii)	शुल्क और बोर्ड की बैठक पर व्यय	1,46,566	-
<b>पूँजीगत व्यय</b>			
i)	परिसंपत्ति की खरीद	29,15,885	32,63,343
<b>संवितरण</b>			
i)	ऋण	12,48,50,000	47,56,85,000
ii)	अनुदान	-	12,05,791
iii)	अनुदान पर ब्याज का भुगतान	-	-
iv)	कोविड-19 अनुदान के तहत जारी ऋण	25,63,00,000	2,12,00,000
v)	कोविड के लिए अनुदान	78,00,000	1,39,38,000
vi)	एसईएफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड	-	-
vii)	इंडियन फंड फॉर स्स्टेनेबल एनर्जी (सीआईआईई)	6,88,829	10,89,645
viii)	डीएफआईडी इन्वेंट परियोजना पर व्यय	-	-
ix)	डीएफआईडी इन्वेंट बैंक शुल्क	71	71
x)	अन्य के लिए अग्रिम राशि	9,09,990	
xi)	अन्य व्यय		18,35,268
<b>अंत शेष राशि</b>			
i)	अल्पावधि जमा में निवेश	4,66,99,00,000	1,66,99,00,000
ii)	नकद पैसे	26,438	22,149
	बैंक में नकदी		
ए)	बैंक में जमा राशि (ईपीएफ खाते सहित)	2,18,20,14,632	1,49,62,29,986
बी)	बैंक में जमा राशि - डीएफआईडी इन्वेंट	8,18,14,834	7,94,25,859
	<b>कुल</b>	<b>7,47,30,80,941</b>	<b>3,83,28,03,186</b>

-हस्ताक्षरित-  
(राजेश जैन)  
निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

-हस्ताक्षरित -  
(राजेश कुमार पाटक)  
सचिव  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

-हस्ताक्षरित -  
(डॉ. श्रीवारी चंद्रशेखर)  
अध्यक्ष  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 1 – कॉर्पस/कैपिटल फंड:			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	15,68,59,44,667		14,68,52,37,882
जोड़े गये : कॉर्पस/कैपिटल फंड के लिए अंशदान	-		-
जोड़े गये : आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय का शेष [नोट संख्या 25 (11) का संदर्भ लें]	1,72,12,48,978		1,00,07,06,785
<b>वर्ष के अंत में शेष राशि</b>		<b>17,40,71,93,645</b>	<b>15,68,59,44,667</b>

अनुसूची 2- आरक्षित और अधिशेष			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
<b>1. पूजा आरक्षित</b>			
पिछले खाते के अनुसार			
वर्ष के दौरान जोड़ी गयी राशि			
कम: वर्ष के दौरान की गयी कटौतियाँ			
<b>2. पुनर्मूल्यांकन आरक्षित राशि:</b>			
पिछले खाते के अनुसार			
वर्ष के दौरान जोड़ी गयी राशि			
घटाएँ: वर्ष के दौरान की गयी कटौती			
<b>3. विशेष आरक्षित राशि:</b>			
पिछले खाते के अनुसार			
वर्ष के दौरान जोड़ी गयी राशि			
कम: वर्ष के दौरान की गयी कटौती			
<b>4. सामान्य आरक्षित राशि :</b>			
पिछले खाते के अनुसार			
वर्ष के दौरान जोड़ी गयी राशि			
कम: वर्ष के दौरान कटौती			
<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 3- उद्दिष्ट /अक्षय निधि			
देयताएं	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
<b>(क) आईटीबीआई का वीसीएफ</b>			
1. भारत सरकार से आईटीबीआई द्वारा प्राप्त अंशदान		28,84,00,000	28,84,00,000
<b>निवेश से प्राप्त आय</b>			
क) ब्याज	13,31,47,041		13,31,47,041
ख) रॉयल्टी	5,51,97,900		5,51,97,900
ग) लाभांश	86,23,794		86,23,794
घ) उपार्जित आय कम छूट	2,38,80,81,913		2,38,80,81,913
	<b>2,58,50,50,648</b>		<b>2,58,50,50,648</b>
कम: टीडीबी को हस्तांतरित राशि	21,25,00,000		21,25,00,000
	<b>2,66,09,50,648</b>		<b>2,66,09,50,648</b>
कम: प्राप्त अतिरिक्त रॉयल्टी। पहले प्रिंसिपल राशि में समायोजित	1,12,50,000		1,12,50,000
	<b>2,64,97,00,648</b>		<b>2,64,97,00,648</b>
कम: बट्टे खाते में डाले गए ऋण	4,36,36,450		4,36,36,450
कम : निवेश की बिल्ली पर हानि	26,76,250		26,76,250
	<b>2,60,33,87,948</b>		<b>2,60,33,87,948</b>
कम: ऋण पर बनाए गये प्रावधान	8,32,79,357		8,32,79,357
कम: ब्याज और एफआईएलडी पर बनाये गये प्रावधान	2,38,80,81,913		2,38,80,81,913
घटाएँ: लेखापरीक्षा शुल्क और अन्य व्यय	18,32,324		18,32,324
घटाएँ : आईटीबीआई को प्रबंधन शुल्क	15,71,80,000		15,71,80,000
कम: निवेश के मूल्य में कमी	26,26,000	(2,96,11,646)	26,26,000
		(2,96,11,646)	(2,96,11,646)
*टीडीबी से प्राप्य राशि (31.03.2019)		3,62,10,646	3,62,10,646
		<b>65,99,000</b>	<b>65,99,000</b>
ख. इनोवेटिव वैचर फॉर टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (इन्वेंट) -डीएफआईडी		8,18,14,834	7,94,25,859
<b>कुल</b>		<b>8,84,13,834</b>	<b>8,60,24,859</b>

\*नोट:

- 1) निधि के गैर-प्रदर्शन के कारण, आईटीबीआई द्वारा दावा की गई प्रबंधन व्यय की राशि टीडीबी द्वारा विवादित है।
- 2) 3,62,10,646 /- रुपये की राशि का दावा आईटीबीआई द्वारा किया गया है, जो टीडीबी द्वारा दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए उनकी अंतिम लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार देय है। उक्त राशि आईटीबीआई द्वारा प्रभारित उच्च प्रबंधन शुल्क के कारण उत्पन्न हुई है। टीडीबी उक्त राशि के समाधान को लंबित रखते हुए उक्त राशि के भुगतान को स्वीकार नहीं करता है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण और उधार:				
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) उपायित और देय ब्याज	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण				
- उपायित और बकाया ब्याज				
ख) अन्य ऋण (विनिर्दिष्ट करें)				
- उपायित और बकाया ब्याज	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बांड	-	-	-	-
	<b>कुल</b>	-	-	-
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण और उधार				
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) मियादी कर्ज	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बांड	-	-	-	-
7. सावधि जमा	-	-	-	-
8. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
	<b>कुल</b>	-	-	-
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 3- उद्दिष्ट /अक्षय निधि				
देयताएं	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
(क) आईडीबीआई का सीसीएफ				
1. भारत सरकार से आईडीबीआई द्वारा प्राप्त अंशदान		28,84,00,000		28,84,00,000
<b>निवेश से प्राप्त आय</b>				
क) ब्याज	13,31,47,041		13,31,47,041	
ख) रॉयल्टी	5,51,97,900		5,51,97,900	
ग) लामांश	86,23,794		86,23,794	
घ) उपाजित आय कम छूट	2,38,80,81,913		2,38,80,81,913	
	<b>2,58,50,50,648</b>		<b>2,58,50,50,648</b>	
कम: टीडीबी को हस्तांतरित राशि	21,25,00,000		21,25,00,000	
	<b>2,66,09,50,648</b>		<b>2,66,09,50,648</b>	
कम: प्राप्त अतिरिक्त रॉयल्टी। पहले प्रिंसिपल राशि में समायोजित	1,12,50,000		1,12,50,000	
	<b>2,64,97,00,648</b>		<b>2,64,97,00,648</b>	
कम: बट्टे खाते में आले गए ऋण	4,36,36,450		4,36,36,450	
कम: निवेश की विक्री पर हानि	26,76,250		26,76,250	
	<b>2,60,33,87,948</b>		<b>2,60,33,87,948</b>	
कम: ऋण पर बनाए गये प्रावधान	8,32,79,357		8,32,79,357	
कम: ब्याज और एफआईएलडी पर बनावे गये प्रावधान	2,38,80,81,913		2,38,80,81,913	
घटाए: लेखापरीक्षा शुल्क और अन्य व्यय	18,32,324		18,32,324	
घटाए: आईडीबीआई को प्रबंधन शुल्क	15,71,80,000		15,71,80,000	
कम: निवेश के मूल्य में कमी	26,26,000	(2,96,11,646)	26,26,000	(2,96,11,646)
		(2,96,11,646)		(2,96,11,646)
*टीडीबी से प्राप्य राशि (31.03.2019)		3,62,10,646		3,62,10,646
		<b>65,99,000</b>		<b>65,99,000</b>
ख. इनोवेटिव वैचर फॉर टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट (इन्वेंट) -डीएफआईडी		<b>8,18,14,834</b>		<b>7,94,25,859</b>
<b>कुल</b>		<b>8,84,13,834</b>		<b>8,60,24,859</b>

\*नोट:

- 1) निधि के गैर-प्रदर्शन के कारण, आईडीबीआई द्वारा दावा की गई प्रबंधन व्यय की राशि टीडीबी द्वारा विवादित है।
- 2) 3,62,10,646 /- रुपये की राशि का दावा आईडीबीआई द्वारा किया गया है, जो टीडीबी द्वारा दिनांक 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए उनकी अंतिम लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार देय है। उक्त राशि आईडीबीआई द्वारा प्रसारित उच्च प्रबंधन शुल्क के कारण उत्पन्न हुई है। टीडीबी उक्त राशि के समाधान को लंबित रखते हुए उक्त राशि के भुगतान को स्वीकार नहीं करता है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूधियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण और उधार:				
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान				
क) सावधि ऋण				
ख) उपाजित और देय ब्याज	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण				
– उपाजित और बकाया ब्याज				
ख) अन्य ऋण (विनिर्दिष्ट करें)				
– उपाजित और बकाया ब्याज	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बांड	-	-	-	-
	<b>कुल</b>	<b>*</b>	<b>*</b>	<b>*</b>
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

अनुसूची 5 – असुरक्षित ऋण और उधार				
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)				
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) मियादी कर्ज	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान और एजेंसियां	-	-	-	-
6. डिबेंचर और बांड	-	-	-	-
7. सावधि जमा	-	-	-	-
8. अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
	<b>कुल</b>	<b>*</b>	<b>*</b>	<b>*</b>
नोट : एक वर्ष के भीतर देय राशि				

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 6 – आस्थगित ऋण देयताएं			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
क) पूंजीगत उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों के गिरवी द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	-	-	-
ख) अन्य			
	<b>कुल</b>		
नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि			

अनुसूची 7 – चालू देनदारियां और प्रावधान			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
<b>क. चालू देयताएं</b>			
1. सहायता अनुदान 'फाईटिंग कोविड-19'	71,48,62,000		75,00,00,000
कम: अनुदान के लिए उपयोग किया गया	78,00,000		1,39,38,000
कम: कोविड-19 निधि के तहत ऋण के लिए उपयोग की गयी राशि (वित्तीय वर्ष 21-22)	25,63,00,000		2,12,00,000
जोड़ें: प्राप्त अप्रयुक्त अनुदान	5,07,603	45,12,69,603	- 71,48,62,000
2. विविध लेनदार			
क) माल के लिए	-		
ख) अन्य	-	-	
3. प्राप्त प्रतिभूति राशि			-
4. उपायित ब्याज किन्तु देय नहीं -			
क) सुरक्षित ऋण / उधार			
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-
5. सांविधिक देयताएं			
क) टीडीएस	6,00,647		2,80,049
ख) जीएसटी	88,344		28,029
ग) देय जीपीएफ			
घ) देय ईपीएफ	4,29,453	11,18,444	3,23,094
6. अन्य चालू देयताएं			
क) प्रतिनियुक्ति के लिए पेंशन अंशदान			
ख) देय लेखापरीक्षा शुल्क	5,49,839		4,69,839
ग) लंबित समाधान		5,49,839	
घ) अन्य			
	<b>कुल (क)</b>		<b>71,59,63,011</b>
<b>ख प्रावधान</b>			
1. उपादान (विधुटी)	25,00,378		21,39,484
2. देय वेतन	25,86,971		16,91,054
3. देय कानूनी शुल्क	-		-
4. देय राष्ट्रीय पुरस्कार	1,70,00,000		1,70,00,000
5. देय किराया	-		17,220
6. देय थिक्लिन्सा भत्ता	4,73,107	2,25,60,456	-
	<b>कुल (ख)</b>		<b>2,08,47,758</b>
	<b>कुल (क+ख)</b>		<b>73,68,10,769</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	मकल ब्लॉक				पूरापूर				शिवल ब्लॉक	
	वर्ष की शुरुआत में लागू/पूरापूर	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत में लागू/पूरापूर	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक कुल राशि	शिफ्टी/पूरापूर	31.3.2022 तक	शिवल ब्लॉक 31.3.2021 तक
क. अवल संपत्तियाँ:										
1. भूमि:										
क) जीरोबल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) भूमिगत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) जीरोबल भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घ) जीरोबल भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) स्वामित्व वाले प्लॉट/प्लॉट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छ) भूमि पर हुए परिसर जो एचपीटी से संबंधित नहीं है	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. प्लॉट ब्लॉक और उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. वाहन	6,74,375	-	-	6,74,375	44,884	-	4,20,035	-	2,54,340	2,99,224
5. यंत्र-सामान	50,84,975	65,887	5,55,174	45,95,688	2,48,369	4,58,321	24,10,835	-	21,84,853	24,64,188
6. अवल उपकरण	59,83,442	11,14,694	12,79,815	58,18,321	4,79,631	11,00,282	26,91,931	-	31,26,390	26,70,860
7. कंप्यूटर/साफ उपकरण	28,28,590	17,35,304	5,13,713	40,50,181	25,94,691	5,44,064	26,25,170	-	14,25,011	2,33,099
8. विद्युत प्रणालियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. पुराने/नए की मरम्मत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. सॉफ्टवेयर (सिम्पल/...)	7,18,904	-	-	7,18,904	81,341	-	5,96,892	-	1,22,012	2,03,353
11. ई-मार्केटिंग - सॉफ्टवेयर	27,62,474	-	-	27,62,474	10,49,740	-	11,87,864	-	15,74,610	26,24,350
12. अन्य अवल परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बाजू, वर्ष का योग	1,80,52,760	29,15,885	23,48,702	1,86,19,943	24,48,029	20,72,188	99,32,727	-	86,87,216	84,95,874
ख. पूरापूर कार्य - पति पर										
कुल	1,80,52,760	29,15,885	23,48,702	1,86,19,943	24,48,029	20,72,188	99,32,727	-	86,87,216	84,95,874
(शिवल ब्लॉक से अलग पति की लागत के रूप में दिखायी दिया जाना आवश्यक है)										
शिवल ब्लॉक	1,48,67,697	32,63,343	78,280	1,80,52,760	14,32,703	65,880	95,56,886	12,399	84,95,874	

1. विधीय वर्ष 2019-20 के दौरान, सॉफ्टवेयर पर पूरापूर (सिम्पल) करके 2,36,201/- का अलग अलग कर (1,800 रु) के साथ वर्ष में अतिरिक्त पूरापूर से कर में वृद्धि किया गया है।  
2. वर्ष के दौरान पूरापूर ई-मार्केटिंग सॉफ्टवेयर का पूरापूर कर करके 1 वर्ष के दौरान पर पूरा पूरा परिसंपत्तियाँ करने के लिए एंटर-मार्केटिंग आयात पर लागू कर है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 9— निर्धारित /अक्षय निधियों से निवेश					
		वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष	
1.	सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-	-	-
2.	अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-	-	-
3.	शेयरों	-	-	-	-
4.	डिबेंचर और बांड	-	-	-	-
5.	सहायक और संयुक्त उद्यम	-	-	-	-
6.	आईडीबीआई का वीसीएफ(संपत्ति)	-	-	-	-
निवेश					
(i)	ऋण	8,10,04,357			8,10,04,357
	कम: प्राक्धान	8,10,04,357			8,10,04,357
(ii)	इक्विटी	92,25,000			92,25,000
	कम: निवेश के मूल्य में कमी	26,26,000	65,99,000		26,26,000
प्राप्तियां					
(i)	ब्याज	29,97,69,021			29,97,69,021
(ii)	एफआईएलडी	2,09,06,07,789			2,09,06,07,789
		<b>2,39,03,76,810</b>			<b>2,39,03,76,810</b>
	कम: प्राक्धान	2,39,03,76,810	-		2,39,03,76,810
	<b>कुल</b>		<b>65,99,000</b>		<b>65,99,000</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 10 – निवेश-अन्य			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में			
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां			
3. शेयर-इक्विटी/वरीयता भागीदारी	13,78,98,767		13,78,98,767
कम: शेयरों के बदले वसूली	5,91,21,375	7,87,77,392	
4. डिबेंचर और बांड			
5. सहायक और संयुक्त उद्यम			
6. उद्यम निधि (वैध)			
क) यूटीआई एसेट इंडिया फंड	-		-
ख) एपीआईडीसी उद्यम निधि	20,58,25,686		
कम: विमोचन	-	20,58,25,686	20,58,25,686
ग) बैंकर इंस्ट टीनेट फंड	4,41,43,882		
कम: विमोचन	-	4,41,43,882	4,41,43,882
घ) जीवीएफएल	1,50,000		
कम: विमोचन	-	1,50,000	1,50,000
ङ) आरवीसीएफ	9,42,38,418		
कम: विमोचन	-	9,42,38,418	9,42,38,418
च) सिडबी वीसीएफ	15,17,84,923		
जोड़ें: सवितरण	-		
कम: विमोचन	3,57,02,362	11,60,82,561	15,17,84,923
छ) आइवीकैप बैंकर ट्रस्ट फंड-1	20,11,26,404		
जोड़ें: सवितरण	-		
जोड़ें: पूर्व अवधि का समायोजन	-		
कम: विमोचन	2,62,37,709	17,48,88,695	20,11,26,404
ज) मल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड	2,05,070		
कम: विमोचन	-	2,05,070	2,05,070
झ) एसईएफ इंडिया एग्रीबिजनेस फंड	20,89,27,541		
जोड़ें: सवितरण	-		
कम: विमोचन	79,67,336	20,09,60,205	20,89,27,541
ञ) इंडियन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी (सीआईआईई)	4,99,83,415		
जोड़ें: सवितरण	6,88,829		
कम: विमोचन	1,66,68,253	3,40,03,991	4,99,83,415
7. जीआईटीए	7,20,50,000		
जोड़ें: सवितरण	-	7,20,50,000	7,20,50,000
<b>कुल</b>		<b>1,02,13,25,900</b>	<b>1,16,63,34,106</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 11 – वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम राशि आदि			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्तियां:			
1. इन्वेंटरी:			
क) स्टोर और स्वेयर्स			
ख) खुले उपकरण			
ग) स्टॉक-इन-ट्रेड			
i) तैयार माल			
ii) कार्य-प्रगति			
iii) कच्चा माल	-	-	-
2. विविध देनदार			
क) छह महीने से अधिक की अवधि के लिए कमाया कर्ज			
ख) अन्य		-	-
3. हाथ में नकद शेष राशि (बैंक/ड्राफ्ट और ब्याज सहित)	26,438	26,438	22,149
4. बैंक में जमा शेष राशि:			
क) सूचीगत बैंकों के साथ:			
- चालू खातों पर			
- बचत खातों पर – टीडीबी (ईपीएफ खाते सहित)	2,18,20,14,632		1,49,62,29,986
- बचत खातों पर – इन्वेंट (डीएफआईडी)	8,18,14,834	2,26,38,29,466	7,94,25,859
ख) सूचीगत बैंकों के साथ अत्यावधि जमा राशि:			
- जमा खातों पर	4,66,99,00,000	4,66,99,00,000	1,66,99,00,000
- जमा खातों पर इन्वेंट (डीएफआईडी)			
कुल (क)		6,93,37,55,904	3,24,55,77,994

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड  
31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र का भाग बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 11 – चालू संपत्ति, ऋण, अग्रिम राशि आदि (जारी)	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
<b>ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां:</b>		
<b>1. ऋण:</b>		
क) कर्मचारी		
ख) संस्था के समान गतिविधियों/उद्देश्यों में लगी अन्य संस्थाएं	-	-
ग) ऋण : औद्योगिक प्रतिष्ठानों को खोलने में सहायता	7,41,26,17,644	7,90,43,22,401
जोड़े: वर्ष के दौरान	13,23,50,000	47,56,85,000
कम: ऋण की चुकोती/समाप्तेजन	2,23,34,87,858	96,47,10,885
कम: खातों के निवटान के कारण बढ़ते खातों में डाला गया	-	-
उपार्जित ब्याज में अंतरण	-	-
जोड़े: पूर्व अवधि का समाप्तेजन	-	2,678,872
	5,31,14,79,786	7,41,26,17,644
कम: रुदित ऋण के लिए प्रावधान	-	-
प्रावधान के बाद अंतिम ऋण शेष	5,31,14,79,786	7,41,26,17,644
<b>2. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के रूप में वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां</b>		
क) स्टाफ के सदस्यों को अग्रिम राशि	6,12,072	7,78,195
ख) आयकर वसूली योग्य	39,28,467	14,91,903
ग) अन्य – प्रतिभूति जमा राशि	1,23,000	9,90,280
घ) विन्नेताओं के पास अग्रिम राशि	-	-
ङ) अन्य	9,67,670	64,509
	56,31,209	64,509
<b>3. उपार्जित आय:</b>		
क) उचित/अक्षय निधियों से निवेश पर		
ख) बचत खातों पर	1,02,82,658	63,00,311
ग) निवेश पर – अल्पावधि जमा	5,60,09,924	6,63,72,582
अल्पावधि जमा – इन्वेंट-डीएफआईडी		-
घ) ऋण और अग्रिम राशि पर	4,88,28,68,242	4,88,56,24,552
घटाएं: वर्ष के दौरान बढ़ते खातों में डाला गया अग्रिम ब्याज	1,23,34,116	-
कम: ऋण में अंतरण		
कम: वर्ष के दौरान पूर्व अवधि का समाप्तेजन	2,04,43,609	27,56,310
जोड़े: ऋण से अंतरण	-	-
	4,85,00,90,517	4,88,28,68,242
कम: ऋण पर ब्याज का प्रावधान :	23,28,36,293	23,28,36,294
	4,61,72,54,224	4,65,00,31,948
<b>कुल (ख)</b>	<b>10,00,07,37,801</b>	<b>12,08,17,73,322</b>
<b>कुल (क + ख)</b>	<b>16,93,44,93,705</b>	<b>15,32,73,51,316</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 12 – बिक्री/सेवाओं से आय			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
<b>1. बिक्री से आय</b>			
क) तैयार माल की बिक्री			
ख) कच्चे माल की बिक्री			
ग) कबाड़ की बिक्री	-	-	-
<b>2. सेवाओं से आय</b>			
क) श्रम और प्रक्रियागत शुल्क			
ख) पेशेवर/परामर्श सेवाएं			
ग) एजेंसी कमीशन और दलाली			
घ) रखरखाव सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)			
ड) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)			-
<b>कुल</b>	-	-	-

अनुसूची 13 – अनुदान/सब्सिडी (गैर वसूली योग अनुदान और वसूली गई सब्सिडी)			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) केंद्र सरकार		1,25,00,00,000	10,00,00,000
2) राज्य सरकार (सरकारें)			
3) संस्थाएं/कल्याणकारी निकाय		-	-
4) अंतर्राष्ट्रीय संगठन			
5) अन्य- यापिस आय अर्थात् अनुदान		6,13,703	1,56,38,978
<b>कुल</b>		<b>1,25,06,13,703</b>	<b>11,56,38,978</b>

अनुसूची 14 – शुल्क/अंशदान			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-	-
2) वार्षिक शुल्क/सदस्यता			
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-	-
<b>कुल</b>	-	-	-

टिप्पण: प्रत्येक मद से संबंधित लेखा नीतियों का उल्लेख जगिबर्ग है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 15 – निवेश से आय (निधियों में अंतरित निर्धारित/अक्षय निधियों से निवेश पर आय)			
	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश – अन्य
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) ब्याज			
क) सरकार प्रतिभूति राशियों पर			
ख) अन्य बांड/डिबेंचर			
2) लाभांश			
क) शेयरों पर			
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर			
3) किराए	-	-	-
4) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)	-	-	-
	<b>कुल</b>		
उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में अंतरित			

अनुसूची 16 – राजस्व, प्रकाशन आदि से प्राप्त आय			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) राजस्व से प्राप्त आय		31,85,321	35,09,803
2) उपाजित राजस्व			
कम: राजस्व को बट्टे खाते में खाला गया			-
3) अन्य (विनिर्दिष्ट करें)			
	<b>कुल</b>	<b>31,85,321</b>	<b>35,09,803</b>

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) सावधि जमा पर:			
क) अनुसूचित बैंकों के साथ		10,14,31,330	4,81,24,260
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ			-
ग) संस्थानों के साथ			-
2) बचत खातों पर:			
क) अनुसूचित बैंकों के साथ (ईपीएफ लेखा सहित)		6,59,23,836	2,42,99,612
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ			
ग) डाकघर बचत खाता			-
घ) अन्य			-
3) ऋण पर:			
क) कर्मचारी / स्टाफ			
ख) औद्योगिक प्रतिष्ठानों को ऋण सहायता		44,19,04,193	52,59,17,713
4) राजस्व पर ब्याज		1,04,092	2,16,794
5) आईटी रिफंड पर ब्याज		8,679	
6) अनुदान पर ब्याज		-	14,78,533
	<b>कुल</b>	<b>60,93,72,130</b>	<b>60,00,36,912</b>

नोट – स्रोत पर भर कटौती को दर्शाया गया है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 18—अन्य आय		
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1) परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ:		
क) स्वामित्व वाली परिसंपत्ति – यूटीआई		
ख) अनुदान से प्राप्त अथवा निशुल्क प्राप्त संपत्ति		
2) यूनिट्स के विमोचन से लाभ	-	35,76,01,344
3) लाभांश	-	-
4) विविध आय	-	4,649
5) सिटिंग फीस	54,000	30,000
6) दान	4,00,000	2,00,000
7) बैंकर फंड से प्राप्त आय	5,71,56,361	-
<b>कुल</b>	<b>5,76,10,361</b>	<b>35,78,35,993</b>

अनुसूची 19— तैयार माल और चले रहे कार्य की वृद्धि/घटाव		
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) अंतिम स्टॉक:		
— तैयार माल		
— चल रहा कार्य	-	-
ख) घटा ओपनिंग स्टॉक		
— तैयार माल		
— चल रहा कार्य	-	-
निवल वृद्धि / (कमी) [क-ख]	-	-

अनुसूची 20—स्थापना व्यय		
	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) वेतन और मजदूरी	4,16,83,946	3,41,15,706
ख) भत्ता	24,593	29,023
ग) भविष्य निधि में निबोत्ता का अंशदान	18,55,905	14,42,220
घ) वदी	10,000	-
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	58,000	82,000
च) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और आवधिक लाभों पर व्यय	-	-
छ) चिकित्सा शुल्क की प्रतिपूर्ति	11,41,765	5,06,052
ज) उत्पादान	3,60,894	4,31,097
<b>कुल</b>	<b>4,51,35,103</b>	<b>3,66,06,098</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि			वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
क) राष्ट्रीय पुरस्कार			6,65,00,000	-
ख) कानूनी शुल्क			20,60,790	34,95,859
ग) परिसंपत्ति प्रबंधन शुल्क			11,80,000	29,74,302
घ) सदस्यता शुल्क			23,600	47,200
ङ.) प्रबंधन शुल्क			24,40,000	-
च) परिसंपत्ति की बिक्री पर हानि			1,68,614	-
छ) मरम्मत और रखरखाव			15,05,749	25,24,758
ज) टाक और टिकट			32,201	37,310
झ) प्रौद्योगिकी दिवस व्यय			28,46,182	18,94,259
ञ) वाहन चलाना और रखरखाव			73,885	19,487
ट) टेलीफोन और संचार शुल्क			32,70,010	19,23,299
ठ) मुद्रण, स्टेशनरी और उपभोग्य			33,26,553	6,59,099
ड) यात्रा व्यय	क) घरेलू	1,806,270		
	ख) विदेश	-		
	ग) विशेषज्ञ	1,361,479	31,67,749	16,44,124
ड) पुस्तकालय की किताबें और पत्रिका			8,560	-
ण) बोर्ड के सदस्यों के लिए टीए/डीए/शुल्क			1,43,031	-
त) लेखा परीक्षक शुल्क			80,000	80,000
थ) आव भगत व्यय			4,96,131	86,601
द) बैठकों पर व्यय			2,88,749	2,31,719
ध) व्यावसायिक व्यय			21,78,092	46,28,073
न) वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाला गया अप्राप्य ब्याज			1,23,34,116	-
प) बैंक प्रभार			-	-
फ) विविध व्यय			14,81,379	7,69,525
ब) समाचार पत्र और पत्रिका			80,894	-
भ) विज्ञापन और प्रचार			58,03,290	44,20,269
म) बोर्ड व्यय और शुल्क			1,46,566	9,308
य) किराया			25,53,666	68,28,548
र) पानी और बिजली शुल्क			2,30,664	3,71,929
ल) स्थापना दिवस			26,58,525	-
व) टीडीएस पर ब्याज			2,767	
<b>कुल</b>			<b>11,50,81,763</b>	<b>3,26,45,669</b>

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(राशि ₹ में)

अनुसूची 22—अनुदान पर व्यय			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
1) संस्थाओं/संगठनों को दिया गया अनुदान			
(i) इनक्यूबेटर		-	12,05,791
(ii) कोविड के लिए		-	-
2) संस्थाओं/संगठनों को दी जाने वाली सस्किडी			
	<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>12,05,791</b>

नोट : संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ—सब अनुदान/सस्किडी की राशि का प्रकट किया जाना है

अनुसूची 23— ब्याज			
	वर्तमान वर्ष		पिछला वर्ष
क) नियत ऋण पर			
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक शुल्क सहित)			
ग) अन्य – डीएसटी से प्राप्त अनुदान		-	-
	<b>कुल</b>	<b>-</b>	<b>-</b>

## प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा 2021-22 पर महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और टिप्पणियां

### अनुसूची - 24

#### क. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. प्राप्तियों एवं भुगतान से संबंधित लेखा को नकद प्राप्ति जर्नल से तैयार किया जाता है और यह विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत नकद लेन-देन का एक सारांश है। इसमें पूंजी तथा राजस्व दोनों प्रकार की आवृत्तियों और भुगतान का रिकॉर्ड रखा जाता है।
2. आय और व्यय लेखा वर्ष में हुए आय और व्यय का संक्षिप्त विवरण है। यह नकद एवं उपाजर्जनों दोनों आधार पर तैयार किया जाता है। इसमें केवल राजस्व प्रकृति की आय और व्यय का रिकॉर्ड रहता है। संवितरित ऋण की राशि पर अर्जित उपाजर्जित ब्याज का हिसाब उस वर्ष में लगाया जाता है जिसमें ऋण की किस्त जारी की जाती है; हालांकि, ब्याज वास्तव में संबंधित ऋण समझौतों के नियमों और शर्तों के अनुसार परियोजनाओं के पूरा होने के बाद प्राप्य है। देय और अनुमोदित व्ययों के लिए प्रावधान वर्ष के दौरान हिसाब में लिए जाते हैं।
3. अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यहास आयकर अधिनियम, 1961 के तहत हासमान शेष पद्धति के आधार पर और निर्धारित दरों पर प्रदान किया जाता है। वित्तीय वर्ष के दौरान बेची/हस्तांतरित/छोड़ी गई अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यहास प्रदान नहीं किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों में वृद्धि की गणना अधिग्रहण की लागत के आधार पर की जाती है।
4. प्राप्ति और भुगतान खाते और आय और व्यय खाते में प्राप्ति के आधार पर रॉयल्टी भुगतान लिया जाता है।
5. सरकारी अनुदानों को प्राप्ति के आधार पर मान्यता दी जाती है। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 9(1)(क) के संदर्भ में सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदानों को प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए कोष में जमा किया जाता है और इस प्रकार अव्ययित शेष राशि भारत सरकार को वापस नहीं की जानी चाहिए। धनवापसी की ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए, भारत सरकार को वापसी के लिए कोई राशि देय नहीं है।
6. प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 की धारा 9(1) के अनुसार, प्रौद्योगिकी विकास और अनुप्रयोग के लिए निधि से दी गई राशि की वसूली, ऋण पर ब्याज की प्राप्ति, रॉयल्टी, दान और किसी अन्य स्रोत से प्राप्त राशि निधि में जमा किये जाते हैं। इस प्रावधान को ध्यान में रखते हुए तुलन पत्र तैयार किया गया है।
7. आईडीबीआई द्वारा अनुरक्षित उद्दिष्ट/अक्षय निधियों (उद्यम पूंजी निधियों) की तुलन पत्र में निम्नलिखित संकेत दिए गए हैं:-
  - क) रॉयल्टी, प्रबंधन शुल्क और उस पर दंडात्मक ब्याज के संबंध में आय/व्यय को छोड़कर तुलन पत्र प्रोद्भूत आधार पर तैयार की जाती है, जो वास्तविक प्राप्ति/भुगतान पर मान्य होती है।
  - ख) आईडीबीआई (निधि प्रबंधक) द्वारा मूल्यांकन मूल्य पर परिसंपत्तियों/ऋणों/निवेशों का मूल्यांकन किया गया है और परिसंपत्तियों के पूंजी मूल्य को कम करने का प्रावधान वित्तीय विवरणों में प्रदान की गई टिप्पणियों के अनुसार दर्ज किया गया है।

- ग) आईडीबीआई (वीसीएफ) के वित्तीय विवरणों को आईडीबीआई द्वारा प्रदान की गई तुलन पत्र के साथ संलग्न अन्य टिप्पणियों और स्पष्टीकरणों के साथ पढ़ा जाना है। आईडीबीआई द्वारा स्वतंत्र रूप से प्रमाणित किए गए वित्तीय विवरणों और लेखाओं पर टिप्पणियों को रिकॉर्ड पर लिया जाता है और उस पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट दी जाती है।
8. राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पावधि जमा में निधि शेष रखे जाते हैं। अल्पावधि जमा राशियों पर ब्याज प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा तुलन पत्र में परिलक्षित होता है।
  9. कंपनियों में निवेश लागत मूल्य पर बताया गया है। टीडीबी के शासनादेश के अनुसार, निवेश को पूंजीगत वृद्धि के लिए सख्त अर्थों में या टीडीबी को किसी अन्य लाभ के लिए नहीं रखा जाता है, शेयरों को अधिग्रहण की लागत पर तब तक रखा जाता है जब तक कि वे अंततः प्राप्त नहीं हो जाते। हालांकि संबंधित कंपनी के समापन या विघटन या किसी अन्य कारण से किए गए निवेश के उचित मूल्य में कोई स्थायी गिरावट, गिरावट का मूल्य आय और व्यय खाते में लगाया जाता है।
  10. डिफॉल्ट के मामले में, पुनर्निर्धारण समझौते (ओं) जो कुछ भी किया गया है, उसे ऋण समझौते के नियमों और शर्तों के अनुसार अलग कर दिया जाता है और खाते में शेष मूल समझौते को बहाल कर दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप मूल समझौते पर वापस लौटने के कारण उधारकर्ता की बकाया राशि में वृद्धि हो सकती है।
  11. ऐसे मामले में जहां उधारकर्ता ऋण समझौते की शर्तों के अनुसार ऋण / ब्याज राशि का भुगतान करने में असमर्थ है और जब ऋण समझौते के गैर-अनुपालन से उत्पन्न विवाद और परिणामस्वरूप मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा जाता है। ऐसे उदाहरण में मध्यस्थता के संदर्भ की तिथि पर ऋण और ब्याज की बकाया राशि को रोक दिया जाता है। पुरस्कार की शर्तों के अनुसार पुरस्कार पारित होने के बाद ही बकाया ब्याज में आगे प्रावधान या समायोजन किया जाता है।
  12. ऐसे मामले में जहां उधारकर्ता ने ऋण समझौते के अनुसार अपने ऋण और ब्याज की अदायगी में चूक की है और तब से परिसमापन में चला गया है, ब्याज की बुकिंग को परिसमापन की तारीख तक सीमित कर दिया गया है। आधिकारिक परिसमापक से अंतिम भुगतान प्राप्त होने के बाद मूलधन और ब्याज के लिए राइट ऑफ का अंतिम प्रावधान किया गया है क्योंकि वसूली की तारीख तक ब्याज का दावा करने का अधिकार टीडीबी द्वारा बनाए रखा जाता है।
  13. कंपनी की स्थिति जिसकी पहचान पंजीकृत कंपनियों की सूची से हटा दी गई है या कंपनियों के रजिस्ट्रार (आरओसी) के रिकॉर्ड के अनुसार परिसमापन से गुजर रही है, के रूप में पहचान की गई है, जहां ऋण राशि और ब्याज अतिदेय/ अवैतनिक रहता है, को कानूनी अनुभाग में भेजा गया है। हालांकि चूक की उच्च संभावना और शेष राशि की पुष्टि न होने के कारण, चालू वर्ष के लिए कोई ब्याज नहीं लिया गया है। संदिग्ध वसूली या राइट ऑफ के लिए अंतिम प्रावधान प्रत्येक कंपनी के मामले में कानूनी विभाग द्वारा मामले की कानूनी समाप्ति की सिफारिश और पुष्टि के अधीन है।
  14. एक उधारकर्ता द्वारा डिफॉल्ट के मामले में और बाद में एक मध्यस्थता पुरस्कार के पारित होने के मामले में, ऋण और ब्याज का पुनर्कथन और ब्याज की वसूली भी निर्णय के अनुसार की जाती है। इसके परिणामस्वरूप उधारकर्ता से देय ब्याज की बकाया राशि में कमी/वृद्धि हो सकती है।
  15. मध्यस्थता की कार्यवाही शुरू होने के मामले में, कार्यवाही शुरू होने की तारीख से निर्णय पारित होने तक ब्याज का प्रभार बंद कर दिया जाता

- हैं। अधिनिर्णय के बाद, अन्य शर्तें स्थिर रहने पर, अधिनिर्णय के अनुसार ऋण और उस पर ब्याज की गणना की जाती है।
16. यदि पूर्ण सहमत राशि के लिए धन राशि जारी नहीं किया गया है और समयबद्ध वसूली अनुसूची सक्रिय है, तो ब्याज की गणना करार के अनुसार लागू दर पर जारी राशि के आधार पर की जाती है।
  17. उद्यम निधि के साथ निवेश अन्य सीड फंड्स को लागत पर किया जाता है। चूंकि निधि अपनी गतिविधियों के संदर्भ में लगातार विकसित हो रही है और यह एक सतत समस्या है, निवेश के मूल्य में कोई स्थायी परिवर्तन परिकल्पित या प्रदान नहीं किया गया है। उद्यम निधि निवेश में आय/हानि को या तो निधि के बंद होने पर या निधि की अवधि के दौरान आय के संवितरण पर पहचाना जाता है।
  18. जब तक अन्यथा टीडीबी द्वारा सहमति नहीं दी जाती है, तब तक उधारकर्ता से प्राप्त भुगतान को निम्नलिखित क्रम अर्थात्, अतिरिक्त ब्याज सहित ब्याज; डिफॉल्ट की गई राशि पर आगे का ब्याज और परिसमापन हर्जाना; देय और संदेय मूलधन राशि की चुकौती किस्तों में या बोर्ड द्वारा तय और अनुमोदित तरीके से इस तरह के बकाये राशि के लिए हिसाब में लिया जाएगा।
  19. प्रबंधन द्वारा स्टॉक का सत्यापन वार्षिक आधार पर किया गया है।
  20. आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड

लेखा 2021-22 पर महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और टिप्पणियां

अनुसूची – 25

लेखाओं पर टिप्पणियां

1. वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान 12500 लाख रुपये (प्रति वर्ष 1000 लाख रु.) का अनुदान प्राप्त हुआ।
2. दिनांक 31 मार्च, 2022 को अतिदेय ऋण चुकौती (देय राशि लेकिन प्राप्त नहीं हुई) 21648.26 लाख (प्रति वर्ष 21937.28 लाख रुपये)। अतिदेय ब्याज जिसमें ऋण पर साधारण ब्याज 11037.77 लाख रु. (प्रति वर्ष 10994.42 लाख रु.), ऋण पर अतिरिक्त 24671.74 लाख रु. (प्रति वर्ष 23265.42 लाख रु.) ब्याज और साधारण ब्याज पर अतिरिक्त

ब्याज 9079.16 लाख रु. (प्रति वर्ष 8347.34 लाख रु.)।

3. गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) और दिवाला और शोधन अक्षमता नीति 2016 पर सरकार की नीति में बदलाव के साथ, टीडीबी अतिदेय खातों का पर्याप्त प्रतिशत वसूल करने के लिए आशान्वित है। संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान उधारकर्ताओं के साथ निपटान के लिए अभ्यावेदन, विवाद समाधान समिति (डीआरसी) की अनुशंसा या ऐसे मामलों में कानूनी विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई अन्य जानकारी के आधार पर किया जाता है, और दावा राशि के अंतिम निपटान पर स्थायी हानि की पहचान की जाती है।

4. वेंचर कैपिटल फंड्स (वीसीएफ) में निवेश और मूल्यांकन:

क्र. सं.	विवरण	प्रति इकाई मूल्य	निवेश की गई राशि को रिशतन किया गया						प्रति इकाई एनपीए			
			31.03.2021 की स्थिति के अनुसार बकाया राशि		वर्ष के दौरान अधिभुक्त राशि		वर्ष के दौरान कटौत-गोचर/राशि		31.03.2022 की स्थिति के अनुसार बकाया राशि			
			इकाइयों की संख्या	इकाइयों की संख्या	राशि (₹.)	इकाइयों की संख्या	राशि (₹.)	इकाइयों की संख्या	राशि (₹.)	इकाइयों की संख्या	राशि (₹.)	
1	एबीआईटीवी वेंचर कैपिटल फंड प्रा. लिमिटेड	1,00,000	22,88,26,686	2,016	-	-	-	20,98,35,686	2,008	188	153	
2	जीवीएसएन लिमिटेड अहमदाबाद	1,00,000	1,50,000	2	-	-	-	1,50,000	2	1,35,42,465	82,85,916	
3	आई वी कैपिटल वेंचर फण्ड (I)	1,00,000	20,11,36,404	2,011	-	-	2,62,97,729	362	17,48,38,645	1,749	1,64,702	2,30,859
4	स्टार वेंचर कैपिटल फंड माल्टी सेक्टर सीड कैपिटल फंड	10,000	2,85,070	21	-	-	-	-	21	34,235	46,628	
5	एफएमई टेक फंड अरबीसीएफ ट्रस्ट	100	9,42,38,418	9,42,384	-	-	-	9,42,38,418	9,42,384	120	141	
6	एआईएसए इंडिया एंटीबिजनेस फंड	1,00,000	20,89,27,541	418	-	-	79,87,328	18	20,09,62,202	401.92	29,359	3,499
7	रिजर्वी वेल कैपिटल लिमिटेड इंडिया ऑनरदपुनिटीज फण्ड (I)	1,000	15,17,84,693	1,31,285	-	-	3,57,02,362	35,702	11,60,82,561	1,36,083	623	685
8	वेंचर इंस्ट टेनेट फंड	759	4,41,43,082	1,50,000	-	-	-	4,41,43,082	1,50,000	850	956	
9	सीई-इन्विजन फंड फॉर सस्टेनेबल एनर्जी (सीई इन्व) (I)	100	4,99,82,415	4,99,824	6,88,829	6,889	1,80,06,255	1,66,683	3,43,03,991	1,40,040	129	149.42

45,82,85,339	17,42,513	4,80,029	6,899	865,75,640	2,02,662	87,04,98,508
--------------	-----------	----------	-------	------------	----------	--------------

	एनपीए का मूल्य (₹. में)	विलेख की मात्रा	अवधि (दिने)/वर्ष
वर्ष 2021	92,46,84,127	87,04,98,508	4,58,94,351
विलेख वर्ष	75,80,73,951	95,62,85,339	14,83,11,407

अभिलेखित पोलिसों के अनुसार अंतिम एनपीए

**नोट:**

- 1) उपरोक्त संदर्भित अनुसूची 24 के पैरा 17 के अनुसार निधि द्वारा वितरण के आधार पर मान्यता प्राप्त वेंचर फंड से ऋण मोचन
- क) वर्ष के दौरान अर्जित वर्ष के दौरान उद्यम निधि निवेश की इकाइयों के मोचन पर आय (हानि):

क्र.सं	योजना का नाम	लाम/(हानि) लाख में
1.	मैसर्स आइवीकैप वेंचर ट्रस्ट फंड	571.57
2.	कुल लाम (हानि)	571.57

5. सीआईआई के साथ संयुक्त उद्यम में, डीएसटी और अन्य संगठनों के साथ उद्योग और प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप को लाभान्वित करने वाले नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के सभी प्रमुख तत्वों को कवर करने के लिए एक अधिदेश के साथ क्रमशः 51:49 के इक्विटी योगदान में टीडीबी ने मैसर्स ग्लोबल इनोवेशन टेक्नोलॉजी एलायंस (जीआईटीए) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। दिनांक 31 मार्च 2022 तक जीआईटीए में टीडीबी की इक्विटी भागीदारी 7.21 करोड़ रुपये है।
6. उद्दिष्ट/अक्षय निधि: (अनुसूची 3)

भारत सरकार द्वारा जारी अनुदानों से संबंधित वेंचर कैपिटल फंड (वीसीएफ) के लेन-देन के लिए भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) की बहियों में बकाया धन प्राप्तियों और देनदारियों का हस्तांतरण 1 सितंबर 1996 तक बोर्ड को हस्तांतरित किया जाना आवश्यक है। पिछले कई वर्षों से आईडीबीआई द्वारा रखे गए पोर्टफोलियो में मौजूदा निवेश के खिलाफ कोई निवेश या वसूली नहीं हुई है। दिनांक 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण प्राप्त हुए हैं, हालांकि निधि के गैर-प्रदर्शन के कारण, आईडीबीआई द्वारा दावा किए गए प्रबंधन व्यय की राशि टीडीबी

द्वारा विवादित है। प्रबंधन शुल्क का दावा 31.3.2019 को 3,62,10,646 /- रुपये से बढ़ा कर दिनांक 31.3.2021 तक 4,36,02,446/- लाख रु. कर दिया गया है। चूंकि आईडीबीआई द्वारा दावा की गई राशि को टीडीबी द्वारा संदेय के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है, इसलिए संशोधित आंकड़े रिकॉर्ड में नहीं लिए गए हैं और वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट नहीं किए गए हैं।

- (ख) उधारकर्ता के बकाया/वसूली में कोई परिवर्तन नहीं है अर्थात: उधारकर्ता से वसूली योग्य राशि जिसमें मेमोरेंडम पुस्तकों में अर्जित ब्याज/अतिरिक्त ब्याज की राशि शामिल होगी, को 31.3.2021 तक सूचित किया गया है। दिनांक 31.3.2022 को समाप्त वर्ष के लिए लेखापरीक्षित विवरण टीडीबी को प्राप्त नहीं हुए हैं। इसके अलावा अशोध्य ऋणों को बट्टे खाते में डाला जाएगा जिसमें उपार्जित ब्याज बकाया होगा, जहां वसूली प्रक्रिया समाप्त हो गई है और ऋण खातों से आगे कोई पुनर्मुग्तान अपेक्षित नहीं है और बोर्ड द्वारा इसे बट्टे खाते में डालने के लिए अनुमोदित किया गया है।
7. आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) और अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफआईडी) के माध्यम से टीडीबी के साथ भारत सरकार और यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन सरकार के बीच दिनांक 29.8.2013 को किये गए समझौता ज्ञापन के अनुसार, समझौता ज्ञापन के साथ, यह सहमति हुई थी कि "इनोवेटिव वेंचर्स एंड टेक्नोलॉजीज फॉर डेवलपमेंट (इन्वेंट) प्रोग्राम के इनक्यूबेशन घटक को टीडीबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और भारत सरकार के साथ कार्यान्वित और मॉनिटर किया जाएगा। टीडीबी की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि परियोजना के समग्र परिणाम और परिणाम देने के लिए आवश्यक स्वीकृत गतिविधियों पर धन खर्च किया जाएगा। टीडीबी इस निधि को एक अलग बैंक खाते में रखने के लिए बाध्य है और बैंक जमा पर उपार्जित ब्याज को कार्यक्रम के लिए उपलब्ध अतिरिक्त निधि

के हिस्से के रूप में निधि में जमा किया जाना है और फंड मैनेजर के रूप में समय-समय पर परियोजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार जारी किया जाना है और डीएफआईडी को प्रगति रिपोर्ट और लेखापरीक्षित खाते जमा करना है।

8. आदेश संख्या डीएसटी/सीड/टीडीबी/कोविड19/एससीएसपी (जी) के अनुसार परियोजना दिशानिर्देशों के अनुसार, कोविड 19 से लड़ने के लिए अनुदान और ऋण के रूप में सहायता प्रदान करने हेतु, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, इक्विटी अधिकारिता और विकास के लिए विज्ञान (सीड) प्रभाग द्वारा 7500.00 लाख रुपये जारी किए गए थे। कोविड 19 वायरस द्वारा देश को हुई तबाही से निपटने के इरादे से टीडीबी को निधि प्रदान किया गया था। प्राप्त राशि को लक्षित परियोजना निधियों और उपयोग/प्राप्ति और सरकार की ओर से उक्त निधि के विरुद्ध यदि कोई हो तो धनवापसी के तहत लेखाबद्ध किया गया है। इस तरह का लेनदेन टीडीबी अनुदान का हिस्सा नहीं बनते हैं।
9. टीडीबी ने एनआईसीसीओ (निकको) कॉर्पोरेशन (पी) लिमिटेड में अपने ऋण और इक्विटी में निवेश की वसूली से पहले एनसीएलटी के समक्ष एक आवेदन को प्राथमिकता दी थी। एनसीएलटी ने

आदेश दिया है कि इक्विटी में किये गए निवेश को टीडीबी द्वारा दिए गए ऋण के हिस्से के रूप में माना जाए। कंपनी की परिसमापन कार्यवाही से उत्पन्न होने वाली सभी प्राप्तियों को पहले बकाया ऋण राशि और शेष राशि को इक्विटी के तहत निवेश की लागत के विरुद्ध समायोजित किया गया है।

10. वर्ष के दौरान निम्नलिखित राशि की वसूली न होने के कारण बट्टे खाते में डाल दी गई और बोर्ड द्वारा इसे अनुमोदित कर दी गई।

कंपनियों का नाम	ब्याज + अतिरिक्त ब्याज (लाख रुपये में)
मैसर्स कोरल टेलीकॉम	123.33

11. संदेहास्पद ब्याज और ऋणों पर देय अतिरिक्त ब्याज और मूल राशि का भी प्रावधान निम्नलिखित कंपनियों के विरुद्ध किया गया है, जो विवाद समाधान समिति (डीआरसी) की प्रस्तावित अनुशंघा के अनुसार अपने बकाया राशि/देय का निपटान करने के लिए सहमत हैं और यह बोर्ड की उप समिति द्वारा अनुमोदित हैं या जहां मामले को ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) में भर्ती कराया गया है और वसूली को संदिग्ध माना जाता है। वर्ष के दौरान कोई और ब्याज प्रदान नहीं किया गया है।

दिनांक 31.03.2022 तक के प्रावधान का विवरण निम्नलिखित है।

(लाख रुपये में)

कंपनियों का नाम	ब्याज और अतिरिक्त ब्याज का प्रावधान			
	2016-17	2017-18	2019-20	कुल
मैसर्स मेदिराड	705.40	408.81	-	1114.21
मैसर्स वाटरलाइफ	-	1.01	-	1.01
मैसर्स अमलगम लेदर	-	880.78	-	880.78
मैसर्स एक्सपोनेंशियल	-	92.88	-	92.88
मैसर्स दोरवन एग्रो	-	-	116.16	116.16
<b>कुल</b>	<b>705.40</b>	<b>1383.48</b>	<b>116.16</b>	<b>2,205.04</b>





प्रथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

2021-22



कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा,  
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग  
नई दिल्ली-110 002  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT,  
ENVIRONMENT & SCIENTIFIC DEPARTMENTS,  
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110 002

सं. म.नि.वै.वि./नि./SAR/TDB/2(22)/2022-23/ 719-720

दिनांक: 28-09-2022

सेवा में,

निदेशक  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड,  
प्रौद्योगिकी भवन, खण्ड-II,  
द्वितीय तल, नई महरौली रोड,  
नई दिल्ली-110016

विषय: प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 के लेखों पर पृथक ऑडिट रिपोर्ट।

महोदय,

मुझे प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 के लेखों पर पृथक ऑडिट रिपोर्ट अद्योषित करने का निर्देश हुआ है।

संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने से पहले वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा अपनाया जाए। प्रत्येक दस्तावेज जो संसद में प्रस्तुत किया जाए उसकी तीन प्रतियां इस कार्यालय तथा दो प्रतियां भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक को अद्योषित की जाए। संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की तिथि (या) भी इस कार्यालय को सूचित की जाए।

आपसे अनुरोध है कि पृथक ऑडिट रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद अपने कार्यालय में कराने के पश्चात सॉफ्ट कॉपी तथा हार्ड कॉपी दोनों में हमें भेज दें ताकि हिन्दी प्रति को शीघ्र अद्योषित किया जा सके।

यह महानिदेशक द्वारा अनुमोदित है।

भवदीय,

संलग्नक: यथोपरि।

उप-निदेशक (निरीक्षण)

## वर्ष 2021-22 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने दिनांक 31 मार्च 2022 तक की स्थिति के अनुसार प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड अधिनियम, 1995 (1995 की संख्या 44) की धारा 13(2) के साथ पठित नियंत्रक और महालेखापरीक्षक के (कर्तव्य, शक्तियाँ और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा/प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरण बोर्ड के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय संबंधी विवरणों पर अपनी विचार व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखा पद्धतियों के अनुरूप, लेखा मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के संबंध में सिर्फ लेखांकन व्यवहार के बारे में भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ शामिल हैं। कानून, नियमों और विनियमों (औचित्य और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन संबंधी पहलुओं, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा अवलोकन, यदि कोई हो, तो निरीक्षण रिपोर्ट/नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती है।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों के लिए अपेक्षित है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और लेखा परीक्षा करें कि क्या वित्तीय संबंधी विवरण गलत भौतिक विवरण से मुक्त हैं। इस लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर वित्तीय संबंधी विवरणों में राशियों और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्यों की जांच करना शामिल है। इस लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय संबंधी विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक यथोचित आधार प्रदान करती है।

4. अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि—

- i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो कि हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक थे।
- ii) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय और व्यय संबंधी लेखा और प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।
- iii) हमारी राय में, जहां तक ऐसी पुस्तकों की हमारी जांच से प्रतीत होता है, बोर्ड द्वारा उचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए गए हैं।
- (iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

(क) तुलन पत्र

क.1 देयताएं

क.1.1 चालू देनदारियां – 4529.38 लाख रुपये (अनुसूची 7)

2563 लाख रुपये की राशि को वर्ष 2021-22 के लिए टीडीबी द्वारा कोविड-19 कोष के तहत ऋण के रूप में इस्तेमाल हेतु दर्शाया गया था। हालांकि इस संवितरण के लिए कोई संबंधित संपत्ति नहीं बनाई गई है। इस ऋण के लिए व्यय के संबंध में कोई प्रकटीकरण नहीं दिया गया था।

क.1.2 चालू देनदारियां- 4529.38 लाख रु. (अनुसूची 7)

टीडीबी ने मौजूदा देनदारियों के अर्जित ब्याज के रूप में परियोजना 'कोविड 19 से लड़ने' के लिए 7500 लाख रुपये के अनुदान पर 424.86 लाख (वर्ष 2020-21 के लिए 219.56 लाख रुपये और वर्ष 2021-22 के लिए 205.30 लाख रुपये) अर्जित ब्याज दिखाया है। इसके परिणामस्वरूप आय की अधिकता और वर्तमान देनदारियों को 424.86 लाख रुपये की सीमा तक कम बताया गया।

ख सामान्य

ख.1 उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश – 65.99 लाख रुपये (अनुसूची 9)

पिछले वर्ष की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से टीडीबी के ध्यान में पहले ही लाया गया था कि 'इक्विटी' के रूप में कंपनियों में किए गए निवेश को उचित बाजार मूल्य पर दिखाया जाना आवश्यक था।

हालांकि, टीडीबी ने इक्विटी में किए गए निवेश के मूल्य के पिछले वर्ष के 65.99 लाख रुपये के आंकड़े को अपनाया/शामिल किया (इसके मूल्य में कमी के बाद)। चूंकि चालू वर्ष के लिए इक्विटी का वास्तविक/लेखा परीक्षित आंकड़ा (इसके मूल्य में कमी के बाद) वर्ष 2021-22 के लिए लेखा पुस्तकें में रिपोर्ट नहीं किया गया था, इसलिए, ऑडिट यह आश्वासन देने में असमर्थ है कि वर्ष के दौरान इक्विटी के मूल्य में आगे कोई कमी नहीं है और दिनांक 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार निवेश (इक्विटी) के रूप में रिपोर्ट किया गया 65.99 लाख रुपये का आंकड़ा सही और प्रामाणिक था।

ख.2 निवेश- अन्य- 10213.26 लाख रुपये (अनुसूची 10)

10213.26 लाख रुपये की राशि अनुसूची 10 में रिपोर्ट की गई थी: 'इक्विटी/वेंचर कैपिटल फंड्स (वीसीएफ) के आकार में विभिन्न कंपनियों में किए गए निवेश के रूप में वर्ष 2018-19 के लिए टीडीबी की तुलन पत्र में संलग्न अन्य निवेश।

यह पाया गया कि अग्रणीत (कैरिंग) राशि में कमी और इस तरह की कमी के किसी भी उलटफेर को लाम और हानि संबंधी विवरण में चार्ज या क्रेडिट करने की अपेक्षा थी। हालांकि पिछले वर्ष की पृथक ऑडिट रिपोर्ट में उल्लेख किए जाने के बावजूद टीडीबी ने उचित बाजार मूल्य पर उनका पुनर्मूल्यांकन नहीं किया।

इसके परिणामस्वरूप टीडीबी ने अपने निवेश (वीसीएफ) को बढ़ा-चढ़ाकर बताया और इन वीसीएफ के मूल्य में कमी की हद तक अपने खर्च को कम बताया।

### ग. सहायता अनुदान

टीडीबी को वर्ष 2021-22 के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से 125.00 करोड़ रुपये का अनुदान मिला। 316.61 करोड़ रुपये के नकद/बैंक में जमा राशि के आरंभिक शेष के साथ-साथ वर्ष 2021-22 के दौरान अल्पावधि जमा/ऋण/रॉयल्टी/अनुदान, ऋण की अदायगी, रॉयल्टी, वेंचर फण्ड से आय, दान आदि पर ब्याज के रूप में टीडीबी को 297.51 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। निवेश, स्थापना/कार्यालय संबंधी व्यय और ऋण/अनुदान आदि के लिए संवितरण हेतु 53.93 करोड़ रुपये का कुल भुगतान करने के बाद दिनांक 31 मार्च 2022 तक की स्थिति के अनुसार 685.19 करोड़ रुपये को अव्ययित रूप में दिखाया गया था।

### घ. प्रबंधन पत्र:

लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई कमियों को उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से सचिव, टीडीबी के संज्ञान में लाया गया है।

(i) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र, आय और व्यय खाते और प्राप्ति और भुगतान खाते खाता पुस्तकों के अनुरूप हैं।

(ii) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त वित्तीय संबंधी विवरणों को महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और नोट्स ऑन एकाउंट्स के साथ पढ़ा जाता है और उपर्युक्त उल्लिखित महत्वपूर्ण मामलों और इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, ये भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सही और निष्पक्ष देते हैं:

क. जहाँ तक यह 31 मार्च 2022 तक की स्थिति के अनुसार प्रौद्योगिकी और विकास बोर्ड के मामलों की स्थिति तुलन पत्र से संबंधित है; तथा

ख. जहाँ तक यह आय और व्यय खातों, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष से संबंधित है।

कृते भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक और उनकी ओर से



महानिदेशक लेखापरीक्षा  
पर्यावरण और वैज्ञानिक विभाग

स्थान: नई दिल्ली  
दिनांक: 28.09.2022

## पृथक ऑडिट रिपोर्ट के लिए अनुलग्नक

### 1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

वर्ष 2018-20 के लिए टीडीबी का आंतरिक लेखापरीक्षा की गई। ऑडिट ने आगे पाया कि वर्ष 2008-10 से 2018-20 से संबंधित कुल 20 आंतरिक लेखापरीक्षा पैरा 31 मार्च 2022 तक की स्थिति के अनुसार अनुपालन/निपटान के लिए बकाया थे।

### 2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

सामान्य वित्तीय नियमावली 2017 के नियम 238 के अनुसार प्रत्येक अनुदानग्राही संस्थान को वित्तीय वर्ष की समाप्ति के 12 महीनों के भीतर उपयोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है, जिसमें यह दर्शाया गया हो कि अनुदान का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया गया है जिसके लिए इसे स्वीकृत किया गया था। हालांकि कुल 3.15 लाख रुपये के एक मामले के संबंध में उपयोगिता प्रमाण पत्र अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थान से अभी भी लंबित है।

### 2 क. परिसंपत्ति

#### 2 क (i) अचल परिसंपत्तियां: 86.87 लाख रुपये (अनुसूची 8)

लेखापरीक्षा में पाया गया कि 8560 रु. के मूल्यों वाली पुस्तकालय की पुस्तकें और पत्रिकाएँ को अनुसूची-8 अचल परिसंपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया गया जिसके परिणामस्वरूप अचल परिसंपत्तियों को कम बताया गया तथा व्यय को अधिक बताया गया।

### 3. अचल परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2021-22 की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है।

### 4. मालसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

वर्ष 2021-22 के लिए मालसूची का भौतिक सत्यापन किया जा चुका है।

### 5. सांविधिक देय राशि के भुगतान में नियमितता।

कोई सांविधिक देय राशि बकाया नहीं थी।

उप निदेशक (निरीक्षण)

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा  
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग,  
ए.जी. सी. आर. भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट  
नई दिल्ली - 110002



OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT  
ENVIRONMENT & SCIENTIFIC DEPARTMENTS  
A.G.C.R. BUILDING, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-11002

संजय कुमार झा  
महानिदेशक लेखापरीक्षा

अ. शा. सं. डीजीए(ईएसडी)/निरीक्षण/2(22)/टीडीबी/वार्षिक लेखा/2022-23/81 दिनांक: 28-09-2022

महोदय,

मैंने वर्ष 2021-22 के लिए प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के वार्षिक लेखाओं की लेखापरीक्षा की है और उस पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन जारी किया है। लेखापरीक्षा के दौरान कुछ कमियाँ देखी गईं जो अपेक्षाकृत छोटी प्रकृति की थीं और इसलिए, अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई थीं और अब अनुलग्नक के रूप में संलग्न हैं। इन्हें उपधारात्मक और सुधारात्मक कार्रवाई के लिए आपके ध्यान में लाया जा रहा है।

भवदीय  
सादर,

संलग्न: अनुलग्नक

श्री राजेश कुमार पाठक,  
सचिव,  
प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी),  
प्रौद्योगिकी भवन, ब्लॉक-2  
दूसरी मंजिल, न्यू महरौली रोड  
नई दिल्ली-110016

## अनुलग्नक

ख. आय और व्यय लेखा

ख.1 व्यय

ख.1.1 अन्य प्रशासनिक व्यय: 1150.82 लाख रुपये (अनुसूची 21)

उपर्युक्त में वर्ष 2020-21 के लिए टेलीफोन शुल्क के भुगतान के रूप में 0.28 लाख रुपये की राशि शामिल है। इसके परिणामस्वरूप चालू वर्ष के व्यय को अधिक बताया गया और उसी सीमा तक पूर्व अवधि के व्यय को कम बताया गया है।



उपनिदेशक (निरीक्षण)



# Technology Development Board

Department of Science & Technology

Government of India

A large circular graphic composed of 12 segments in various colors (purple, green, orange, blue, yellow, brown, etc.). Each segment contains a different technological or scientific illustration, such as a power transmission tower, a hand holding a glowing orb, a gear, and a network diagram.

26<sup>th</sup>

ANNUAL REPORT  
2021-22



# Contents

Message from Chairperson	1
Secretary's Desk	3
TDB's Mandate	5
Board Members	7
Overview	12
Year at a Glance	28
Agreement Signed	38
Project Completed	46
Promotional Activities	53
Administration	74
Audited Annual Accounts Statement for the year 2021-22	78
Separate Audit Report for the year 2021-22	106



# Message from Chairperson



**A**s India marches towards *Amrit Kaal*, we look back with pride at the innumerable occasions when sincere efforts of Indian scientists, entrepreneurs & researchers made us proud, and we shall sustain these efforts for making India a global leader in the science & technology domain.

Towards this end, the Technology Development Board has consistently worked towards achieving a set of goals to harness & develop commercially competitive technologies for different sectors of the economy, through collaborative efforts, with the ultimate aim of making India a generator and exporter of Technologies. This aim enables gearing up Indian industries from "Make in India"

to AtmaNirbhar Bharat Abhiyan across diverse science and technology domains.

The past year has been special in many ways, as India celebrated its 75<sup>th</sup> year of Independence, TDB celebrated its 25<sup>th</sup>, which means when TDB will complete 50 years, India will be celebrating its 100<sup>th</sup>. Hence, our goal for the next 25 years is to help the country catapult itself to become a world leader in S&T. For this to be effective, Academia, Industry & Government must seamlessly connect in order to build stronger foundations leading to 'knowledge creation', 'knowledge dissemination' 'knowledge deployment and commercialization' and make the country truly AtmaNirbhar from a technology point of view.

The year has been a great success for TDB, as we have signed 06 agreements across sectors such as Artificial Intelligence, MedTech, Healthcare and Information Technology. Some of these projects garnered public attention also wherein, the companies like M/s Botlab Dynamics made us immensely proud by receiving appreciation from Hon'ble Prime Minister for putting up a mesmerising show at the Beating Retreat ceremony, and M/s Manjeera Digital Systems backed up indigenous chip manufacturing, essential to Indian NAVIC application. Similarly, M/s Swajal, M/s Skyshade, M/s OrangeKoi and M/s Sapigen aim to

make their contributions towards Water Conservation, Energy Conservation, MedTech Supply Chain & Indigenous vaccine manufacturing respectively.

With immense pleasure, I take this opportunity to congratulate TDB for their contribution to the country's progress, and I am sure that TDB is rightly poised for making us a Global Leader in the Science & Technology domain. I wish TDB and its initiatives more strength in the years to come.

**Dr. Srivari Chandrashekar**  
Chairperson, TDB

## Secretary's Desk



The Technology Development Board (TDB), for the last 25 years since its inception, has ensured comprehensive support for technology development and commercialization across diverse science and technology domains in India. Last few years were really tough for mankind but the kind of work we do, we cannot stop. During these trying times I took over the charge of Secretary TDB w.e.f. 26.07.2021. This zeal and conviction to our work kept us up and going. We devised new ways & means to support and sustain the system and innovated some new methods to improve the productivity.

I am glad to share that even in those persistent and toughest time our industry

also continuously and enthusiastically contributed to serve the society and thereby supporting the ecosystem towards making India to become Atmanirbhar. This year, TDB received a total of 88 applications from industrial concerns across various sectors.

I feel elated to share that this year TDB has completed 25 years of its dedicated service to the nation. We celebrated our foundation day with pride in gracious presence of Dr Jitendra Singh, Hon'ble Union Minister of State (Independent Charge) Science & Technology on September 01, 2021. Coincidentally, year 2021 happened to be a unique year in the history of Science & Technology fraternity wherein Department of Science &

Technology (DST) has celebrated 50<sup>th</sup> year (Golden Jubilee) along with the national celebration of 75<sup>th</sup> year of Independence. Next 25 year is extremely crucial for our country wherein the entire nation with the mantra of "Sabka Sath Sabka Vikas Sabka Vishwas & Sabka Prayas" will strive hard to make the vision of our Hon'ble Prime Minister to make India a fully developed country by 2047.

During next 25 years, New India, under the able leadership of Hon'ble PM, is poised to become a World Leader in emerging fields like Artificial Intelligence, Astronomy, Data Science, Solar Energy, Green Hydrogen, Semiconductor, Quantum Computing Climate Change mitigation technologies and Cyber Physical System. I am absolutely clear that TDB will play a critical role in this endeavor.

Also, as per the vision & guidance of Hon'ble Minister of S&T(I/C) to extend the reach of TDB in Tier II & Tier III town/cities so that instead of them, the prospective techpreneurs/budding entrepreneurs, coming to TDB, TDB should reach out to them. This year TDB marked its presence in many industrial connects/R&D institutions/Universities and other related events across various cities like Patna, Guwahati, Jammu, Kanpur etc.

In addition to that, TDB has improvised its work culture by making all Scientists & Project Coordinators to work independent so that more & more project proposals can

be scrutinized & finalized while keeping the decision-making process as cumulative one. This will contribute not only to their professional growth but also in terms of more productivity for TDB.

This year TDB has signed six agreements to provide financial assistance to various industrial concerns. Through these six agreements, TDB has committed ₹ 116.78 crore as financial assistance in form of loan out of total project cost of ₹ 357.28 crore. TDB had disbursed an amount of ₹ 13.30 crore towards on-going, new projects and other schemes in FY 2021-22. This year seven companies have declared their project completed and commercialized.

I wish to thank my young team for responding positively to an unprecedented challenge posed by Covid-19. I can say with confidence that TDB will improve its performance further in the coming years through tireless efforts; dedication and commitment of our team. I can foresee more synergy and success with my young and dedicated team.

TDB has been instrumental in encouraging indigenous innovations by supporting start-ups in up-scaling and commercializing their products promoting the goal of Atmanirbhar Bharat. We, at TDB, are committed to the mission and vision of TDB.

**Rajesh Kumar Pathak**  
Secretary, TDB

# TDB's Mandate

- Provide Financial Assistance to industrial concerns and other agencies attempting commercial application of indigenous technology or adapting imported technology for wider domestic applications;
- Provide financial assistance to such research and development institutions engaged in developing indigenous technology or adaptation of imported technology for commercial application, as may be recognized by the central government;
- Perform such other functions as may be entrusted to it by the central Government

## Sectors supported by TDB, since inception:

TDB being sector agnostic, has so far broadly supported the following sectors:

<b>Health &amp; Medical</b> 	<b>Tele-Communication</b> 	<b>Energy &amp; Waste Utilization</b> 
<b>Road Transport</b> 	<b>Information Technology</b> 	<b>Engineering</b> 
<b>Textile</b> 	<b>Chemical</b> 	<b>Defence &amp; Civil Aviation</b> 
<b>Agriculture</b> 	<b>Electronics</b> 	<b>Others</b> 

# Composition of Technology Development Board

(As on 31<sup>st</sup> March, 2022)

<b>Dr. Srivari Chandrasekhar</b> Secretary, Department of Science & Technology	Ex-officio Chairperson
<b>Dr. Shekhar C. Mande</b> Secretary, Department of Scientific & Industrial Research	Ex-officio Member
<b>Dr. G. Satheesh Reddy</b> Secretary, Department of Defence Research & Development	Ex-officio Member
<b>Dr. T. V. Somanathan</b> Secretary, Department of Expenditure	Ex-officio Member
<b>Shri Anurag Jain</b> Secretary, Department for Promotion of Industry and Internal Trade	Ex-officio Member
<b>Shri Nagendra Nath Sinha</b> Secretary, Department of Rural Development	Ex-officio Member
<b>Shri Pradeep Goyal</b> Chairman, Pradeep Metals Ltd., Navi Mumbai	Member
<b>Ms. Bineesha P.</b> Executive Director, International Institute of Waste Management, Bangalore	Member
<b>Prof. Manoj Kumar Dhar</b> Former Vice Chancellor, University of Jammu	Member
<b>Dr. Mridul Hazarika</b> Former Vice- Chancellor, University of Guwahati	Member
<b>Shri Rajesh Kumar Pathak</b> Secretary, Technology Development Board	Ex-officio Member (Member Secretary)

# Board Members

(As on 31<sup>st</sup> March, 2022)



**Dr. Srivari Chandrasekhar**  
Chairperson, TDB & Secretary, DST



**Dr. Shekhar C. Mande**



**Dr. G. Satheesh Reddy**



**Dr. T. V. Somanathan**



**Shri Anurag Jain**



**Shri Nagendra Nath Sinha**



**Shri Pradeep Goyal**



**Ms. Bineesha P.**



**Prof. Manoj Kumar Dhar**



**Dr. Mridul Hazarika**



**Shri Rajesh Kumar Pathak**

## Board Composition for the Year 2021-22

### CHAIRPERSON



**Prof. Ashutosh Sharma**  
01.04.2021 to 31.08.2021



**Dr. Renu Swarup**  
01.09.2021 to 31.10.2021



**Dr. M. Ravichandran**  
01.11.2021 to 13.12.2021



**Dr. Srivari Chandrasekhar**  
From 14.12.2021 till date

### EX-OFFICIO MEMEBERS



**Dr. Shekhar C. Mande**  
From 01.04.2021 till date



**Dr. G. Satheesh Reddy**  
From 01.04.2021 till date



**Dr. T. V. Somanathan**  
From 01.04.2021 till date



**Dr. Guruprasad Mohapatra**  
01.04.2021 to 19.06.2021



**Shri Anurag Jain**  
From 27.09.2021 till date



**Shri Nagendra Nath Sinha**  
From 01.04.2021 till date

### NON OFFICIAL MEMEBERS



**Prof. Deshdeep Sahdev**  
01.04.2021 to 26.11.2021



**Shri Sabu. M. Jacob**  
01.04.2021 to 26.11.2021



**Shri Pradeep Goyal**  
01.04.2021 to 26.11.2021 &  
From 28.01.2022 till date



**Ms. Bineesha. P**  
01.04.2021 to 26.11.2021 &  
From 28.01.2022 till date



**Prof. Manoj Kumar Dhar**  
From 28.01.2022 till date



**Dr. Mridul Hazarika**  
From 28.01.2022 till date

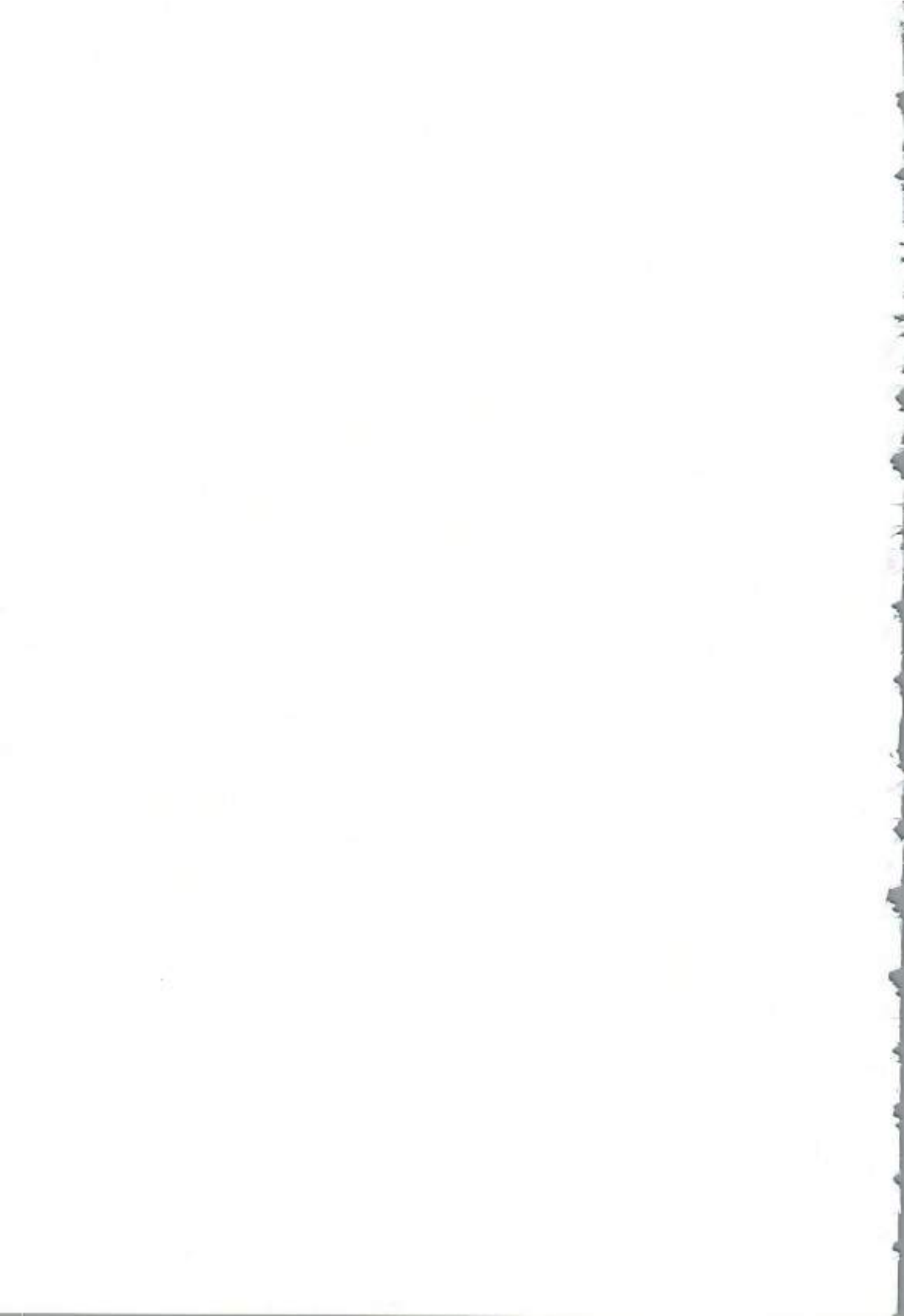
### SECRETARY



**Dr. Neeraj Sharma**  
01.04.2021 to 25.07.2021



**Shri Rajesh Kumar Pathak**  
From 26.07.2021 till date



# OVERVIEW

01 110 101 011 010110 101 0101101 010 001 011010

01 110 101 011 010110 101 0101101 010 001 011010

# Overview

The Government of India constituted the Technology Development Board (TDB) on September 01, 1996 as per the provisions of the Technology Development Board Act, 1995 with an aim to promote development and commercialization of indigenous technology and adaptation of imported technology for wider domestic applications. TDB provides financial assistance to industrial concerns and other agencies attempting such development and commercial application.

The Act enabled the creation of a fund for Technology Development and Application to be administered by TDB. The said fund receives grants from the Government of India out of the R&D Cess collected by the Government from the industrial concerns under the provisions of the Research and Development Cess Act, 1986, as amended in 1995. The Act also enables TDB to build up the fund by crediting all sums received by TDB from any other source, recoveries made of the amounts granted from the fund, and any income from investment of the amount of the Fund. The Finance Act, 1999, enabled full deductions to donations to the Fund for income tax purposes.

In its General Budget 2017-18, the Central Government abolished 'Research and

Development Cess Act, 1986' w.e.f. April 01, 2017. During the period of 1996-97 to 2016-17, the Government collected ₹7974.32 crore as R&D Cess.

TDB received a cumulative sum of ₹1112.47 crore over the period of 26 years (1996-97 to 2021-22) as Grant-in-Aid from the non-plan budget of the Department of Science & Technology, Government of India.

## 1.0 Modes of Financial Assistance

The financial assistance from TDB is available in the form of loan or equity and/or as a grant (in exceptional cases). Application for financial assistance is accepted throughout the year from Industrial concerns incorporated under the Companies Act, 1956/ 2013.

### 1.1 Loan

The financial assistance to the industrial concerns is provided as a soft loan at 5% simple rate of interest per annum. The limit of financial assistance in the form of Loan is 50% of the un-incurred project cost. The loan amount is disbursed in instalments as per the implementation of associated milestones in accordance with the

terms and conditions as stipulated in the Loan Agreement. Royalty is payable on sales of products under TDB's project during the concurrency of loan.

In some cases, TDB may have nominee director(s) on the Board of Directors of the assisted industrial concern. The implementation period of a project should generally not exceed three years. The loan and interest is secured through collaterals and guarantees. Normally, the repayment of the loan and payment of interest commences after the project is completed and a moratorium period not exceeding one year. The loan amount is generally recoverable in nine, half yearly instalments. The accumulated interest up to the repayment of the first instalment is distributed over a period of three years.

TDB does not collect administrative, processing or commitment charges from the applicants.

### 1.2 Equity

TDB contributes by way of equity capital in industrial concerns on its commencement, start-up and/or growth stages according to the requirements as assessed by TDB, keeping in view the debt-equity ratio. The equity subscription is decided by the full Board of the TDB. It is up to 25% of the approved project cost, provided such investment does not exceed the capital paid-up by the promoters.

TDB does not consider substituting the existing loan or equity of the industrial concerns which have obtained such finances from other institutions.

### 1.3 Grant

TDB also provides financial assistance by way of grants to industrial concerns and R&D institutions engaged in developing indigenous technologies. The sanction of grants is decided by the full Board and provided in exceptional cases having importance towards fulfilling national interest.

#### 1.4.1 Financial contribution of TDB to industrial concerns (1996-2022)

The following table indicates the mode and financial contribution of TDB (since inception to March 31, 2022):

(Rs. in crore)		
Instrument	*Sanctioned by TDB	Disbursement by TDB
Loan	1870.52	1566.96
Equity	33.06	35.67
Grant	157.13	150.50
Venture Funds	285.00	258.20
<b>Total</b>	<b>2345.71</b>	<b>2011.33</b>

*\*The actual sanctioned amount by TDB as on 31.03.2022 may vary due to conversion of loan into equity in some cases in the past and revision in quantum of financial assistance, foreclosure and cancellation.*

### 1.4.2 Financial contribution of TDB to industrial concerns towards "Fighting COVID-19" call

The following table indicates the mode and financial contribution of TDB under the call "Fighting COVID-19":

(Rs. in crore)

Instrument	Sanctioned by TDB	Disbursement by TDB
Loan	103.25	27.75
Grant	7.65	2.17
<b>Total</b>	<b>110.90</b>	<b>29.92</b>

## 2. Sectors

TDB is sector agnostic and has funded almost all sectors of Industries. Since

inception, sector wise and state wise coverage is placed below:

### 2.1 Sector-wise Coverage (1996-2022)

TDB's financial assistance is available for all the sectors. Since inception in 1996 to March 31, 2022, TDB has signed a total of 379 agreements with industrial concerns of discrete sectors, with a total project cost of ₹ 8845.84 crore and TDB's commitment of ₹ 2345.71 crore.

The following table gives sector-wise breakup of projects sanctioned by TDB upto March 31, 2022, since inception.

(Rs. in crore)

S. No.	Sector	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Health & Medical	107	2403.35	714.47
2	Engineering	73	719.72	265.45
3	Information Technology	47	461.00	172.31
4	Chemical	26	236.80	84.69
5	Agriculture	27	217.48	69.85
6	Tele-communications	12	99.88	37.85
7	Road Transport	10	527.04	81.20
8	Energy & Waste Utilization	11	150.10	64.61
9	Electronics	5	66.81	22.48
10	Defence and Civil Aviation	10	648.83	229.95
12	Textile	1	689.00	250.00
13	Others			
	a) Venture Funds	11	2463.00	285.00
	b) STEP-TBI	35	35.00	35.00
	c) CII	1	0.83	0.50
	d) Millennium Alliance	1	112.00	25.00
	e) Global Innovation & Technology Alliance	1	15.00	7.35
	f) INVENT Programme	1		
	<b>TOTAL</b>	<b>379</b>	<b>8845.84</b>	<b>2345.71</b>

The support by TDB is largely market-driven and technology oriented in all its new ventures and various industrial sectors.

## 2.2 State-wise Coverage (1996-2022)

The State-wise distribution (based on registered office of the company) of agreements signed during the years 1996-2022 is given below:

(Rs. in crore)

S. No.	States & Union Territory	Number of Agreements	Total cost	TDB's Commitment
1	Assam	1	18.31	8.20
2	Andhra Pradesh/ Telangana	92	2063.49	668.36
3	Karnataka	49	1040.78	361.59
4	Maharashtra	51	1641.75	456.35
6	Tamil Nadu	38	321.87	101.56
7	Delhi	25	319.76	117.86
8	Gujarat	14	149.06	45.94
9	West Bengal	10	137.39	57.57
10	Uttar Pradesh	12	94.77	50.44
11	Madhya Pradesh	7	155.92	42.20
12	Haryana	8	54.06	22.48
13	Punjab	7	91.79	21.98
14	Chandigarh	4	43.75	16.50
15	Kerala	5	21.63	8.15
16	Himachal Pradesh	1	6.24	1.90
17	Jammu & Kashmir	1	5.65	2.38
18	Manipur	1	7.94	2.70
19	Puducherry	1	5.83	1.90
20	Rajasthan	1	35.77	3.00
21	Odisha	1	4.25	1.80
22	<b>Others - Including:</b>			
	Venture Funds	11	2463.00	285.00
	STEP-TBIs	35	35.00	35.00
	CII	1	0.83	0.50
	Millennium Alliance	1	112.00	25.00
	Global Innovation & Technology Alliance	1	15.00	7.35
	INVENT Programme	1		
	<b>Grand Total</b>	<b>379</b>	<b>8845.84</b>	<b>2345.71</b>

### 3. Submission of the Project Proposal to TDB

An industrial concern seeking financial assistance from TDB is required to submit the application in the prescribed format. The format of the application for seeking financial assistance and other details are provided in 'Project Funding Guidelines' available on TDB's website (<http://tdb.gov.in/>).

Industrial concerns may apply online, any time throughout the year via <http://e-techcom.tdb.gov.in>.

## 4. Processing of Project Proposals

Applications received are processed extensively by the Committee comprising domain Experts both on Technical and Financial side. A quick description of this extensive process is given below:

### 4.1 Evaluation Criteria

The application is evaluated for its scientific, technological, commercial and financial merits. The evaluation criteria include:

- Uniqueness and innovative content of the proposal;
- Soundness, scientific quality and technological merit;
- Potential for wide application and the benefits expected to accrue from commercialization;
- Adequacy of the proposed effort;

- Capability of the R&D institution(s) in the proposed action network;
- Organizational and commercial capability of the enterprise including its internal accruals;
- Reasonableness of the proposed cost and financing pattern;
- Measurable objectives, targets and milestones;
- Track record of the entrepreneur.

### 4.2 Confidentiality and Transparency

TDB understands that it is important to maintain confidentiality, as each proposal is a commercial proposal involving a new product or process. So the respective protocol is followed during the evaluation.

Also, in cases where the applicant mentions that some information provided in the project proposal has to be treated as strictly confidential, it is not circulated to the Experts of the Committee. The Committee also respects the sensibility of the applicant's apprehensions in disclosing certain vital information of the processes.

### 4.3 Initial Screening of Application

A duly constituted Initial Screening Committee (ISC) preliminarily examines the applications received for financial assistance, from the view point of its completeness, objective of the project, status of the technology etc...

The committee composition involves Technical and Financial domain Experts from reputed National Institutions/Organizations. Applicants and/ or technology providers are given a chance to give a detailed presentation before the Committee which is further followed by a questionnaire, to have more clarity on the submitted project proposal.

As per the suggestion/ remarks of the Committee, if additional information/ details or further clarification is required for assessment, it is sought from the Company.

If the application does not meet the eligibility criteria prescribed for TDB's financial assistance, the ISC may not recommend the application for further processing after providing written reasons to the applicant.

#### 4.4 Project Evaluation Committee (PEC)

Based on the recommendations of the ISC, the application is further referred to the Project Evaluation Committee (PEC) for more detailed assessment and evaluation including visit to the project site. For each project, a PEC is constituted keeping in view the nature of the project.

PEC consists of domain Experts (scientific & technical and financial) in the relevant fields from outside TDB for a fair and independent evaluation of the project. These experts (serving

or retired) may belong to government departments, R&D organizations, academic institutions, industry, industry associations, financial institutions and commercial banks.

The applicant along with the technology provider (if any) is given a fair opportunity to give a detailed presentation before the said Committee, on the scientific, technical, marketing, commercial and financial aspects of the project, to provide in-depth information on various issues related to the project and the company.

#### 4.5 Approval of Financial Assistance

The recommendations of the said PEC are further approved by the Chairperson, TDB. All the project proposals recommended by the PEC where TDB's assistance exceeds ₹10.00 crore, are processed for third party due-diligence.

The PEC inputs along with third party due-diligence reports are put up to the Board for their approval. Rest of the recommended cases are put up to the respective Competent Authority for their approval.

#### 4.6 Monitoring and Review

TDB disburses the approved financial assistance to the beneficiaries in instalments that are based on compliance of pre-defined milestones as per the mutually agreed Loan Agreement.

The project is monitored periodically by the Project Monitoring Committee in accordance with milestones as specified in the Agreement. The PMC consists of scientific/ technical and financial experts.

## 5.0 Proactive Role

Besides responding to the applications received from industrial concerns and other agencies, TDB takes a pro-active role to ensure comprehensive support for technology development and commercialization.

Under the aegis of its mandate, TDB has encouraged development and commercialization of indigenous technologies through various initiatives. Some of them are as follows:

### 5.1 Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

Technology Development Board (TDB) realized that many technological projects are unable to satisfy the traditional requirements of financial institutions and commercial banks. In addition to directly supporting indigenous technologies for commercialization, TDB felt the need for networking with other institutions to encourage technology focused Venture Capital Fund (VCF) to ensure that lack of adequate funds is not an obstacle for innovative and technologically viable projects.

TDB thus participated in Venture

Capital Funds to provide support to early stage ventures through SMEs having innovation and innovative products / services. TDB's motivation and participation has resulted in the venture capitalists contouring their assistance to TDB's mission. The Board also considered TDB's participation in VCFs as a tool for increasing geographical spread of the mandate of TDB to support technology companies especially in the MSME/SME category having innovation and innovative products / services.

The initiative of TDB has also given confidence to Venture Capitalist/Private Equity Funds to come up in a big way to support technology-based projects with a pronounced emphasis on sectors which are growth drivers of Indian economy.

### 5.2 Seed Support for Start-ups in Incubators

In 2005, TDB instituted the Seed Support Scheme to provide early stage/start-up financial assistance to young entrepreneurs with innovative technology venture ideas to incubate and bring their ideas under development to fruition and finally to reach the market place. The proposed assistance was positioned to act as a bridge between development & commercialization of the technologies. The scheme was started for providing financial assistance to startups incubated in Science & Technology

Entrepreneur Park /Technology Business Incubators (STEP/TBI) administered by the National Science & Technology Entrepreneurship Development Board (NSTEDB) of DST.

Till March 31, 2018, TDB has supported 35 TBIs and STEP's (including two times financial assistance to 4 TBIs/STEP's) with a financial assistance of ₹1.00 crore each aggregating to ₹ 35.00 crore.

These incubators have provided assistance to several incubatees for their project to spread in the areas of Telecom, IT, Robotics, Agriculture, Instrumentation, Engineering, Environment, Pharma, Food, Solar, Textile and Biotechnology. The scheme progressed well and benefited a number of entrepreneurs in up-scaling and related work. It also facilitated in building up a corpus of incubation fund by the incubators.

### 5.3. International Collaboration

#### 5.3.1 MoU with Bpi-France

TDB continues its technical collaboration with Bpifrance France erstwhile, OSEO, France as per renewed Memorandum of Understanding (MoU) between TDB and Bpifrance along with CEFIPRA as the managing partner. The agreement was signed in 2016 and is valid for a period of 5 years.

The agreement entails to carry out activities related to the exchange of best

practices and setting up of coordinated measures to foster technological exchanges in the field of Science, Technology and Innovation through collaboration between companies, organizations and institutions of France & India. This program aims to fund proposals on Aeronautics, Automotive & Biotechnology areas.

#### 5.3.2 MoU with Department for International Development (DFID), UK

TDB in partnership with Department for International Development (DFID), UK initiated the Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) Programme in the FY 2015-16. The program was designed to create a platform to support inclusive innovation solutions, both technological and process oriented, that have a positive social and economic impact on people in the lower income segments, also known as the Bottom of the Pyramid (BoP). The support included, but not be limited to the provision of funding, intense mentoring, knowledge and access to capacity building programmes, support services, and relevant networks in the 8 Low Income States (LIS) of India (UP, MP, Bihar, Chhattisgarh, Jharkhand, Rajasthan, Orissa and West Bengal).

The ultimate aim was to create the viable social enterprises pipeline for impact investment in the above mentioned 8 LIS; Generate 50 investments ready for profit social enterprises in 8 Low Income States;

Support 160 entrepreneurs in these 8 Low Income States.

An Agreement was executed between TDB and M/s Villgro Innovations Foundation (VIF) in FY 2015-16 wherein Villgro was selected to act as the lead incubator to provide incubation support aimed at creating a viable social enterprise (for profit) pipeline for impact investments in the 8 LIS of India. VIF supported four incubators viz. IIM Calcutta Innovation Park (IIMCIP), KIIT Technology Business Incubator at Bhubaneswar (KIIT TBI), SIDBI Innovation & Incubation Centre at IIT Kanpur (SIIC IITK) and Startup Oasis (an initiative of CIIE, IIM Ahmedabad and RIICO) in the LIS to hand-hold innovative businesses at seed or early stages of enterprise development that benefited the bottom of pyramid in the LIS of India while being commercially successful.

#### 5.4 National Collaborations:

##### 5.4.1. MoU with World Wide Fund for Nature (WWF)-India for Climate Solver Partner

Considering India's strength in innovation wherein it has been ranked 12<sup>th</sup> on the Global CleanTech Innovation Index 2012, TDB decided to join the Climate Solver Platform launched by WWF-India on 21<sup>st</sup> May 2012.

In India, besides TDB, the Confederation of Indian Industry (CII), New Ventures India, Centre for Innovation Incubation & Entrepreneurship (IIM Ahmadabad)

and Sky quest Technology Consulting Pvt. Ltd. Participated in this programme.

##### 5.4.2. MoU with Technology Information Forecasting and Assessment Council (TIFAC)

TDB and Technology Information Forecasting and Assessment Council (TIFAC) an autonomous body under DST signed an MoU on "Transformational Technological Innovation" on 10<sup>th</sup> February, 2018 with an aim to scout for innovative technologies, commercialize indigenous technologies and invest in companies commercializing such technologies. The areas and scope of cooperation include:

- Scouting of emerging (core thrust) technologies/ technological areas with investment trends and the forces driving those;
- Identifying technologies which have the ability to transform social and economic environment as well as generate employment for the growing youth of the nation on immediate, medium-term and long-term basis;
- Developing policy frameworks for easy adoption of technology; up scaling and manufacturing leading to its commercialization in the nation for the identified domains.

##### 5.4.3. MoU with Innovative Change Collaborative (ICCo)

TDB and Innovative Change Collaborative (ICCo) India organisation, a devel-

opment organisation working in India signed an MoU on "Transformational Agricultural Technology Business Solutions" on 6<sup>th</sup> March ,2018 with an aim to scout for innovative agricultural technologies, commercialize indigenous technologies and invest in companies which will exhibit the potential to double farmers' income. The areas and scope of cooperation include:

- Scouting of relevant agriculture technology business solutions in pre-harvest domain, allied agriculture, post-harvest domain;
- Identifying technologies and business solutions which demonstrate the ability to transform rural economic environment as well as generate employment for rural youth of the nation on immediate, medium-term and long-term basis.
- Assessing the ability of interested agri-tech businesses in the identified domains to truly improve farmers' income level by evaluating their technology readiness and business model for commercial and financial viability.

#### **5.4.4. MoU with PHD Chambers of Commerce and Industry (PHDCCI)**

TDB and PHD Chambers of Commerce and Industry (PHDCCI) signed MoU on 25<sup>th</sup> April, 2018 to scout for emerging technologies/ technological areas of National Importance such as Agribusiness and Food Processing, Healthcare and Pharmaceuticals, Electric Mobility, Water and Waste

to Energy, Automobiles, etc. And identify factors driving those; also to develop policy frameworks for easy adoption of technology, upscaling and manufacturing leading to its commercialization. Both the organizations are collaborating in identifying industries with technology-driven projects which may have social and economic implications and generate employment on immediate, medium-term and long-term basis.

#### **5.4.5. MoU with Associated Chambers of Commerce & Industry of India (ASSOCHAM)**

TDB and the Associated Chambers of Commerce & Industry of India (ASSOCHAM) signed an MoU on 3<sup>rd</sup> May, 2018 to scout for emerging technologies/technological areas of national importance such as Pharmaceuticals, Medical Devices & Diagnostics, Agriculture, Food Processing, Defense & Aerospace, Electric Mobility and Automobiles; and identify factors driving those; also to develop policy frameworks for easy adoption of technology, upscaling and manufacturing leading to its commercialization. Both the organizations are working in close association through seminar, symposia and project-writing workshops to identify companies with prototypes technologies/technology-driven projects with commercial outcome on immediate, medium-term and long-term basis.

#### 5.4.6. MoU with Biotechnology Industry Research Assistance Council (BIRAC)

For bringing synergy between various industry supporting organizations for "Commercialization of Indigenously Developed Technologies", a MoU was signed between Biotechnology Industry Research Assistance Council (BIRAC) and Technology Development Board (TDB) on 7<sup>th</sup> September, 2018 for creating and fostering a global and national ecosystem for Biomedical/Biotechnological Innovations, Translation and Commercialization in a seamless manner.

#### The area and scope of co-operation include:

- BIRAC and TDB shall enable joint inter-organizational mechanism for concerted efforts to meet the innovation and commercialization gap.
- Mutually agree upon the Biotechnology projects that can fall within the respective organizational scope for seamless evaluation and funding assistance considerations by establishment of a coactive governance structure.
- The Parties shall create a synergy to benefit from their respective organizational strength to mobilize effective funding and subtend technology readiness gap.
- The projects for cross reference will be decided on mutual understanding

with respect to operative period of MoU; financial obligations and extent of cooperation.

- The Parties through this MoU have jointly agreed to share knowledge base, in-house processes and project inputs in furtherance to attainment of the united initiative.

### 5.5. Alliances

#### 5.5.1 Global Innovation & Technology Alliance (GITA)

As an outcome of the Prime Minister's Council on Trade & Industry, to support acceleration of India's industrial R&D efforts, The Global Innovation & Technology Alliance (GITA) was set up in 2011, as a PPP JV between the Confederation of Indian Industry (CII) and the Technology Development Board, Department of Science & Technology (DST), Government of India.

GITA is an innovative platform that maps technology gaps, evaluates technologies available across the globe and forges techno-strategic collaborative partnerships appropriate for the Indian economy. GITA connects industrial and institutional partners for effective matchmaking and collaborative industrial R&D projects, facilitating funding for technology development/ acquisition/ customization / deployment.

Over the years, GITA has been successfully managing various national

and bilateral Industrial R&D and technology acquisition projects under the partnership of various Government of India Ministries and Departments, such as the Department of Science & Technology (DST), Ministry of Electronics & Information Technology (MeitY), the Department of Heavy Industry (DHI), the Defence Research & Development Organisation (DRDO), the Department of Industrial Policy & Promotion (DIPP) and the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises (MoMSME). GITA has also collaborated with multilateral bodies such as the European Commission for enhancing the innovation ecosystem.

Interventions have focused on sectors of national relevance to India's technological aspiration e.g., Affordable Healthcare, Clean Technologies including Energy and Transportation, Advanced Manufacturing, Capital Goods Sector, Defence & Aerospace, Information & Communication Technology (ICT), Electronic System Design & Manufacturing (ESDM), Water Technologies (including Water Purification, Desalination, Irrigation Technologies, Waste Water Treatment and Management), etc.

GITA also broadened and formalised its engagement with the Indian innovation ecosystem with the GITA Innovation Exchange (GIXC). The GIXC is a unique, virtual platform that endeavours to create credible connections for technological

partnerships, technologies, IP services and finance for innovation, for actors across the innovation spectrum.

### 5.5.2 Millennium Alliance (MA)

The Millennium Alliance (MA) Program was launched in 2011 jointly by TDB, United States Agency for International Development (USAID) and Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) as a platform to identify, test, and scale innovations which bring improvements at the Bottom of the Pyramid (BoP) level. This alliance was forged as an innovation partnership for global development focusing on important sectors including health, basic education, water & sanitation, food security/agriculture and clean energy to ensure that the benefits of innovation percolate to the BoP population. Later, the platform was joined by UK's DFID, ICCO Cooperation, ICICI Foundation for Inclusive Growth, World Bank Group and Facebook.

Each MA partner brought along financial and knowledge based resources with an end aim of supporting social enterprises that could bring about transformational change. The MA was an inclusive platform to leverage Indian creativity, expertise, and resources to identify and scale innovative solutions being developed and tested in India to address development challenges that benefited BoP populations across India and the world. The MA was a network to bring together various

social innovators, philanthropy organizations, social venture capitalists, angel investors, donors, service providers and corporate foundations to stimulate and facilitate financial and other support to the innovators.

A USD 25 million fund was setup for a period of 5 years of which contributed ₹ 25.00 crore (₹ 5.00 crore per year). Under The Program, innovators were provided with seed funding, grants, incubation, networking opportunities, business support, knowledge exchange and technical assistance which facilitates further access to equity, debt, and other capital.

The program completed its 5 rounds in the year 2018-19. Through these rounds, the program directly supported 124 innovative projects with a funding support of ₹ 86.7 crore. These projects have touched millions of lives, increasing farmer incomes, providing them access to early grade education, clean drinking water, energy for their homes, affordable & digital healthcare and sanitation facilities.

The supported enterprises were able to leverage the grant given as a catalytic fund to raise external funds as well as develop partnerships for extensive and sustainable project implementation. The projects funded by MA were implemented in 21 states in India. The funds also supported interventions in 11 countries. MA is the only program of its kind to support 22 Indian companies replicate and scale their innovations in Africa (Kenya, Rwanda,

Uganda, Ethiopia, Burkina Faso and Malawi) and South Asia (Afghanistan, Bangladesh, Srilanka and Nepal).

The program has played a significant role in entrepreneurship development in the social sector across the globe.

## 5.6 Technology Day and Presentation of National Awards

### 5.6.1 Technology Day

Every year National Technology Day is observed across India on May 11. National Technology Day is being commemorated to celebrate the anniversary of first of the five tests of Operation Shakti (Pokhran-II) nuclear test which was held on May 11, 1998 in Pokhran, Rajasthan.

On this day first indigenous aircraft Hansa-3 was test flown at Bangalore and India also conducted successful test firing of the Trishul missile on the same day. Considering all these achievements May 11 was chosen to be commemorated as National Technology Day.

This day emphasizes the importance of science in day-to-day life and motivates students to adopt science as a career option.

This day urged the industry to build powerful partnerships with the national laboratories and to create knowledge networks with academic institutions for promoting research and development and gaining entry into global markets.

### 5.6.2 National Award

To commemorate National Technology Day and to encourage the techpreneurs, TDB had instituted National Awards. This award is conferred to various industries for successful commercialization of innovative Indigenous Technology.

The Award was given for the very first time on the occasion of the National Technology Day falling on May 11, 1999. M/s Shantha Biotechnics Private Limited, Hyderabad was the first recipient of this award for commercial production of "Recombinant DNA based Hepatitis - B vaccine" disseminated by the then Hon'ble Prime Minister of India, Shri Atal Bihari Vajpayee.

The award carried a cash prize of ₹ 10.00 Lakh and a trophy. In case a technology has been developed and commercialized by separate entities, both are eligible to get the award separately. In 2016, the quantum of the award was increased to ₹ 25.00 Lakh.

In August 2000, TDB introduced a cash award of ₹ 2.00 Lakh and a trophy to a Small Sector Industry (SSI) unit that has successfully commercialized a technology-based product. The first SSI award was given on May 11, 2001. The number and quantum of the award was increased to three and ₹5.00 Lakh, respectively in the year 2011.

In 2016, this award was renamed as 'MSME Award' and the quantum was

increased to ₹15.00 lakh.

During the year 2017-18, TDB introduced a new category of award worth ₹15.00 lakh and a trophy for Start-ups for promising new technology with potential for commercialization.

From 11<sup>th</sup> May 2018 onwards, following three categories of awards are given as a part of the Technology Day Celebration:

- **National Awards for Successful Commercialization of Indigenous Technology (01\*)** – Cash award worth ₹ 25.00 lakh and a trophy to an industrial concern towards successful development & commercialization of an indigenous technology; in case the technology developer and commercializing organizations are different, each one is eligible for cash prize and trophy;
- **National Awards under MSME category for successful commercialization of technology-based product (03\*)** – Cash award worth ₹ 15.00 lakh and a trophy to a MSME that has successfully commercialized product based on indigenous technology;
- **National Awards under Start-up Category (01\*)** – Cash award worth ₹ 15.00 Lakh and a trophy for promising new technology with potential for commercialization.

\* The Selection Committee for National Awards may change the number of awards to be given or may differ if the entries are not found suitable.

### 5.7 Issuance of "Call for Proposals"

The Board takes a pro-active approach and from time to time issues "Call for Proposal" in different areas of importance in order to familiarise local industry towards the intent of TDB support innovation -driven technology focused projects in various strategic areas as per the policies and the initiatives by Government of India like "Make in India", "Startup India" and "Atmanirbhar Bharat" etc.

### 5.8 Dispute Resolution Committee (DRC)

Since inception of TDB, many cases have been declared stressed either due to technology failure or commercialization failure. Owing to these NPAs/Stressed cases, pre-litigation and litigation cases, the Board initiated a mechanism for addressing such cases by constituting a "Dispute Resolution Committee (DRC)" in late 2015.

The objective of DRC is to provide companies a platform to resolve issues related to payment of TDB dues. However, DRC nowhere interferes with the legal proceedings already initiated by TDB. The recommendations of DRC are placed before the Board, for approval. Through this process, issues with many companies have been resolved and recoveries made.

### 5.9 Online Submission of Project Proposals

Since 2017-18, TDB is practicing digi-

talized and paperless submission of the application submission process, a way forward towards "Digital India". This initiative brought more transparency and efficiency in working procedures. "Online Submission of Project Proposals" is done via "Project Management System (PMS)":

<http://www.e-techcom.tdb.gov.in/>.

### 5.10 Exhibitions/Seminars

To create awareness in the industry, entrepreneurs and R&D institutions about the available financial support from TDB, various activities were undertaken such as interactive meetings/participation in exhibitions in collaboration with other organizations.

### 5.11 Creation of Social Media Platform

In order to get transparency in functioning, getting broader connectivity and also considering the importance of Social Media platforms in present scenario, TDB felt the need to have its own Social Media platforms and created its official pages as follows:

**Facebook:** [www.facebook.com/tdbgoi](http://www.facebook.com/tdbgoi)

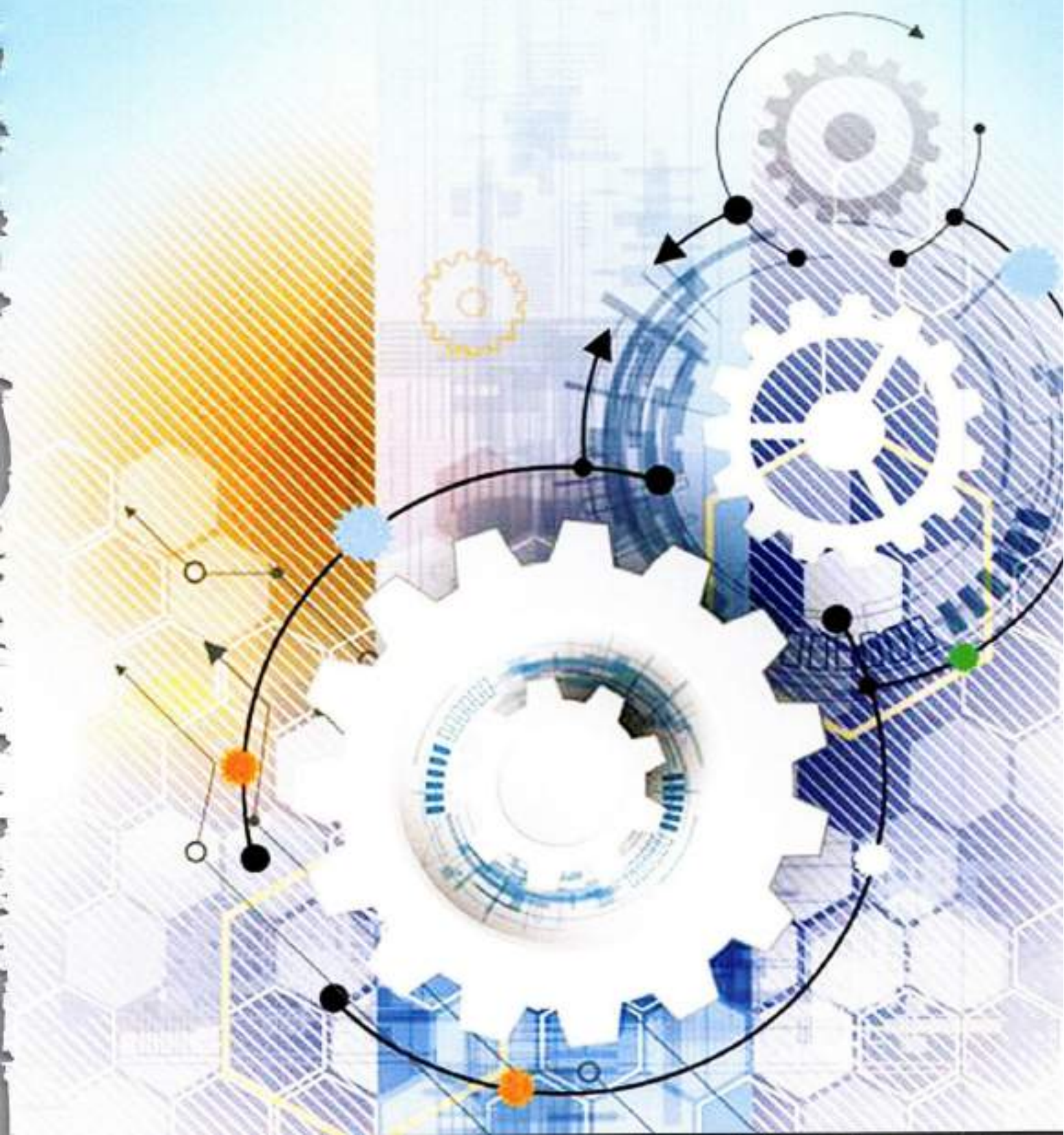
**LinkedIn:** <https://www.linkedin.com/in/technology-development-board/>

**Twitter:** <https://twitter.com/tdbgoi>

**Instagram:** [www.instagram.com/technologydevelopmentboard/](http://www.instagram.com/technologydevelopmentboard/)

**YouTube:** <https://www.youtube.com/channel/Technology Development Board>

# YEAR AT A GLANCE



# Year at a Glance

In the FY 2021-22, TDB signed six agreements to provide financial assistance to various industrial concerns. Through these agreements, TDB has committed ₹ 116.78 crore as a Loan out of total project cost of ₹ 357.28 crore, covering various sectors.

## 1.0 Applications Received in FY 2021-22

This financial year, TDB received total 88 applications, out of which 29 applications were received under regular mode, 56 applications were received via call for proposal "Commercialization of indigenous technologies" from Indian start-up companies and 03 applications were received under another call for proposal "Semiconductor and Sensor Technologies".

### 1.1 Sector wise breakup:

Sector wise distribution of these 88 applications is as under:

(Rs. in crore)

S. No	Sectors	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance sought from TDB
1.	Health & Medical	21	135.29	61.17
2.	Engineering	17	208.47	85.24
3.	Information Technology	14	115.95	52.59
4.	Agriculture	13	241.00	105.19
8.	Energy - and Waste Utilization	11	72.83	37.61
9.	Electronics	12	154.52	67.14
	<b>Total</b>	<b>88</b>	<b>928.07</b>	<b>408.92</b>

## 1.2. State wise breakup:

State wise distribution of these 88 applications is as under:

(Rs.in crore)

S.No	States & Union Territory	Number of Applications	Estimated Total Cost	Assistance sought from TDB
1.	Andhra Pradesh/ Telangana	12	272.23	122.42
2.	Bihar	1	0.63	0.20
3.	Gujarat	3	58.84	29.41
4.	Himachal Pradesh	1	1.68	0.70
5.	Jharkhand	1	8.25	3.93
6.	Karnataka	17	121.83	49.33
7.	Kerala	3	2.55	1.38
8.	Madhya Pradesh	1	1.02	0.50
9.	Maharashtra	11	109.56	43.61
10.	New Delhi	10	88.89	38.22
11.	Odisha	3	11.10	3.16
12.	Punjab	1	36.60	18.30
13.	Rajasthan	2	2.88	1.01
14.	Tamil Nadu	13	89.06	32.33
15.	Uttar Pradesh	7	95.77	50.93
16.	Uttrakhand	1	23.18	11.50
17.	West Bengal	1	4.00	2.00
	<b>Grand Total</b>	<b>88</b>	<b>928.07</b>	<b>408.92</b>

## 2.0 Agreements Signed during FY 2021-22

This year TDB signed six agreements with various industrial concerns. Details are as follows:

S.No	Name of the Company	Name of the Project	Sector
1.	<b>M/s Botlab Dynamics Pvt. Ltd., New Delhi</b>	Design and Development of a Reconfigurable Swarming System Consisting of 500-1000 Drones for 3D Choreographed Drone Light Shows.	Engineering
2.	<b>M/s Manjeera Digital Systems Pvt. Ltd., Hyderabad</b>	Development & Production of Receiver Modules for NavIC and GPS.	Electronics

S.No	Name of the Company	Name of the Project	Sector
3.	M/s Swajal Water Pvt. Ltd., Gurugram	IoT enabled point of use Solar Water Purification Unit for Slums, Villages and High Utility Areas.	Engineering
4.	M/s Skyshade Daylights Pvt. Ltd., Hyderabad	Daylight Harvesting Technologies to reduce carbon footprint and improve the building energy efficiency.	Energy & Waste Utilization
5.	M/s Sapigen Biologix Pvt. Ltd., Hyderabad	Development & Commercialization of two novel vaccines - Intranasal Covid-19 Vaccine and RTS, S Malaria Vaccine	Health & Medical
6.	M/s Orange Koi Pvt. Ltd., Vishakhapatnam	Development & Commercialization of Metal Injection Molding of Implants, Medical Robotic Surgical Instruments & Devices	Health & Medical

### 3.0 Disbursement

In the FY 2021-22, TDB has disbursed a total of ₹ 39.71 crore towards implementation of projects, comprising:

- disbursement of ₹ 13.30 crore towards on-going, new projects and other schemes, which includes ₹ 13.23 crore as loan and ₹ 0.07 crore to UTI/other VCF/ITVUS for investment;
- disbursement of ₹ 26.41 crore against call for proposals "Fighting Covid-19", which includes ₹ 25.63 crore as loan and ₹ 0.78 crore as grant.

### 4.0 Projects Completed

The following companies supported by TDB declared their project completed during the FY 2021-22:

S.No	Name of the Company	Name of the Project	Sector
1.	M/s Biogen Fertilizers India Pvt Ltd, Salem, Tamil Nadu	Commercial production of encapsulated multnutrient granulation/pelletization of organic manure with bio NPK (liquid), bio control microbes, HUMIC, VAM, enzymes, immune modulators and Trace elements (zinc, boron, molybdenum, manganese and iron)	Agriculture
2.	M/s QuNu Labs Pvt. Ltd., Bangalore	Commercialization of QuNu's Quantum IT Technology Security Products	

S.No	Name of the Company	Name of the Project	Sector
3.	M/s Cocoslab Innovative Solutions Private Limited, Bangalore	Advanced video analytics for low-cost thermal cameras to identify persons with abnormal body temperature in public places	IT
4.	M/s Thincr Technologies India Private Limited, Pune	Development of low cost and more efficient masks coated with antiviral agents to protect spread and protection of Covid- 19 and other viral infections	Health & Medical
5.	M/s Panacea Medical Technologies Private Limited, Bangalore	Commercialization & Setting-up of Manufacturing Line for Indigenous Medical LINAC	Health & Medical
6.	M/s Evobi Automations Private Limited, Bangalore	Portable Ultra-Violet based Box Sterilizer & Modular Movable Ultra-Violet based Indoor Room Sterilizer	Health & Medical
7.	M/s Mylab Discovery Solutions Private Limited, Pune, Maharashtra	Manufacturing of Testing Kits to detect Covid Corona Virus	Health & Medical

## 5.0 Settlement / Repayment of Loan

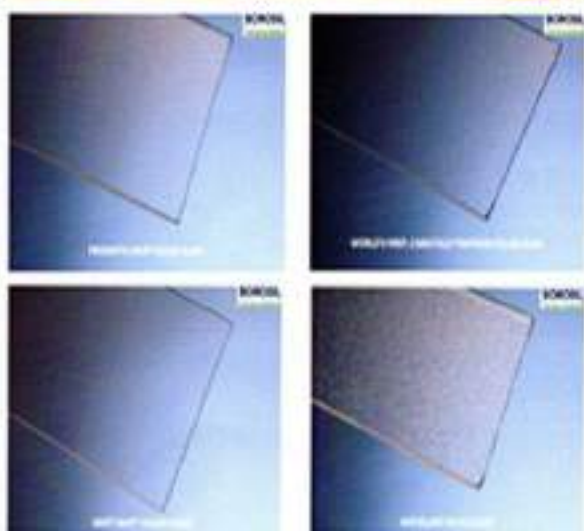
This year following companies financed by TDB repaid their loan/ settled their loan account with TDB:

S. No	Company name	Project titled
1.	M/s Sampurn Agri Ventures Pvt. Ltd., Chandigarh	Development and Commercialization of Biogas and Bio-enriched Organic manure Plat Utilizing only paddy straw
2.	M/s Biological E Ltd., Hyderabad	For setting up of a project for manufacturing of Pneumococcal Conjugate Vaccine
3.	M/s Salcit Technologies Pvt. Ltd., Hyderabad	kAs, a screening and monitoring tool for COVID-19
4.	M/s Lifecare Innovations Private Limited, Gurgaon	Development & Commercialization of Controlled release Pharmaceuticals
5.	M/s Yashraj Biotechnology Limited, Navi Mumbai	Development & Commercialization of products and services derived through Pluripotent stem cell technology for disease modelling biomarker discovery and drug toxicity testing'
6.	M/s Coral Telecom Ltd., Himachal Pradesh	Development and Commercialization of IRIS NGX Switch that will meet New Generation Network Requirements for Enterprise as well as Defence
7.	M/s iMinBit Tech India Pvt. Ltd., Haryana	Manufacturing and Commercialization of Water Saving RO based Purification Technology
8.	M/s Panacea Biotec Limited, Ambala Chandigarh Highway, Lalru, Punjab	Development and Commercialization of Dengue Tetravalent Vaccine (Live Attenuated, Recombinant, Lyophilized)

## 6.0 Technology Day

The following winners have been awarded with the National Award-2021 under following three categories:

### 6.1 National Award for successful commercialization of Indigenous technology



**M/s Borosil Renewables Limited,  
Mumbai**

2 MM fully tempered solar glass, Shakti:  
Solar glass in mattmatt finish, Selene:  
Anti-glare solar glass for PV installations  
near airport



**M/s Raina Industries Private Limited,  
Mumbai**

Textile Reinforced Concrete

## 6.2 National Awards under MSME category for successful commercialization of a technology-based product



**M/s Plus Advanced Technologies Private Limited, Gurugram**  
"Celsure" an indigenous Temperature Controlled Pharmaceutical Shipping Box

### DIGITAL RADIO RECEIVER SOLUTIONS



APPLICATIONS  
AUTOMOTIVE (IN-CAR RADIO)  
CONSUMER (PORTABLE)  
SMARTPHONES



**M/s Inntot Technologies Private Limited, Kochi**  
Digital broadcast radio



**M/s Olene Life Sciences Private Limited, Chennai**  
Ginfort™ using patented Aqueosome®

### 6.3 National Awards under Start-up Category



**M/s Proficient Visions Solutions Private Limited, Kharagpur**  
Clear Vision: Real-time removal of bad weather



**M/s EyeROV (IROV Technologies Private Limited) Kerala**  
EyeROV TUNA - ROV  
(Remotely Operated Vehicle)



**M/s Fabheads Automation Private Limited, Chennai**  
Fabheads' FibrBot series of 3D printers



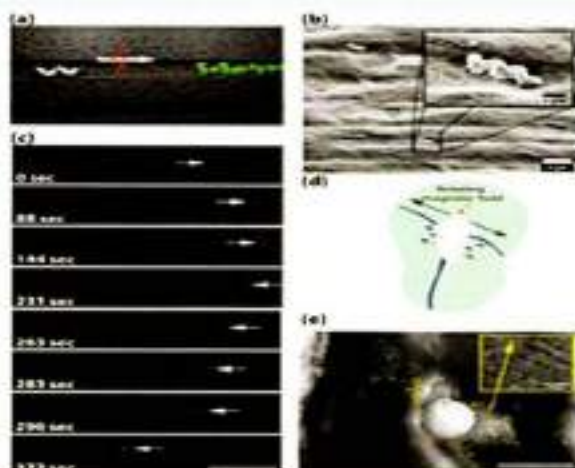
**M/s Plabeltech Private Limited, Bhopal**  
Gly-tag® platform



**M/s Breathe Applied Sciences Private Limited, Bengaluru**  
CO<sub>2</sub> conversion to methanol to the pilot scale



**M/s CYRAN AI Solutions, Delhi**  
BUDDHI AI DIY Kit®



**M/s Theranutilus Private Limited,  
Bengaluru  
Nanorobots**



**M/s Multi Nano Sense Technologies  
Private Limited, Nagpur  
MEMS technology**



**M/s Noccarc Robotics Private Limited,  
Pune  
V310 ICU Ventilator, Noccarc H210**



**M/s SynThera Biomedical Private  
Limited, Pune  
for - PoroSyn® bioactive synthetic  
bone graft**

## 7.0 Participation in Venture Capital Funds (VCFs)

TDB has so far (till March 31, 2022) participated in 11 Venture Capital Funds, along with other investors, with total commitment of ₹ 285.00 crore, leveraging total funds aggregating to ₹ 2281.77 crore (as submitted by Investment manager) from other investors, has disbursed ₹ 258.20 crore towards its committed disbursement and has received an amount of ₹ 239.41 crore from the exit proceeds of these funds. Through participation in VCF's, TDB's funds have been invested in close to 209 companies.

This year ₹ 8.66 crore was received towards redemption. Details are placed in table below:

(Rs. in crore)

S. No.	Fund Name	Investment Manager	Total Fund size	TDB's Commitment	Receipts during FY 2020-21 towards redemption
1.	Biotechnology Venture Fund (BVF)	APIVC Venture Capital ltd, Hyderabad	155.00	30.00	-
2.	SME Technology Venture Fund	Gujarat Venture Finance ltd(GVFL), Ahmadabad	89.32	15.00	-
3.	Ivycap ventures Trust Fund I	Ivycap ventures Advisors Pvt ltd, Mumbai	238.20	25.00	2.62
4.	Multi Sector Seed Capital Fund	Blume Ventures Advisors Pvt ltd, Mumbai	100.00	25.00	-
5.	SME Tech Fund RVCF II	Rajasthan Asset Management Company Pvt ltd, Rajasthan	150.00	15.00	-
6.	SEAF India Agribusiness Fund	SEAF India Investment Advisors Pvt ltd, Mumbai	106.25	25.00	0.80
7.	India opportunities Fund (IOF)	SIDBI Venture Capital ltd, Fund	421.30	25.00	3.57
8.	Ventureast Tenet Fund II	Ventureast Fund Advisors (India) Pvt ltd, Chennai	54.45	15.00	-
9.	Indian Fund for sustainable Energy	CII, IIM Ahmadabad	125.00	10.00	1.67
	<b>Total</b>				<b>8.66</b>

A person in a dark suit is holding a tablet computer. The tablet screen shows a blue interface with various data charts, including a bar chart and a line graph. In the background, a robotic arm is visible, and the scene is brightly lit, suggesting an industrial or laboratory setting. The overall image has a warm, golden glow.

**AGREEMENTS**

Signed

# Agreements Signed

## M/s Botlab Dynamics Private Limited, New Delhi

### Sector: Engineering

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement with M/s Botlab Dynamics Private Limited, New Delhi on 08.11.2021 for the implementation of their project titled "Design and Development of a Reconfigurable Swarming System Consisting of 500-1000 Drones for 3D Choreographed Drone Light Shows" for Loan assistance of ₹ 250.00 lakh against the total project cost of ₹ 665.84 lakh.

### About the Company

M/s Botlab Dynamics Private Limited is incorporated in the incubation center of Indian Institute of Technology, Delhi. The

company is presently involved in two different projects:

- i) Drone Swarm Technology for Sky Light Show and
- ii) Drone Swarm Technology for the defence applications.

### About the Project and Product

The project is to create a reconfigurable swarming system consisting of 500-1000 drones within 6 months for conducting drone Light Show on the national occasion of Republic Day Beating Retreat Ceremony, 2022. The company has designed the entire drone management system indigenously, i.e the company has built their own Electronic Speed Controller (Motor Controller), Precision GPS and the Flight Controller. These are the most important components that are required

to control motor speed, help the drone find exact location and pilot the system. The company has conceptualized a novel drone show of 1,000 swarm drones on the eve of Beating the Retreat Ceremony on 29.01.2022 at the Rashtrapati Bhavan.



## M/s Manjeera Digital Systems Private Limited, Hyderabad

### Sector: Electronics

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 13.12.2021 with M/s Manjeera Digital Systems Private Limited, Hyderabad for implementation of their project titled "Development and Production of Receiver Modules for NavIC and GPS" for Loan assistance of ₹ 473.00 lakh against the total project cost of ₹ 1425.00lakh.

### About the Company

M/s Manjeera Digital Systems Private Limited, Hyderabad is incubated out of the incubation centre of IIIT-Hyderabad. The Company is in computation of architectures for high-performance computing to address the bottlenecks of existing processor/co-processor/accelerator architectures.

### About the Project and Product

The project is towards "Development and Production of Receiver Modules for NavIC and GPS" for producing Chips to cater specialized segments of the market and functional systems for a product. This home-grown product enables navigation & tracking and

can be used for commercial and civilian purposes.

It is now engaged in developing and marketing generic GNSS (Global Navigation Satellite System) receivers using their patented technology. The distinctive features of their version of NavIC receivers is that GNSS receiver is programmable and generic. It can support multiple constellations and capable of tracking more than 60 satellites simultaneously. The power consumption of the receiver module is lesser than 200 mw, small form factor (240 mm<sup>3</sup>).

Integrated NavIC and GPS Chips will improve signal availability and position accuracy in India. Also, the NavIC system is totally under Indian control which is major requirement for a sovereign country. This also has business potential and the development of an indigenous system dovetails well with "Make in India" and "Digital India" programs.



## M/s Swajal Water Private Limited, Gurugram

### Sector: Engineering

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 11.01.2022 with M/s Swajal Water Private Limited, Gurugram for implementation of their project titled "IoT enabled point of use Solar Water Purification Units for Slums, Villages and High Utility Areas" for a Loan assistance of ₹ 300.00 lakh against the total project cost of ₹ 648.62 lakh.

### About the Company

M/s Swajal Water Private Limited, Gurugram, a tech startup company founded by ex-IITians, focused on innovative technologies to make reliable clean drinking water accessible to communities at affordable price along with the reduction in the use of plastic bottles.

## About the Project and Product

Indian Government is playing a vital role to make clean and reliable drinking water affordable and accessible to common man including people in the remote villages through the "Jal Jeevan Mission". To contribute for this mission, the company has created a technology-agnostic point-of-use water system that runs on solar energy and has cloud based remote monitoring using its proprietary IoT platform. The company's patented system, 'Clairvoyant' has sensors which help to remotely monitor the machines installed in remote villages and slums. Thus, if the system witnesses a failure or needs maintenance, the engineering team with the help of the data knows in advance and can fix the problem in real time. These rural water ATM use solar energy to pump water from rivers, wells, ponds or groundwater depending upon the location. The water will then be treated with appropriate technology

to make it healthy & pure for drinking. With this innovation, the cost of purified water could be brought down to as low as 25 paise per litre.



## M/s Skyshade Daylights Private Limited, Hyderabad

### Sector: Energy and Waste Utilization

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 03.03.2022 with M/s Skyshade Daylights Private Limited, Hyderabad for implementation of their project title "Daylight Harvesting Technologies to Reduce Carbon Footprint and improve The Building Energy Efficiency" for Loan assistance of ₹ 500.00 lakh against the total project cost of ₹ 1000.00 lakh. As per the Agreement, the project would be completed on before 31.03.2024. First Installment of ₹ 125.00 lakh released to the company on 31.03.2022.

### About the Company

The company is in Daylighting Technologies and contributing to produce discrete daylight components and solutions viz Light pipe (tubular daylighting system), Sunlight redirecting laser cut panels, Lumen output studies for daylighting systems, Multi glazed, prismatic skylight-Norikool™, development of Daylight sensor to measure true ambient daylight, Development of Lighting controllers for industrial and warehouse requirements - Day 360™, Wall mounted tubular daylighting system-Lightpipe™, IOT based

Lighting energy measurement system to track electric lighting energy consumption in daylight harvesting projects, Integrated, Hybrid Daylighting System-IDS, PIR occupancy sensors for industrial and warehousing applications and integration to lighting controls in Daylight harvesting systems.

### About the Project and Product

The proposed system envisages providing daylighting system with sunlight concentrator. The sunlight concentrators are placed on roof top and walls of building. They collect huge amount of sunlight energy, concentrate it and pipe it through light ducts. The light ducts travel across building (like air conditioning air ducts) delivering natural light across the building. The system is equipped with LED lighting systems for backup during non sun shine hours, lighting controllers, daylight sensors, control panel & energy measuring system.



## M/s Sapigen Biologix Pvt Ltd., Hyderabad

### Sector: Health & Medical

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 26<sup>th</sup> March 2022 with M/s Sapigen Biologix Pvt Ltd., Hyderabad (Project Location: Bhubaneswar- state Odisha) and a loan assistance of ₹10000.00 lakh against the total project cost estimated at ₹31130.00 lakh has been sanctioned for the development & commercial scale production of two novel Vaccines:

- A) BBV154 Corona Virus Vaccine (SARS CoV-2) as single dose nasal vaccine &
- B) RTS, S/AS01E (RTS,S) Malaria Vaccine

### About The Company

The company M/s Sapigen Biologix Pvt. Ltd. (SBPL), with its project site in Bhubaneswar was incorporated on

17<sup>th</sup> October 2020. It is a subsidiary of Biovet Pvt. Ltd. Malur Karnataka and has Dr. Krishna M Ella of M/s Bharat Biotech International Ltd, Hyderabad as its Managing Director. SBPL was incorporated with the focus on developing, own & contract manufacturing, producing, processing, distribution and selling of vaccines & biotherapeutics. The Company proposes to set a large-scale multiproduct vaccine & bio therapeutic development and manufacturing facility in Bhubaneswar, Odisha.

### About the Project and Product

- A) BBV154 Corona Virus Vaccine (SARS CoV-2) as single dose nasal vaccine

The COVID-19 pandemic caused by highly contagious severe acute respiratory syndrome corona virus 2 (SARS-CoV-2), has been declared as an ongoing global pandemic by the World Health



Organization (WHO) in March 2020. Equitable access to safe and effective vaccines is seen critical to ending the COVID-19 pandemic.

In contrast to the Intramuscular (IM) corona virus vaccine currently in use, the intra nasal vaccine can generate mucosal immune response thereby protecting both the upper and lower respiratory system of a vaccinated individual and break the cycle of infection and transmission. The present project uses the technology platform developed by Washington University for Medicine, St Louis for the SARS-COV-2 chimpanzee adenovirus in inactivate or killed virus form. This platform has several advantages:

- These vaccines express surface antigens which retain their epitope conformations to play an important role in inducing strong preventative humoral responses especially with reference to SARS-CoV-2
- Scaling up is relatively easier
- Easy delivery Can be administered even by untrained health worker and self-immunization also possible, No requirement of syringe, needle, and

alcohol swabs

- Safer to use

### B) RTS, S/AS01E (RTS,S) Malaria Vaccine

In view of the public health potential, World Health Organization WHO's top advisory bodies for malaria and immunization have jointly recommended phased introduction of the vaccine in selected areas of sub-Saharan Africa. Three countries – Ghana, Kenya, and Malawi– began introducing the vaccine in selected areas of moderate and high malaria transmission in 2019. Vaccinations are being provided through each country's routine immunization program. As per the forecast of GAVI, the demand for malaria vaccine would be 75 million doses by 2035.

Till date, RTS, S malarial vaccine is the only vaccine to show protective effect against Plasmodium Falciparum. Developed by Glaxo SmithKline (GSK), Phase III Clinical trials in young children and infants in African countries has been completed.

Both the Vaccines are novel and will come under the ambit of commercial production for the first time.

## M/s Orange Koi Private Limited, Visakhapatnam

### *Sector: Health & Medical*

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 30.03.2022 with M/s Orange Koi Private Limited, Visakhapatnam for implementation of their project titled "Metal Injection molding of Implants, Robotic Surgical Instruments & Devices" for Loan assistance of ₹ 155.00 lakh against the total project cost of ₹ 858.00 lakh.

### About the Company

The company has its administrative office at the Andhra Pradesh Medtech Zone for the manufacturing of medical equipment. They are also a part of All India Medical Devices Association.

### About the Project and Product

MedTech is a segment under the larger umbrella of healthcare ecosystem. The

segment mainly focuses on designing and manufacturing a wide range of medical products/devices for diagnosis, prevention, monitoring, treatment and patient care.

In this project, the company aims at implementing the Metal Injection Molding (MIM) process for the manufacturing of medical surgical instruments and device components like bone cutters, rongeurs, curettes, castroviejocallipers, haemostatic forceps, allis tissue forceps, crile, alligator surgical forceps, tweezers, scissors spring, metzenbaum wound closure clips, clamps, needles, staplers, surgical accessory spoons, spatulas, catheters, surgical kits dental etc. MIM is a technology for manufacturing complex, precision, net shape components from either metal or ceramic powder. The potential of MIM lies in its ability to combine the design flexibility of plastic injection molding and the versatility of unlimited choice of material offered by powder metallurgy.





# PROJECTS Completed

# Projects Completed

## M/s Thincr Technologies India Pvt. Ltd, Pune

### Sector: Health & Medical

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 08.07.2020 with M/s Thincr Technologies India Pvt. Ltd, Pune for implementation of their project titled "Development of low cost and more efficient masks coated with antiviral agents to protect spread and protection of Covid 19 and other viral infections" for financial assistance of ₹ 7.50 lakh against the total project cost of ₹ 27.40 lakh as a financial assistance in the COVID call for proposal.

### About the Company

M/s Thincr Technologies India Pvt. Ltd is working on 3D printing of various pharmaceutical products.

### About the Project and Product

The project envisaged for the 3D printing of anti-viral agents on the masks as a preventive measure against COVID-19. Sodium Olefin Sulfonate based mixture which is widely used in cosmetics is formulated as a coating on the mask. Sodium olefin sulfonate which is a soap forming agent has hydrophilic and hydrophobic properties when come in contact with enveloped viruses, it disrupts the outer membrane of the latter. The company could successfully establish the setup and the chemical formulation and start the production of anti-viral coated mask. In-return of the Grand in aid from TDB, the Company has distributed equivalent worth of antiviral coated masks to various Government Organizations across the country. The company could successfully complete the project on 28.02.2022.



## M/s Cocoslab Innovative Solutions Private Limited, Bangalore

### Sector: IT

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 23.09.2020 with M/s Cocoslab Innovative Solutions Private Limited, Bangalore, State Karnataka for implementation of their project title "Advanced video analytics for low-cost thermal cameras to identify persons with abnormal body temperature in public places" for Loan assistance of ₹ 275.00 lakh against the total project cost of ₹ 590.94 lakh. The project was completed on 31<sup>st</sup> July 2021.

### About the Company

M/s Cocoslabs Innovative Solutions Pvt. Ltd. is a software product development company specializing in computer vision, image processing, Artificial Intelligence (AI) and machine learning technologies. It has worked upon the video analytics platform developed indigenously to deliver accurate & actionable insights from images & videos to make surveillance more intelligent and give real-time alerts.

### About the Project and Product

The proposed project was for the development of a solution to identify persons

with elevated body temperature moving through a crowd. In the onset of rapid spread of COVID infection, there was a need for an efficient method to screen symptomatic people when in public places, primarily through detecting elevated body temperature of a person. The product developed using TDB's assistance can detect body temperature using AI technology and thermal cameras for multiple people at a time, in free flow condition, ideal for locations with crowd at arrival and departure of airports, railway stations, bus stands, government offices, hospitals or any other entry exit points where mass movement is there. The system can also provide an alert system to notify about identified person to any number of authorities on their phones and laptops.

The total investment of the project was assessed to ₹ 590.94 Lakhs and TDB had sanctioned Term loan aggregating to ₹275.00 Lakhs. M/s Cocoslabs Innovative Solutions Private Limited has completed the project and commenced commercial operation from 1<sup>st</sup> August 2021.



## M/s Evobi Automations Pvt. Ltd, Bangalore

### Sector: Health & Medical

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 25.09.2020 with M/s Evobi Automations Pvt. Ltd, Bangalore for implementation of their project titled "Portable Ultra-Violet based Box Sterilizer & Modular Movable Ultra-Violet based Indoor Room Sterilizer" for financial assistance of ₹ 15.00 lakh against the total project cost of ₹ 35.50 lakh.

### About the Company

The company is working on the next generation of products and software to keep close pace with technology. The Products includes software & hardware platform for kids to tinker and build any idea they have in mind. The platform domains include Robotics, Gaming, Augmented Reality (AR), Virtual Reality (VR), personal smart toys,

Language and object identification learning toys for younger kids.

### About the Project and Product

The company has entered into an agreement for commercialization of its product "Portable Ultra-Violet based Box Sterilizer & Modular Movable Ultra-Violet based Indoor Room Sterilizer". The company has developed Ultraviolet Sanitizers in two different models: one of which is portable model while other is movable. In return of the grant-in aid, the Company has distributed 450 UV sanitizer boxes to various hospitals including JJ Hospital, Mumbai, Sasson Hospital, Pune, TMC & Nair Hospital, Mumbai and also various Government schools across the country. Company has sold more than 500 UV Sanitizer boxes and is receiving orders from various organizations. The company has successfully completed the project on 31.07.2021.



## M/s QuNu Labs Pvt. Ltd., Bangalore

### Sector: IT

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 28.08.2020 with M/s QuNu Labs Pvt. Ltd., Bangalore for implementation of their project title "Commercialization Of QuNu's Quantum Technology Security Products" for Loan assistance of ₹ 280.00 lakh against the total project cost of ₹ 586.00 lakh. Project has successfully been completed on 15.06.2021.

### About the Company

M/s QuNu Labs Pvt. Ltd., Bangalore is incubated out of IIT Madras (IITM). The Company is in the Quantum Security Technology space and is engaged in the development of security products based on quantum technologies. The initial platforms include a Quantum Key Distribution (QKD) system and Quantum Random Number (QRNG).

### About the Project and Product

Quantum Key Distribution (QKD) is a technology by which one can exchange a key for encryption between two ends

of a communication link with safety ensured by laws of quantum mechanics. The key exchange process is done on a separate fiber channel called the Quantum Channel, on which the information is sent in the form of encoded Quantum bits or "qubits". Generally, encoded photons are used and since the intensity is low, only a few of them reach the other end. Thereafter, by a process of handshaking between the two sides, done via the "classical" channel, both sides arrive at a common, sifted key. This further goes through a process of error correction and privacy amplification to further enhance its secrecy.

Such a key, derived by this sifting process is deemed to be "unconditionally secure" or in other words, even if an adversary has any amount of physically permissible computational power, he would not be able to discern the key. If an adversary tries to eavesdrop on the communication link, he will either be detected or unable to acquire adequate information and this fact is guaranteed by the principles of Quantum Physics. QuNu has successfully interfaced the QKD platform with routers encryptors/proprietary equipment of several large OEM's and PSU's which supply encryption solutions to Indian Defense establishments.



## M/s Biogen Fertilizers India Pvt Ltd, Salem, Tamil Nadu

### Sector: Agriculture

Technology Development Board (TDB) has entered into an agreement on 15.03.2019 with M/s Biogen Fertilizers India Pvt Ltd, Salem, Tamil Nadu for implementation of their project title "Commercial production of encapsulated multinutrient granulation/ pelletization of organic manure with bio NPK (liquid), bio control microbes, HUMIC, VAM, enzymes, immune modulators and Trace elements (zinc, boron, molybdenum, manganese and iron)" for Loan assistance of ₹ 460.00 lakh against the total project cost of ₹ 1027.00 lakh.

### About the Company

M/s Biogen Fertilizers India Private Limited is involved in Manufacturer & Supplier of Low Price Organic Fertilizer in Salem, Tamil Nadu, India. They offered products that are formulated by utilizing high grade material and sophisticated technology.

### About the Project and Product

This project aims to combine the goodness of organic manure and biomolecules (biofertilizers/bio pesticides, probiotic microbes/ enzymes/immune modulators

etc.) through the process of granulation coating and encapsulation. The objective of the project is to commercialize granulation/palletisation technology developed by TNAU, Tamil Nadu and encapsulation of liquid NPK technology developed by NCOF, Ghaziabad. The encapsulated bio granules are an "All in one Bio Product" containing organic manure, biofertilizers, biopesticides humic, immune modulators and trace elements. This bioproduct supplies major and micronutrients besides disease and nematode resistance to crops.

The total investment of the project was assessed to ₹ 1027.00 lakh and TDB had sanctioned Term loan aggregating to ₹ 460.00 lakh. M/s Biogen Fertilizers India Pvt Ltd, Salem, Tamil Nadu has completed the project on 31.07.2021.



### M/s Panacea Medical Technologies Pvt. Ltd., Bangalore

Technology Development Board entered into an agreement on October 06, 2016 for "Commercialization & Setting-up of Manufacturing Line for Indigenous Medical LINAC" for a loan assistance of ₹ 740.00 lakh at a project cost of ₹ 1930.36 lakh & entered into a Supplementary Agreement dated August 30, 2019 for an additional loan assistance of ₹ 500.00 lakh for "Indigenous Manufacturing of LINAC Tube (A Critical Component of medical LINAC) at a project cost estimated at ₹ 1953.00 lakh, under the existing project of Medical LINAC.

Panacea Medical Technologies is pioneer medical equipment manufacturer producing state-of-art innovations and solutions for cancer therapy, with core expertise in radiotherapy. Since its inception, Panacea has been into development of several products in technical collaboration with esteemed Government of India R&D institutions – Bhabha Atomic Research Centre (BARC) under Department of Atomic Energy (DAE), Society for Applied Microwave Electronic Engineering and Research (SAMEER) and Tata Memorial Centre (Mumbai).

Panacea with TDB's financial assistance has developed a Linear Accelerator – "Siddharth II with advanced features of stereotactic imaging & advanced delivery techniques viz. IMRT, IGRT, VMAT and SBRT", a "Make in India" product which has played an important role in making

India 'self-reliant'. With the development of India's first ring gantry based Linear Accelerator, Panacea aims to make cancer treatment affordable in India and in rest of the countries.

Siddharth II, a highly advanced dual modality system is capable of delivering 6MV photons and 6MeV electrons, which is designed to enable the clinicians to deliver high end treatments while ensuring the patient safety and comfort. Siddharth II is a modern SBRT linear accelerator capable of delivering precision radiotherapy with 6MV photons. The ring gantry based Siddharth II contain a beam stopper, minimizing shielding requirements and in turn reducing the cost of the bunker construction. Siddharth II has a wide bore of 1.5m which allows the users to place the largest of immobilization devices without the risk of collision.

M/s Panacea Medical Technologies Pvt. Ltd. has completed the project on July 31, 2021 and with the current compliance to IEC, CE Marking and USFDA (510k) clearance, the product Siddharth II is ready for commercial global marketing. Repayment of the loan started since January 2020.



**M/s Mylab Discovery Solutions Pvt. Ltd., Pune, Maharashtra**

**Sector: Health & Medical**

Technology Development Board (TDB) entered into an agreement on May 22, 2020 with M/s Mylab Discovery Solutions Pvt. Ltd., Pune, Maharashtra for implementation of project titled "Manufacturing of Testing Kits to detect Covid Corona Virus" for Grant assistance of ₹ 400 lakh against the total project cost of ₹ 1360 lakh. The company has completed the project on October 05, 2021 and commenced commercial operation from October 06, 2021 with TDB funding of ₹ 100 lakhs.

**About the Company**

M/s Mylab Discovery Solutions Pvt. Ltd., Pune, Maharashtra provides a portfolio of diagnostic kits for pathogen detection and

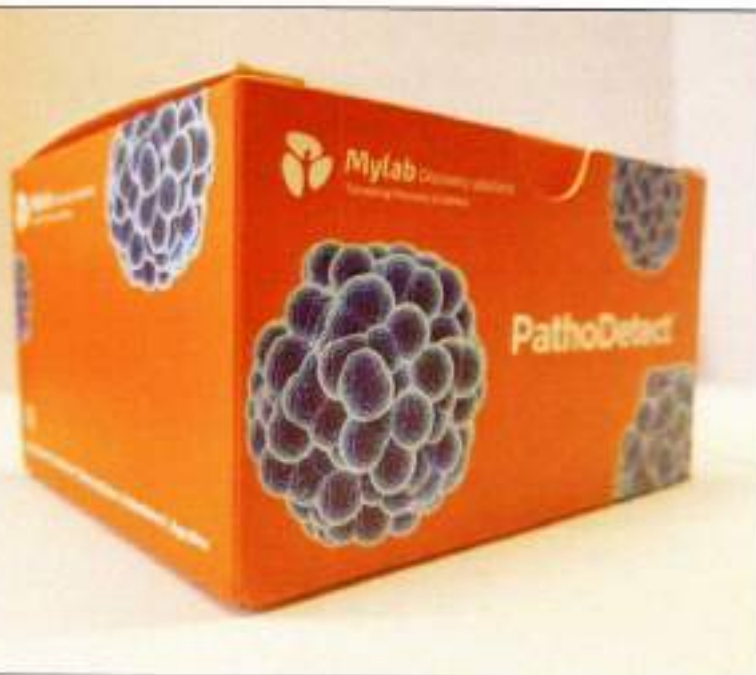
viral load monitoring. The company was the first to receive license to manufacture, Kit for Detection of Novel Corona virus 2019-n COV/SARS-COV-2 from clinical samples.

**About the Project and Product**

The company made innovations around the well-known RT PCR technology to use it for commercialisation in India. The company has made the technology affordable to common man of India in a crisis situation. Mylab Discovery Solutions Patho Detect™ COVID-19 Q qualitative PCR kit is an invitro RT PCR assay for the invitro qualitative detection and discrimination of 2019-Novel Corona virus (2019-nCoV) in respiratory specimens and sera. The 2019-nCoV primer and probe sets are designed for the universal detection of SARS like corona virus and for specific detection of 2019-nCoV using E gene for screening and RdRO gene for confirmation based on Berlin protocol in a single test.

It was the first Indian company to get approval from ICMR and clearance from DCGI to manufacture kits for detection of Corona virus.

With TDB assistance, the company planned to develop a setup for manufacturing 4000 kits a day (4 lakh test a day) by bringing in automation machines in the process. The company has created a capacity of approximately 10 lakh tests per day as against 4 lakh tests envisaged.



## Promotional Activities

### ETHealthworld.com Innovation & Intelligent Healthcare Summit

06<sup>th</sup> August, 2021

Technology Development Board extended government support to ETGovernment for ETHealthworld.com Innovation & Intelligent Healthcare Summit held on 06<sup>th</sup> August, 2022. The summit aimed at bringing the complete healthcare ecosystem and adjacent stakeholders

together to envisage the road ahead for India's healthcare.

The event threw light on humble contributions made by TDB in the Healthcare Sector.

2nd Edition

Healthworld.com  
**Innovation & Intelligent Healthcare Summit 2021**  
Technological Disruption in Indian Health & Pharma

In association with  
ETGovernment.com

**Welcoming Our Supporting Partner**

TECHNOLOGY DEVELOPMENT BOARD  
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

August 06, 2021

#ETHGIHS

## 25<sup>th</sup> Foundation Day, TDB

1<sup>st</sup> September, 2021

TDB celebrated 25<sup>th</sup> Foundation Day, marking 25 years of enabling technology commercialization. The event was graced by Union Minister of State (Independent Charge) Science & Technology, Dr Jitendra Singh and stalwarts of S&T ecosystem in the country namely Dr. VK Saraswat, Member, NITI Aayog, Dr. Shekhar C Mande, Secretary, DSIR and Director General, CSIR, Smt. Renu Swarup, Secretary DBT & DST, Shri Rajesh Kumar Pathak, IP&TAFS, Secretary, TDB and Prof. Ashutosh Sharma, former Secretary, Department of Science and Technology.

Prof. K VijayRaghavan, Principal Scientific Adviser, Government of India participated through virtual medium. Dr Krishna

Ella, Chairman and Managing Director, Bharat Biotech and young entrepreneur Ms Akshata Kari, Co-founder and COO, Coco lab also addressed the event in person. Whereas, Dr. Kiran Majumdar Shaw, Founder, Biocon India Limited and Dr KL Varaprasad Reddy, Founder, Shantha Biotech addressed the occasion via virtual medium.

The ceremony also marked the launch of a special report on 26 signature companies and technologies financially supported by TDB. The report features successful case studies of signature companies and projects highlighting key Science & Technology developments over the years.



## APAC 2<sup>nd</sup> HealthTech Innovation Conclave

07<sup>th</sup> Sep, 2021

Technology Development Board joined hands with 2<sup>nd</sup> Edition of APAC HealthTech Innovation Conclave 2021 as Government Supporter. Secretary, TDB, Sh. Rajesh Kumar Pathak addressed the inaugural session of 2nd HealthTech Innovation

Conclave organised by APAC News Network.

The event highlighted TDB's humble contribution to Health Ecosystem of the country during the pandemic to make sure low cost, scalable innovations.



## 2<sup>nd</sup> Global Artificial Intelligence Summit & Awards, 2021

28<sup>th</sup>-29<sup>th</sup> Sep, 2021

Secretary, TDB, Sh. Rajesh Kumar Pathak addressed the valedictory session of 2<sup>nd</sup> Global Artificial Intelligence Summit & Awards, 2021 organised by All India Council for Robotics and Automation. The event was also graced by Sh. Rao Inderjeet Singh, Minister of State (Independent Charge) for Statistics and Programme Implementation.

In his key note address, Sh. Pathak emphasised on the need for responsible artificial intelligence in the future & are ready to support such technologies at TDB.

The event contributed to the development of Artificial Intelligence and Robotics sector. TDB showcased the projects funded in the sector.



## Shiv Nadar University's 'IdeaXchange' Startup Conference

23<sup>rd</sup> October 2021

Secretary, TDB, Sh. Rajesh Kumar Pathak attended Atal Incubation Centre & Shiv Nadar University's 'IdeaXchange' Startup Conference on October 23, 2021 as 'Guest of Honor'. He kept his views on Startup Ecosystem of the country and TDB's proactive approach towards Technology

Startups note address at the award ceremony.

The event facilitated TDB to interact with budding innovators and future entrepreneurs looking at support from the Government.



**Meeting with Principal Scientific Advisor to Govt. of India.**

12<sup>th</sup> November, 2022

Sh. Rajesh Kumar Pathak, Secretary, Technology Development Board called on Prof. K VijayRaghavan Principal Scientific

Adviser to GoI to discuss the new initiatives and strategies for galvanizing startup ecosystem and role of TDB therein.



## C-DOT's Workshop on "Exploiting the potential of Indian Telecom together - The Way Forward"

2<sup>nd</sup> December 2021

TDB participated in the workshop on "Exploiting the potential of Indian Telecom together - The Way Forward" organised by C-DOT. The workshop was aimed at bringing stakeholders together on a common platform for understanding weaknesses and strengths of the

ecosystem by focusing on manufacturing/startup ecosystem to develop technologies in the country.

TDB presented about its various functions and mandate that can help galvanize the technology ecosystem.



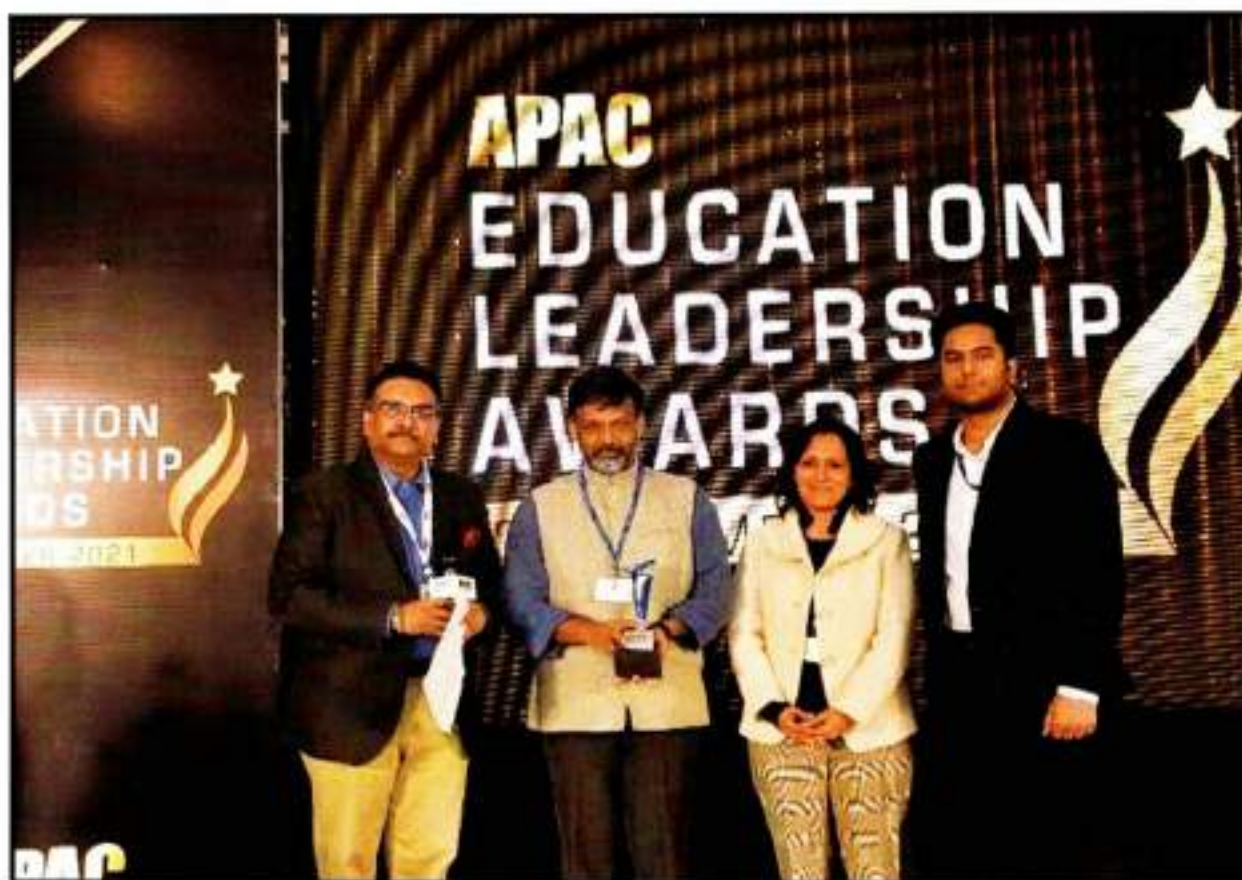
### 3<sup>rd</sup> Edition of APAC Global Education Leadership Awards

3<sup>rd</sup> December 2021

During an event at 3<sup>rd</sup> Edition of APAC Global Education Leadership Awards 2021, TDB was applauded as "The unsung heroes of DST" and presented APAC Global Education Leadership Awards 2021 for their contribution in the commercialization

of indigenized technology.

The event commended the efforts of TDB towards commercialization of indigenized technologies.



## India International Science Festival

10<sup>th</sup> -13<sup>th</sup> December 2021

TDB participated at the India International Science Festival and showcased its signature projects & success stories to inspire young minds.

The event provided the opportunity to TDB in exploring potential projects from 'Goa'.



## 8<sup>th</sup> Annual General Body Meeting of Tamil Nadu Technology Development and Promotion Centre (TNTDPC).

17<sup>th</sup> December, 2021

Sh. Rajesh Kumar Pathak, Secretary, TDB as Ex-Officio President of Tamil Nadu Technology Development and Promotion

Centre (TNTDPC), chaired the 8<sup>th</sup> Annual General Body meeting of TNTDPC held in Chennai, Tamil Nadu.



## 14<sup>th</sup> Annual Conference of ISBA

9 - 11<sup>th</sup> Jan, 2022

Technology Development Board participated in the 14<sup>th</sup> Annual Conference of Indian STEP and Business Incubator Association (ISBA), from January 09-11<sup>th</sup>, 2022 held at Chennai, Tamil Nadu. The annual conference was organized on the theme of "Rebooting The Economy - Role of Incubators."

TDB was also presented the First copy of ISBA's Special report on 'Distributed Network Incubator Model' by the Hon'ble Chief Minister of Tamil Nadu, Thiru. M. K. Stalin. TDB participated in the panel discussion on 'Startup Fund Management: Access to Financing - Opportunities, Challenges and Possibilities'.



### **Press Conference with M/s Botlab Dynamics at Hon'ble Minister's Residence**

28<sup>th</sup> January 2022

Union Minister Dr Jitendra Singh along with Secretary-TDB, Sh. Rajesh Kumar Pathak, interacted with Founders & Team Members of M/s Botlabs Dynamics prior to Botlab's 1000 drone show at the Beating

the Retreat Ceremony 2022 as part of Republic Day celebrations. India became the 4<sup>th</sup> country in the world to carry out such a large-scale drone show.

### **Felicitation of Team Botlab Dynamics by Hon'ble Minister, Dr. Jitendra Singh.**

01<sup>st</sup> February 2022

Technology Development Board felicitated Team Botlab for putting up a mesmerising show at the Beating the Retreat ceremony held on 29<sup>th</sup> January at Rajpath. The Felicitation was done by Hon'ble Union Minister of State for Science and Technology, Dr. Jitendra Singh at Mahika Hall, Prithvi Bhawan. The event was also

graced by Dr. Srivari Chandrashekhar, Chairperson, TDB.

The event felicitated the young minds behind the successful conduct of 1000 swarm drone show at Beating Retreat ceremony leaving entire nation mesmerised by their performance using Make in India drones.



## Meeting with Hon'ble Minister of Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers

15<sup>th</sup> February, 2022

Dr. Srivari Chandrashekhar, Secretary Department of Science and Technology, Government of India & Chairperson, TDB and Sh. Rajesh Kumar Pathak, IP&TAFS, Secretary Technology Development Board called on Hon'ble Minister of Health & Family Welfare and Chemicals & Fertilizers

along with senior officials, to discuss the idea of creating a synergic ecosystem between the two ministries Ministry of Health and Family Welfare, Government of India & DST-TDB for Research & Development; Commercialization of indigenous technologies.



## CSR's 9<sup>th</sup> National Summit, 2022

21<sup>st</sup> Feb, 2022

TDB participated in CSR Research Foundation's 9<sup>th</sup> National Summit, 2022. Sh. Rajesh Kumar Pathak Secretary, TDB stated that "Indigenous Technologies combating climate change & technologies essential to Green Hydrogen, Electric Vehicles & Bio Fuels are more than

welcome at Technology Development Board."

The event highlighted major challenges and explored possible opportunities to combat climate change and role of TDB therein.



## Vigyan Prasar Expo

22<sup>nd</sup> - 28<sup>th</sup> Feb 2022

Hon'ble Union Minister Dr Jitendra Singh at Technology Development Board's stall at Mega Science Expo 2022 organized by Vigyan Prasar. He also interacted with

Founders of TDB supported start-ups BotLab Dynamics, Nanoclean, Swajal & Abilities India.



**Launch of 'NASO95' Air purifier by Secretary, Technology Development Board.**

24<sup>th</sup> February, 2022

Sh. Rajesh Kumar Pathak, Secretary, Technology Development Board today launched NASO95 at IIT Delhi. The nasal filter developed by Nanoclean Global is

the World's smallest wearable air purifier, which sticks to the nose and prevents entry of harmful air pollutants.



## Industry Connect 2022 by CIPET & FICCI

25<sup>th</sup> February, 2022

TDB participated in Industry Connect 2022 organized by CIPET & FICCI in association with Department of Chemicals and Petrochemicals. Sh. Rajesh Kumar Pathak, Secretary, TDB said "With growing synergy between Technology Development Board – Department of Science and Technology, Government of India and Department of Chemicals and Petrochemicals. TDB aims to support industries engaged in indigenous production of Chemicals, making India self-reliant in the Chemical &

Petrochemicals domain".

The event also marked the presence of Dr. Mansukh Mandaviya, Hon'ble Union Minister of Health & Family Welfare and Chemicals and Fertilizers.

The event delivered the opportunity for TDB to interact with Industry players and identify 75 chemicals which can be produced in India using indigenous technologies supported by TDB.



## IIT Patna Workshop

13<sup>th</sup> - 15 March 2022

Sh. Rajesh Kumar Pathak, Secretary, Technology Development Board was one of the patrons for the 3-day workshop 'PRIEST' organised by IIT Patna. The inauguration ceremony was graced by Hon'ble Union Minister of Power,

Sh. Raj Kumar Singh along with other dignitaries.

The event turned out to be a gateway of opportunities open to young minds of IIT Patna.



### ISFA EV Summit 2022

16<sup>th</sup> March, 2022

TDB participated in the panel discussion on 'Funding Opportunities in the EV Sector' at EV Summit and Conference organized by ISFA and Franchise India.

The event allowed TDB explore innovations in the EV sector and meeting major market players like Hero, Mahindra etc.



### 'Bloomeday' Annual Day Celebrations of Blume Venturers Limited

23<sup>rd</sup> March, 2022

TDB participated at the Annual Day Celebrations of Blume Ventures 'Blumeday' at Mumbai.

## AIPMA Plastic International Conference, Mumbai

24<sup>th</sup> March, 2022

TDB participated in AIPMA Sh. Rajesh Kumar Pathak, Secretary, Technology Development Board in his key note address at AIPMA's International Conference on Innovations in Plastic Industry held at Mumbai said, "The plastic industry is an

unexplored vertical for TDB. I would urge all the plastic manufacturers to come up with environment friendly innovations. We, at TDB would be more than happy to support such projects."





# Administration

# Administration

## 1.0 Annual Report and Audited Accounts

Section 12 of the Technology Development Board Act, 1995, prescribes that the Board shall prepare its annual report, giving a full account of its activities during the previous financial year. As per section 13(4) of the Technology Development Board Act, the Board has to furnish to the Central Government, its audited copy of accounts together with auditor's report.

The Annual Report, including audited copy of the Annual Accounts of the Technology Development Board for the year 2020-21 was laid before Lok Sabha and Rajya Sabha on 15.12.2021 and 16.12.2021 respectively.

## 2.0 Joining of the new Incumbents

### 2.1 Chairperson, TDB

Dr. Srivari Chandrasekhar took over the charge of Secretary, DST and the Chairperson, TDB on 14.12.2021. Dr. Chandrasekhar, the former Director of the Indian Institute of Chemical Technology (IICT) is a renowned synthetic organic chemist and has made significant contributions in diverse areas of organic chemistry

with special emphasis on chiral chemistry, total synthesis of biologically active natural products and pharmaceutical products

### 2.2 Secretary, TDB

Shri Rajesh Kumar Pathak has joined the Board as Secretary on deputation basis w.e.f. 26.07.2021. He is a 1995 batch Civil Service Officer of IP&TAFS Cadre. Prior to joining TDB, he was holding the charge of Member (Finance) in Inland Waterways Authority of India (IWAI), a statutory body under Ministry of Port, Shipping & Waterways, Govt. of India.

## 3.0 Implementation of Official Language

### 3.1 Celebration of Hindi Pakhwada

With a view to ensure compliance of the constitutional provisions regarding official language, TDB has been encouraging the usage of Hindi in all official communication. Hindi Pakhwada / Hindi Diwas was celebrated in the month of September, 2021, wherein various competitions such as Shrutilekh, Essay writing, Poetry, Speech, Translation etc. were organized.



### 3.2 Participation in Conference/ Seminar (Hindi)

TDB participated in Two-Days All India Official Language Conference held on 13<sup>th</sup>-14<sup>th</sup> November, 2021 at Varanasi (UP) organized by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, tGovt. of India.



### 4.0 Implementation of e-Office

To have a dynamic workflow and to track document in various stages, this year TDB implemented e-office from September 2021 onwards.

## 5.0 25<sup>th</sup> Foundation Day of TDB on 1<sup>st</sup> September, 2021

TDB celebrated 25<sup>th</sup> year of its foundation on 1<sup>st</sup> September, 2021. The event marked the presence of Dr. Jitendra Singh, Hon'ble Minister of State for Science & Technology (Independent Charge), Prof. K. VijayRaghavan, Principal Scientific Adviser to



Govt. of India (Virtual), Dr. V. K. Saraswat, Member, NITI Aayog, Dr. Renu Swarup, Secretary, Department of Science & Technology (Additional Charge), Prof. Ashutosh Sharma, Former Secretary, Department of Science & Technology, Dr. Krishna Ella, Founder, Bharat Biotech, Dr. K. I. Varaprasad Reddy, Founder, Shantha Biotech, Dr. Kiran Mazumdar Shaw, Chairperson, Biocon Limited & Ms. Akshara, Co- Founder, Coco Labs. At the event, Hon'ble Minister unveiled TDB's Special Report on Signature Companies funded by TDB.

## 6.0 Observance of Vigilance Week

To achieve corruption free governance, Central Vigilance Commission (CVC) is committed to implement the policy of 'Zero Tolerance against Corruption'. For the year 2021, the Commission decided to observe Vigilance Awareness Week from 26<sup>th</sup> October to 01<sup>st</sup> November 2021 with the theme "स्वतंत्रभारत@ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता; **Independent India @75: Self Reliance with Integrity**".

In order to reinforce the motto of corruption free organization, TDB observed Vigilance Week from 26<sup>th</sup> October to 01<sup>st</sup> November 2021, which started with Integrity Pledge being taken by all the Officers and Staff Members. During the week various competition such as Quiz, Debate, Speech, Essay Writing and Slogan Writing were also organized. Most of the staff member of TDB participated in the competition with zeal and enthusiasm.



# ANNUAL STATEMENT



# Annual Statement of Audited Accounts for the Year 2021-22

## Technology Development Board Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

	Schedule	Current Year	Previous Year
<b>CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES</b>			
Corpus/Capital Fund	1	17,40,71,93,645	15,68,59,44,667
Reserves and Surplus	2	-	-
Earmarked/Endowment Funds	3	8,84,13,834	8,60,24,859
Secured Loans and Borrowings	4	-	-
Unsecured Loans and Borrowings	5	-	-
Deferred Credit Liabilities	6	-	-
Current Liabilities and Provisions	7	47,54,98,342	73,68,10,769
<b>Total</b>		<b>17,97,11,05,821</b>	<b>16,50,87,80,295</b>
<b>Assets</b>			
Fixed Assets	8	86,87,216	84,95,873
Investment-from Earmarked/Endowment Funds	9	65,99,000	65,99,000
Investments-others	10	1,02,13,25,900	1,16,63,34,106
Current Assets, Loan, Advances etc.	11	16,93,44,93,705	15,32,73,51,316
Miscellaneous Expenditure (to the extent not written off or adjusted)		-	-
<b>Total</b>		<b>17,97,11,05,821</b>	<b>16,50,87,80,295</b>
Significant Accounting Policies	24	-	-
Contingent Liabilities and Notes on Accounts	25	-	-

-sd-  
**(Rajesh Jain)**  
Director  
Technology Development Board

-sd-  
**(Rajesh Kumar Pathak)**  
Secretary  
Technology Development Board

-sd-  
**(Dr. Srivari Chandrasekhar)**  
Chairperson  
Technology Development Board

**Technology Development Board**  
Income and Expenditure Accounts for the Year Ended 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

	Schedule	Current Year	Previous Year
<b>INCOME</b>			
Income from Sales/ Services	12		
Grants / Subsidies	13	1,25,06,13,703	11,56,38,978
Fees/ Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Invest. From earmarked/endow)	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.	16	31,85,321	35,09,803
Interest Earned	17	60,93,72,130	60,00,36,912
Other Income	18	5,76,10,361	35,78,35,993
Increase / (decrease) in stock of Finished goods and works-in-progress	19		
<b>TOTAL (A)</b>		<b>1,92,07,81,515</b>	<b>1,07,70,21,686</b>
<b>EXPENDITURE</b>			
Establishment Expenses	20	4,51,35,103	3,66,06,098
Other Administrative Expenses etc.	21	11,50,81,763	3,26,45,669
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22	-	12,05,791
Interest	23	-	-
Depreciation (Net Total at the year-end - corresponding to Schedule -8)		24,48,029	14,32,703
<b>TOTAL (B)</b>		<b>16,26,64,895</b>	<b>7,18,90,260</b>
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		1,75,81,16,620	1,00,51,31,426
Prior Period Adjustments		(3,68,67,642)	(44,24,641)
Provision for impairment of investments			
Transfer to General Reserve		-	-
<b>Balance Being Surplus Carried to Corpus Fund</b>		<b>1,72,12,48,978</b>	<b>1,00,07,06,785</b>
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

-sd-  
**(Rajesh Jain)**  
Director  
Technology Development Board

-sd-  
**(Rajesh Kumar Pathak)**  
Secretary  
Technology Development Board

-sd-  
**(Dr. Srivari Chandrasekhar)**  
Chairperson  
Technology Development Board

**Technology Development Board**  
**Receipts and Payments Accounts for the Year Ending 31<sup>st</sup> March 2022**

(Amount in Rupees)

		Current Year	Previous Year
<b>Opening Balance</b>			
i)	Investment in short term deposits	1,66,99,00,000	56,99,00,000
ii)	Cash in hand	22,149	34,976
<b>Cash at Bank</b>			
a)	Bank Balance	1,49,62,29,986	1,26,10,21,180
b)	Bank Balance- DFID INVENT	7,94,25,859	3,97,52,776
<b>Fund for Technology Development &amp; Application</b>			
i)	TD Fund	1,25,00,00,000	10,00,00,000
ii)	Fund for Fighting COVID-19 (loan returned with interest)	5,07,603	-
iii)	Interest on short term deposits	5,48,39,937	4,23,09,523
iv)	Interest on loans	45,05,50,006	18,08,99,609
v)	Interest on IT Refund	8,679	
vi)	Interest on royalty	1,04,092	2,16,794
vii)	Interest on Grants	-	14,78,533
viii)	Repayment of loans	2,19,84,24,479	96,47,10,885
ix)	Royalty	31,85,321	35,09,803
x)	Donations	4,00,000	2,00,000
xi)	Unspent Grant received Back	6,13,703	1,56,38,978
xii)	Interest on saving accounts (including EPF A/c)	6,19,40,100	1,79,99,301
xiii)	Income/Profit recd from VCF Fund	5,71,56,361	36,60,29,271
xiv)	Sitting Fees	54,000	-
xv)	Income tax recoverable	1,02,151	-
xvi)	Duties recovered- payable	3,80,913	-
xvii)	Miscellaneous receipts	1,389	32,399

		Current Year	Previous Year
xviii)	Advance to staff	1,72,952	-
xix)	Asset realisation	1,07,900	12,399
xxi)	Multi sector Seed fund	-	9,61,39,030
xxii)	UTI _Ascent Indina Fund	-	-
xxiii)	RVCF	-	1,17,74,229
xxiv)	GVFL	-	-
xxv)	Equity realisation	5,91,21,375	7,02,64,200
xxvi)	SIDBI Venture Fund	3,57,02,362	2,25,23,262
xxvii)	Indian fund for Sustainable Energy (CIIE)	1,66,68,253	77,66,033
xxviii)	IvyCap Venture Trust Fund-1	2,62,37,709	1,57,41,937
xxix)	APIDC Venture Fund	-	39,60,314
xxvii)	SEAF India Fund	79,67,336	11,21,514
xxviii)	Security Deposit & Advance to staff recovered	8,67,280	93,085
xxix)	DFID Invent receipt for Project	-	3,76,96,231
xxx)	DFID Invent savings interest	23,89,046	19,76,923
	<b>Total</b>	<b>7,47,30,80,941</b>	<b>3,83,28,03,186</b>

-sd-  
**(Rajesh Jain)**  
Director  
Technology Development Board

-sd-  
**(Rajesh Kumar Pathak)**  
Secretary  
Technology Development Board

-sd-  
**(Dr. Srivari Chandrasekhar)**  
Chairperson  
Technology Development Board

**Technology Development Board**  
**Receipts and Payments Accounts for the Year Ending 31<sup>st</sup> March 2022**

(Amount in Rupees)

		Current Year	Previous Year
<b>Establishment Expenses</b>			
i)	Salaries	4,25,99,977	3,56,72,789
ii)	Travel Expenses (Domestic)	18,06,270	13,58,457
iii)	Uniform	10,000	-
iv)	Staff welfare expenses & OTA	82,593	1,11,023
v)	Medical Expenses	6,68,658	5,06,052
vi)	Pension Contribution for Deputationist	-	-
<b>Office Expenses</b>			
i)	Telephone / Telex	32,70,010	19,23,299
ii)	Postage stamps	32,201	37,310
iii)	Petrol, Oil, Lubricants	73,885	19,487
iv)	Repairs & Maintenance	15,05,749	25,24,758
v)	Consumable Stores & Printing	33,26,553	6,59,099
vi)	Newspapers & Magazines	80,894	-
vii)	Entertainment & Hospitality	4,96,131	86,601
viii)	Meeting Expenses	2,88,749	2,31,719
ix)	Advertisement & Publicity	58,03,290	44,20,269
x)	Technology Day Expendiutre	28,46,182	18,94,259
xi)	Miscellaneous Expenses	14,81,380	7,69,525
xii)	Library Books & Journals	8,560	-
xiii)	Legal Charges	20,60,790	34,95,859
xiv)	Asset Management Charges	11,80,000	29,74,302
xv)	TA / DA to Experts	13,61,479	2,85,667
xvi)	Honorarium to experts	21,78,092	46,28,073
xvii)	Membership Fees	23,600	47,200
xviii)	Management Fees	24,40,000	-
xix)	Rent	25,53,666	68,28,548
xx)	Remittance of recoveries to other deptts.	-	-
xxi)	Interest & TDS	2,767	-
xxii)	National Award	6,65,00,000	-

		Current Year	Previous Year
xxiii)	Advances Others	-	40,453
xiv)	Duties & Taxes		1,12,088
xxv)	Foundation Day	26,58,525	
xxvi)	Water & Electricity	2,30,664	3,71,929
<b>Board Expenses</b>			
i)	TA / DA to Members	1,43,031	9,308
ii)	Fee and Board Meeting Expenses	1,46,566	-
<b>Capital Expenditure</b>			
i)	Assets purchase	29,15,885	32,63,343
<b>Disbursements</b>			
i)	Loans	12,48,50,000	47,56,85,000
ii)	Grants	-	12,05,791
iii)	Interest on Grant paid	-	-
iv)	Loan released under Covid-19 Grant	25,63,00,000	2,12,00,000
v)	Grant for Covid	78,00,000	1,39,38,000
vi)	SEAF India Agribusiness Fund	-	-
vii)	Indian fund for Sustainable Energy (CIIE)	6,88,829	10,89,645
viii)	DFID INVENT Project Expenditure	-	-
ix)	DFID INVENT Bank Charges	71	71
x)	Advance to Others	9,09,990	
xi)	Other Expenses payable		18,35,268
<b>Closing Balance</b>			
i)	Investment in short term deposits	4,66,99,00,000	1,66,99,00,000
ii)	Cash in hand	26,438	22,149
	Cash at Bank		
a)	Bank Balance (including EPF A/c)	2,18,20,14,632	1,49,62,29,986
b)	Bank Balance- DFID INVENT	8,18,14,834	7,94,25,859
	<b>TOTAL</b>	<b>7,47,30,80,941</b>	<b>3,83,28,03,186</b>

-sd-  
**(Rajesh Jain)**  
Director  
Technology Development Board

-sd-  
**(Rajesh Kumar Pathak)**  
Secretary  
Technology Development Board

-sd-  
**(Dr. Srivari Chandrasekhar)**  
Chairperson  
Technology Development Board

**Technology Development Board**  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

<b>SCHEDULE-1: CORPUS/CAPITAL FUND:</b>				
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>	
Balance as at the beginning of the year	15,68,59,44,667			14,68,52,37,882
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund	-		-	-
Add : Balance of net income transferred from the Income and Expenditure Account [refer to Note No 25 (11)]	1,72,12,48,978			1,00,07,06,785
<b>Balance as at the Year-End</b>		<b>17,40,71,93,645</b>		<b>15,68,59,44,667</b>

<b>SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS:</b>				
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>	
<b>1. Capital Reserve:</b>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deductions during the year	-	-	-	-
<b>2. Revaluation Reserve:</b>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
<b>3. Special Reserves:</b>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deduction during the year	-	-	-	-
<b>4. General Reserve:</b>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deduction during the year				
<b>TOTAL</b>	-	-	-	-

**Technology Development Board**  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 3- EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS				
LIABILITIES	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
<b>A. VCF of IDBI</b>				
1. Contribution received by IDBI from Government of India		28,84,00,000		28,84,00,000
<b>Income from Investment</b>				
a. Interest	13,31,47,041		13,31,47,041	
b. Royalty	5,51,97,900		5,51,97,900	
c. Dividend	86,23,794		86,23,794	
d. Accrued income Less waivers	2,38,80,81,913		2,388,081,913	
	<b>2,58,50,50,648</b>		<b>2,58,50,50,648</b>	
Less : Amount transferred to TDB	21,25,00,000		21,25,00,000	
	<b>2,66,09,50,648</b>		<b>2,66,09,50,648</b>	
Less: Excess Royalty recd. Earlier adjusted towards principal	11,250,000		11,250,000	
	<b>2,649,700,648</b>		<b>2,649,700,648</b>	
Less : Loans written off	4,36,36,450		4,36,36,450	
Less : Loss on sale of Investment	26,76,250		26,76,250	
	<b>2,60,33,87,948</b>		<b>2,60,33,87,948</b>	
Less : Provision on loan	8,32,79,357		8,32,79,357	
Less : Provision on interest & FILD	2,38,80,81,913		2,38,80,81,913	
Less: Audit Fees & other Expenses	18,32,324		18,32,324	
Less : Management fees to IDBI	15,71,80,000		15,71,80,000	
Less: Diminution in value of investment	26,26,000	(2,96,11,646)	26,26,000	(2,96,11,646)
		(2,96,11,646)		(2,96,11,646)
*Amount receivable from TDB (31.03.2019)		3,62,10,646		3,62,10,646
		<b>65,99,000</b>		<b>65,99,000</b>
<b>B. Innovative Ventures for Technology Development (INVENT) - DFID</b>		<b>8,18,14,834</b>		<b>7,94,25,859</b>
<b>TOTAL</b>		<b>8,84,13,834</b>		<b>8,60,24,859</b>

**\*Note:**

1. Due to non performance of the fund, the amount of management expenses claimed by IDBI has been disputed by TDB
2. Amount of ₹ 3,62,10,646/- has been claimed by IDBI as payable by TDB as per their last audited balance sheet for the year ended 31.03.2019. The said amount has arisen due to high management fees charged by IDBI which is disputed by TDB. TDB does not acknowledge the payment of said amount pending resolution of said amount.

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 4- SECURED LOANS AND BORROWINGS:				
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)	-	-	-	-
3. Financial Institutions				
a) Term Loans				
b) Interest accrued and due	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest accrued and due				
b) Other Loans(Specify)				
- Interest accrued and due	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
<b>TOTAL</b>	-	-	-	-
Note : Amounts due within one Year				

SCHEDULE 5- UNSECURED LOANS AND BORROWINGS				
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1. Central Government	-	-	-	-
2. State Government (Specify)				
3. Financial Institutions	-	-	-	-
4. Banks:				
a) Terms Loans	-	-	-	-
b) Other Loans (Specify)	-	-	-	-
5. Other Institutions and Agencies	-	-	-	-
6. Debentures and Bonds	-	-	-	-
7. Fixed Deposits	-	-	-	-
8. Others (Specify)	-	-	-	-
<b>TOTAL</b>	-	-	-	-
Note: Amounts due within one Year				

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

<b>SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES</b>				
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>	
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Others				
<b>TOTAL</b>				
<b>Note :</b> Amounts due within one year				

<b>SCHEDULE 7- CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS</b>				
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>	
<b>A. CURRENT LIABILITIES</b>				
1. Grant in aid "Fighting COVID-19"	71,48,62,000		75,00,00,000	
Less: Utilised towards grant	78,00,000		1,39,38,000	
Less: Utilised towards Loan under COVID-19 Fund ( FY 21-22)	25,63,00,000		2,12,00,000	
Add: Unutilised grant received	5,07,603	45,12,69,603	-	71,48,62,000
2. Sundry Creditors				
a) For Goods	-			
b) Others	-	-		
3. Security Received				
4. Interest accrued but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-		
5. Statutory Liabilities				
a) TDS	6,00,647		2,80,049	
b) GST	88,344		28,029	
c) GPF payable				
d) EPF payable	4,29,453	11,18,444	3,23,094	6,31,172
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputationist				
b) Audit fee payable	5,49,839			4,69,839
c) Pending Adjustment		5,49,839		
d) others				
<b>TOTAL (A)</b>		<b>45,29,37,886</b>		<b>71,59,63,011</b>
<b>B. PROVISIONS</b>				
1. Gratuity	25,00,378			21,39,484
2. Salary Payable	25,86,971			16,91,054
3. Legal charges payable	-			-
4. National Award Payable	1,70,00,000			1,70,00,000
5. Rent Payable	-			17,220
6. Medical allowance Payable	4,73,107	2,25,60,456		-
<b>TOTAL (B)</b>		<b>2,25,60,456</b>		<b>2,08,47,758</b>
<b>TOTAL (A+B)</b>		<b>47,54,98,342</b>		<b>73,68,10,769</b>

Technology Development Board  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March 2022

(Amount in Rupees)

DESCRIPTION	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			NET BLOCK				
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year- end	As at the beginning of the year	Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	Sale/ Adjustments	As at 31.3.2022	As at 31.3.2021
<b>A. FIXED ASSETS:</b>											
1. LAND:											
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:											
a) On Freehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. Plant Machinery & Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. Vehicles	6,74,375	-	-	6,74,375	3,75,151	44,884	-	4,20,035	-	2,54,340	2,99,224
5. Furniture, Fixtures	50,84,975	65,887	5,55,174	45,95,688	26,20,787	2,48,369	4,58,321	24,10,835	-	21,84,853	24,64,188
6. Office Equipment	59,83,442	11,14,694	12,79,815	58,18,321	33,12,582	4,79,631	11,00,282	26,91,931	-	31,26,390	26,70,860
7. Computer/ Peripherals	28,28,590	17,35,304	5,13,713	40,50,181	25,94,691	5,44,064	5,13,585	26,25,170	-	14,25,011	2,33,899
8. Electric Installations	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. Library Books	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. Software (Pms)*	7,18,904	-	-	7,18,904	5,15,551	81,341	-	5,96,892	-	1,22,012	2,03,353
11. E Office- Software	27,62,474	-	-	27,62,474	1,38,124	10,49,740	-	11,87,864	-	15,74,610	26,24,350
12. Other Fixed Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>Total of Current Year</b>	<b>1,80,52,760</b>	<b>29,15,885</b>	<b>23,48,702</b>	<b>1,86,19,943</b>	<b>95,56,886</b>	<b>24,48,029</b>	<b>20,72,188</b>	<b>99,32,727</b>	<b>-</b>	<b>86,87,216</b>	<b>84,95,874</b>
<b>B. Capital Work-in- Progress</b>											
<b>Total</b>	<b>1,80,52,760</b>	<b>29,15,885</b>	<b>23,48,702</b>	<b>1,86,19,943</b>	<b>95,56,886</b>	<b>24,48,029</b>	<b>20,72,188</b>	<b>99,32,727</b>	<b>-</b>	<b>86,87,216</b>	<b>84,95,874</b>
(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)											
<b>Previous Year</b>	<b>1,48,67,697</b>	<b>32,63,343</b>	<b>78,280</b>	<b>1,80,52,760</b>	<b>81,90,063</b>	<b>14,32,703</b>	<b>65,880</b>	<b>95,56,886</b>	<b>12,399</b>	<b>84,95,874</b>	

Note:

1. During the financial year 2019-20, Depreciation on Software (Pms) was less charged by Rs 2,36,201/-. This amount has been claimed in the current year as additional depreciation.
2. Depreciation on E office Software capitalised during the year has been charged on straight line basis to amortize the full value over its 5 year life.

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

<b>SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES</b>				
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>	
a. Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets	-	-	-	-
b. Others				
<b>TOTAL</b>				
<b>Note :</b> Amounts due within one year				

<b>SCHEDULE 7- CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS</b>				
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>	
<b>A. CURRENT LIABILITIES</b>				
1. Grant in aid "Fighting COVID-19"	71,48,62,000		75,00,00,000	
Less: Utilised towards grant	78,00,000		1,39,38,000	
Less: Utilised towards Loan under COVID-19 Fund ( FY 21-22)	25,63,00,000		2,12,00,000	
Add: Unutilised grant received	5,07,603	45,12,69,603	-	71,48,62,000
2. Sundry Creditors				
a) For Goods	-			
b) Others	-	-		
3. Security Received			-	-
4. Interest accrued but not due on :				
a) Secured Loans /borrowings				
b) Unsecured Loans/borrowings	-	-		-
5. Statutory Liabilities				
a) TDS	6,00,647		2,80,049	
b) GST	88,344		28,029	-
c) GPF payable				
d) EPF payable	4,29,453	11,18,444	3,23,094	6,31,172
6. Other current Liabilities				
a) Pension contribution for deputationist				
b) Audit fee payable	5,49,839			4,69,839
c) Pending Adjustment		5,49,839		
d) others				
<b>TOTAL (A)</b>		<b>45,29,37,886</b>		<b>71,59,63,011</b>
<b>B. PROVISIONS</b>				
1. Gratuity	25,00,378			21,39,484
2. Salary Payable	25,86,971			16,91,054
3. Legal charges payable	-			-
4. National Award Payable	1,70,00,000			1,70,00,000
5. Rent Payable	-			17,220
6. Medical allowance Payable	4,73,107	2,25,60,456		-
<b>TOTAL (B)</b>		<b>2,25,60,456</b>		<b>2,08,47,758</b>
<b>TOTAL (A+B)</b>		<b>47,54,98,342</b>		<b>73,68,10,769</b>

Technology Development Board  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March 2022

(Amount in Rupees)

DESCRIPTION	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			NET BLOCK				
	Cost/ valuation As at beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/ valuation at the year- end	As at the beginning of the year	Additions during the year	On Deductions during the year	Total up to the year -end	Sale/ Adjustments	As at 31.3.2022	As at 31.3.2021
<b>A. FIXED ASSETS:</b>											
1. LAND:											
a) Freehold	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. BUILDING:											
a) On Freehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
b) On Leasehold Land	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
c) Ownership Flats/ Premises	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
d) Superstructures on Land not belonging to the entity	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. Plant Machinery & Equipment	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. Vehicles	6,74,375	-	-	6,74,375	3,75,151	44,884	-	4,20,035	-	2,54,340	2,99,224
5. Furniture, Fixtures	50,84,975	65,887	5,55,174	45,95,688	26,20,787	2,48,369	4,58,321	24,10,835	-	21,84,853	24,64,188
6. Office Equipment	59,83,442	11,14,694	12,79,815	58,18,321	33,12,582	4,79,631	11,00,282	26,91,931	-	31,26,390	26,70,860
7. Computer/ Peripherals	28,28,590	17,35,304	5,13,713	40,50,181	25,94,691	5,44,064	5,13,585	26,25,170	-	14,25,011	2,33,899
B. Electric Installations	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. Library Books	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. Software [Prms]*	7,18,904	-	-	7,18,904	5,15,551	81,341	-	5,96,892	-	1,22,012	2,03,353
11. E Office- Software	27,62,474	-	-	27,62,474	1,38,124	10,49,740	-	11,87,864	-	15,74,610	26,24,350
12. Other Fixed Assets	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
<b>Total of Current Year</b>	<b>1,80,52,760</b>	<b>29,15,885</b>	<b>23,48,702</b>	<b>1,86,19,943</b>	<b>95,56,886</b>	<b>24,48,029</b>	<b>20,72,188</b>	<b>99,32,727</b>	<b>-</b>	<b>86,87,216</b>	<b>84,95,874</b>
<b>B. Capital Work-In-Progress</b>											
<b>Total</b>	<b>1,80,52,760</b>	<b>29,15,885</b>	<b>23,48,702</b>	<b>1,86,19,943</b>	<b>95,56,886</b>	<b>24,48,029</b>	<b>20,72,188</b>	<b>99,32,727</b>	<b>-</b>	<b>86,87,216</b>	<b>84,95,874</b>
<b>(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)</b>											
<b>Previous Year</b>	<b>1,48,67,697</b>	<b>32,63,343</b>	<b>78,280</b>	<b>1,80,52,760</b>	<b>81,90,063</b>	<b>14,32,703</b>	<b>65,880</b>	<b>95,56,886</b>	<b>12,399</b>	<b>84,95,874</b>	

Note:

- During the financial year 2019-20, Depreciation on Software (Prms) was less charged by Rs 2,36,201/-. This amount has been claimed in the current year as additional depreciation.
- Depreciation on E office Software capitalised during the year has been charged on straight line basis to amortize the full value over its 5 year life.

**Technology Development Board**  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 9- INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS					
		CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR	
1.	In Government Securities	-	-	-	-
2.	Other approved Securities	-	-	-	-
3.	Shares	-	-	-	-
4.	Debentures and Bonds	-	-	-	-
5.	Subsidiaries and Joint Ventures	-	-	-	-
6.	VCF of IDBI ( Assets)	-	-	-	-
<b>Investment</b>					
(i)	Loan	8,10,04,357			8,10,04,357
	Less: Provisions	8,10,04,357			8,10,04,357
(ii)	Equity	92,25,000			92,25,000
	Less: Diminution in value of Investment	26,26,000	65,99,000		26,26,000
<b>Receivables</b>					
(i)	Interest	29,97,69,021			29,97,69,021
(ii)	FILD	2,09,06,07,789			2,09,06,07,789
		<b>2,39,03,76,810</b>	-		<b>2,39,03,76,810</b>
	Less: Provisions	2,39,03,76,810			2,39,03,76,810
	<b>TOTAL</b>		<b>65,99,000</b>		<b>65,99,000</b>

**Technology Development Board**  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 10 - INVESTMENTS-OTHERS			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
1. In Government Securities			
2. Other approved Securities			
3. Shares-Equity/ Preference participation	13,78,98,767		13,78,98,767
Less: Realisation against shares	5,91,21,375	7,87,77,392	
4. Debentures and Bonds			
5. Subsidiaries and Joint Ventures			
6. Venture Funds			
a) UTI Ascent India Fund	-		-
b) APIDC Venture Funds	20,58,25,686		
Less: Redemption	-	20,58,25,686	20,58,25,686
c) Ventureast Te Net Fund	4,41,43,882		
Less: Redemption	-	4,41,43,882	4,41,43,882
d) GVFL	1,50,000		
Less: Redemption	-	1,50,000	1,50,000
e) RVCF	9,42,38,418		
Less: Redemption	-	9,42,38,418	9,42,38,418
f) SIDBI VCF	15,17,84,923		
Add: Disbursement	-		
Less: Redemption	3,57,02,362	11,60,82,561	15,17,84,923
g) IvyCap Venture Trust Fund-1	20,11,26,404		
Add: Disbursement	-		
Add: prior period adjustment	-		
Less: Redemption	2,62,37,709	17,48,88,695	20,11,26,404
h) Multi Sector Seed Capital Fund	2,05,070		
Less: Redemption	-	2,05,070	2,05,070
i) SEAF India Agribusiness Fund	20,89,27,541		
Add: Disbursement	-		
Less: Redemption	79,67,336	20,09,60,205	20,89,27,541
j) Indian fund for Sustainable Energy (CIE)	4,99,83,415		
Add: Disbursement	6,88,829		
Less: Redemption	1,66,68,253	3,40,03,991	4,99,83,415
7. GITA	7,20,50,000		
Add: Disbursement	-	7,20,50,000	7,20,50,000
<b>TOTAL</b>		<b>1,02,13,25,900</b>	<b>1,16,63,34,106</b>

**Technology Development Board**  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC.			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
<b>A. CURRENT ASSETS:</b>			
1. Inventories:			
a) Stores and Spares			
b) Loose Tools			
c) Stock-in- trade			
i) Finished Goods			
ii) Work-in-progress			
iii) Raw Material	-	-	-
2. Sundry Debtors			
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months			
b) Others		-	-
3. Cash balance in hand (including cheques/drafts and interest)	26,438	26,438	22,149
4. Bank Balances:			
a) With Schedules Banks:			
- On Current Accounts			
- On Savings Accounts -TDB (including EPF A/c)	2,18,20,14,632		1,49,62,29,986
- On Savings Accounts- INVENT -DFID	8,18,14,834	2,26,38,29,466	7,94,25,859
b) Short term Deposits with Scheduled Banks:			
- On Deposit Accounts	4,66,99,00,000	4,66,99,00,000	1,66,99,00,000
- On Deposit Accounts INVENT-DFID			
<b>TOTAL (A)</b>		<b>6,93,37,55,904</b>	<b>3,24,55,77,994</b>

**Technology Development Board**  
Schedules Forming Part of Balance Sheet as on 31<sup>st</sup> March, 2022

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 11- CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC. (Contd.)			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
<b>B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS:</b>			
<b>1. Loans:</b>			
a) Staff			
b) Other Entities engaged in activities/ objectives similar to that of the entity	-		-
c) Loan : Assistance to industrial concerns opening	7,41,26,17,644		7,90,43,22,401
Add: During the year	13,23,50,000		47,56,85,000
Less: Repayment/Adjustment of loan	2,23,34,87,858		96,47,10,885
Less: Written Off due to settlement of accounts	-		-
Less: Transfer to Accrued Interest.	-		-
Add: Prior period Adjustments.	-		26,78,872
	<b>5,31,14,79,786</b>		<b>7,41,26,17,644</b>
Less: Provision for doubtful loan	-		-
Closing loan balance after provision		5,31,14,79,786	7,41,26,17,644
<b>2. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or of value to be received</b>			
a) Advance to staff members	6,12,072		7,78,195
b) Income tax recoverable	39,28,467		14,91,903
c) Others - Security Deposit	1,23,000		9,90,280
d) Advance with vendors	-		-
e) Others	9,67,670	56,31,209	64,509
<b>3. Income Accrued:</b>			
a) On Investments from Earmarked/ Endow. Funds			
b) On saving account	1,02,82,658		63,00,311
c) On Investments - Short Term Deposits	5,60,89,924	6,63,72,582	94,98,531
Short Term Deposits- INVENT -DFID			-
d) On Loans and Advances	4,88,28,68,242		4,88,56,24,552
Less: Unrecoverable interest written off during the year	1,23,34,116		-
Less: Transfer to loan			
Less: Prior Period Adjustments during the year	2,04,43,609		27,56,310
Add: Transfer from loan	-		-
	4,85,00,90,517		4,88,28,68,242
Less: Loan Interest Provision :	23,28,36,293		23,28,36,294
		4,61,72,54,224	4,65,00,31,948
<b>TOTAL (B)</b>		<b>10,00,07,37,801</b>	<b>12,08,17,73,322</b>
<b>TOTAL (A +B)</b>		<b>16,93,44,93,705</b>	<b>15,32,73,51,316</b>

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Income and Expenditure**  
**for the Year Ended 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

<b>SCHEDULE 12 - INCOME FROM SALES/SERVICES</b>			
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>
<b>1. Income from Sales</b>			
a) Sales of Finished Goods			
b) Sale of Raw Material			
c) Sale of Scraps	-	-	-
<b>2. Income from Services</b>			
a) Labour and Processing Charges			
b) Professional/Consultancy Services			
c) Agency Commission and Brokerage			
d) Maintenance Services (Equipment/ Property)			
e) Others (Specify)			-
<b>TOTAL</b>	-	-	-

<b>SCHEDULE 13 - GRANTS/SUBSIDIES (Irrevocable Grants &amp; Subsidies Received)</b>			
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>
1) Central Government		1,25,00,00,000	10,00,00,000
2) State Government(s)			
3) Institutions/Welfare Bodies		-	-
4) International Organisation			
5) Others- Unspent grants received back		6,13,703	1,56,38,978
<b>TOTAL</b>		<b>1,25,06,13,703</b>	<b>11,56,38,978</b>

<b>SCHEDULE 14 - FEES/SUBSCRIPTIONS</b>			
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>
1) Entrance Fees	-	-	-
2) Annual Fees/Subscriptions			
3) Seminar/Program Fees	-	-	-
4) Consultancy Fees	-	-	-
<b>TOTAL</b>	-	-	-

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Income and Expenditure**  
**for the Year Ended 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

<b>SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS</b> <b>(Income on Invest. From Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)</b>			
	Investment from Earmarked Fund		Investment - Others
	Current Year		Previous Year
1) Interest			
a) On Govt. Securities			
b) Other Bonds/Debentures			
2) Dividends			
a) On Shares			
b) On Mutual Fund Securities			
3) Rents	-	-	-
4) Other (Specify)	-	-	-
<b>Total</b>			
<b>Transferred to Earmarked/Endowment Funds</b>			

<b>SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.</b>			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
	1) Income from Royalty		31,85,321
2) Royalty Accrued			
Less: Royalty written off			-
3) <b>Others (Specify)</b>			
<b>TOTAL</b>		<b>31,85,321</b>	<b>35,09,803</b>

<b>SCHEDULE 17-INTEREST EARNED</b>			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
	1) On Term Deposits:		
a) With Scheduled Banks		10,14,31,330	4,81,24,260
b) With Non- Scheduled Banks			-
c) With Institutions			-
2) On Savings Accounts:			
a) With Scheduled Banks ( including EPF A/c)		6,59,23,836	2,42,99,612
b) With Non- Scheduled Banks			
c) Post Office Savings Accounts			-
d) Others			-
3) On Loans:			
a) Employees/Staff			
b) Loans assistance to industrial concerns		44,19,04,193	52,59,17,713
4) Interest on royalty		1,04,092	2,16,794
5) Interest on IT refund		8,679	
6) Interest on grants		-	14,78,533
<b>TOTAL</b>		<b>60,93,72,130</b>	<b>60,00,36,912</b>

Note- Tax Deducted at source to be indicated.

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Income and Expenditure**  
**for the Year Ended 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

<b>SCHEDULE 18-OTHER INCOME</b>			
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>
1) Profit on Sale/disposal of Assets:			
a) Owned assets - UTTI			
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost			
2) Profits on redemption of units		-	35,76,01,344
3) Dividend		-	-
4) Miscellaneous Income		-	4,649
5) Sitting Fees		54,000	30,000
6) Donations		4,00,000	2,00,000
7) Income from Venture Fund		5,71,56,361	-
<b>TOTAL</b>		<b>5,76,10,361</b>	<b>35,78,35,993</b>

<b>SCHEDULE 19- INCREASE/(DECREASE) STOCK OF FINISHED GOODS &amp; WORK IN PROGRESS</b>			
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>
a) Closing Stock:			
- Finished Goods			
- Work-in-progress	-	-	-
b) Less: Opening Stock			
- Finished Goods			
- Work-in-progress	-	-	-
<b>NET INCREASE/(DECREASE) [a-b]</b>	<b>-</b>	<b>-</b>	<b>-</b>

<b>SCHEDULE 20-ESTABLISHMENT EXPENSES</b>			
	<b>CURRENT YEAR</b>		<b>PREVIOUS YEAR</b>
a) Salaries and Wages		4,16,83,946	3,41,15,706
b) Allowances		24,593	29,023
c) Employer Contribution to Provident Fund		18,55,905	14,42,220
d) Uniform		10,000	-
e) Staff Welfare Expenses		58,000	82,000
f) Expenses on Employees' Retir. and terminal Benefits		-	-
g) Reimbursement of Medical Charges		11,41,765	5,06,052
h) Gratuity		3,60,894	4,31,097
<b>TOTAL</b>		<b>4,51,35,103</b>	<b>3,66,06,098</b>

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Income and Expenditure**  
**for the Year Ended 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 21-OTHER ADMINISTRATIVE EXPANSES ETC.			
		CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
a) National Award		6,65,00,000	-
b) Legal charges		20,60,790	34,95,859
c) Assets Management Fees		11,80,000	29,74,302
d) Membership fees		23,600	47,200
e) Management Fees		24,40,000	-
f) Loss on sale of assets		1,68,614	-
g) Repairs and maintenance		15,05,749	25,24,758
h) Postage & stamps		32,201	37,310
i) Technology Day Expenditure		28,46,182	18,94,259
j) Vehicles Running and Maintenance		73,885	19,487
k) Telephone and Communication Charges		32,70,010	19,23,299
l) Printing, Stationary & Consumables		33,26,553	6,59,099
m) Travel Expenses Domestic -1,806,270			
Travel Expenses Foreign			
Travel Expenses Experts - 1,361,479		31,67,749	16,44,124
n) Library books & periodical		8,560	-
o) TA/DA to Board members		1,43,031	-
p) Auditors Remuneration		80,000	80,000
q) Hospitality Expenses		4,96,131	86,601
r) Meeting Expenses		2,88,749	2,31,719
s) Professional Charges		21,78,092	46,28,073
t) Unrecoverable Interest written off during the Year		1,23,34,116	-
u) Bank Charges		-	-
v) Misc. Expenses		14,81,379	7,69,525
w) Newspaper & Magazine		80,894	-
x) Advertisement and Publicity		58,03,290	44,20,269
y) Board Expenses & fees		1,46,566	9,308
z) Rent		25,53,666	68,28,548
zi) Water and Electricity Charges		2,30,664	3,71,929
zii) Foundation Day		26,58,525	-
ziii) Interest on TDS		2,767	
<b>TOTAL</b>		<b>11,50,81,763</b>	<b>3,26,45,669</b>

**Technology Development Board**  
**Schedules Forming Part of Income and Expenditure**  
**for the Year Ended 31<sup>st</sup> March, 2022**

(Amount in Rupees)

SCHEDULE 22-EXPENDITURE ON GRANTS			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
1) Grants given to Institutions/ Organisations			
(i) Incubators		-	12,05,791
(ii) For Covid		-	-
2) Subsidies given to Institutions / Organisations			
<b>TOTAL</b>		-	<b>12,05,791</b>

**Note:** Name of the Entities, their Activities along with the amount of Grants/ Subsidies are to be disclosed.

SCHEDULE 23-INTEREST			
	CURRENT YEAR		PREVIOUS YEAR
a) On Fixed Loans			
b) On Other Loans (including bank Charges)			
c) Others-Grant received from DST		-	-
<b>TOTAL</b>		-	-

## Technology Development Board

Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2021-22

### Schedule - 24

#### A. Significant Accounting Policies

1. Receipts and Payments Accounts is prepared from the cash receipt journal and is a summary of cash transactions under various heads. It records receipts and payments of both capital and revenue nature.
2. Income and Expenditure Account is the summary of incomes and expenditures of the year. It is prepared on accrual basis. It records income and expenditure of revenue nature only. The accrued interest earned on the loan amount disbursed is accounted for in the year in which the loan installment is released; however, the interest is actually receivable after the projects have been completed in accordance with the terms and conditions of the respective loan agreements. Provision for expenses due and approved are accounted for during the year.
3. Depreciation on fixed assets is provided on the basis and rates prescribed under the Income Tax Act, 1961, on diminishing balance method. No depreciation is provided on the fixed Assets sold/transferred/discarded during the financial year. Addition in fixed assets are accounted at the cost of acquisition.
4. Royalty payments are taken on receipt basis in Receipts and Payments Account and Income & Expenditure Account.
5. Government grants are recognized on receipt basis. Unspent balances are not to be refunded to the Government of India as the grants released by the Government are credited to the Fund for Technology Development and Application in terms of section 9(1)(a) of the Technology Development Board Act, 1995 and thus there is no such requirement of refund. No amount is, therefore, due for refund to the Government of India.
6. In terms of section 9(1) of the Technology Development Board Act, 1995, recoveries made of the amounts granted from the Fund for Technology Development and Application, receipt of interest on loans, royalty, donations and sums received from any other source are credited to the Fund. Keeping this provision in view, the Balance Sheet has been prepared.
7. The balance sheet of Earmarked/Endowment funds (Venture Capital Funds) maintained by IDBI has indicated the following:-
  - a) The balance sheet is prepared on accrual basis except for income/expenditure in respect royalty, management fee and penal interest

- thereon, which are recognized on actual receipt/ payment.
- b) The valuation of assets/ loans/ investments have been carried at the assessment value by IDBI (Fund manager) and the provision for reducing the book value of the assets is recorded as per the notes provided in the financial statements.
  - c) The financial statements of IDBI (VCF) are to be read with other notes and explanations attached with the Balance Sheet provided by IDBI. The financial statements and notes to accounts are taken on record as independently certified by IDBI and the audit report thereon.
8. Fund balances are kept in short term deposits in Scheduled Commercial banks. Interest on short term deposits is reflected in the Receipts and Payments Account and Balance Sheet.
  9. The investments in companies are stated at cost price. As per the mandate of TDB, the investments are not held for capital appreciation in the strict sense or for any other benefit to TDB, the shares are held at cost of acquisition till they are finally realized. However any permanent decline in the fair value of the investments so held due to the winding up or dissolution of the respective company or any other reason, the value of decline is charged to the income & expenditure account.
  10. In the case of default, rescheduling agreement(s) whatsoever done are set aside in accordance with the terms and conditions of the Loan Agreement and balances in account are restored the original agreement. This may result in increase of outstanding amount of the borrower due to reverting back to the original agreement.
  11. In the case where borrower is unable to pay the loan / interest amount as per the terms of loan agreement and when the dispute arising out of noncompliance of the loan agreement and consequently matter is referred to arbitration. In such instance the outstanding amounts of loan and interest is frozen on the date of reference to arbitration. Further provisioning or adjustment in the outstanding interest is made only after the award is passed in accordance with the award conditions.
  12. In the case where the borrower has defaulted in repayment of its loan and interest as per loan agreement and has since gone into liquidation, booking of interest has been restricted to the date of liquidation. Final provision for write off is made for principal and interest after receipt of final payment from the Official Liquidator since the right to claim interest up to the date of recovery is maintained by TDB.
  13. Company's whose status has been identified as having been struck off from the list of registered companies or undergoing liquidation as per the

records of Registrar of Companies (ROC), where the loan amount and interest remains overdue/unpaid, has been referred to the legal section. However due to high probability of default and non-confirmation of balance, no interest for the current year has been accounted. Final provision for doubtful recovery or write off is subject to recommendation and confirmation of legal closure of the matter by the Legal department in case of each company.

14. In case of default by a borrower and the subsequent passing of an Arbitration Award, the restatement of loan and interest and also the charging of interest is done as per the award. This may result in decrease/ increase of outstanding amount of interest due from the borrower.
15. In the case of start of Arbitration proceedings, the charge of Interest is discontinued from the date of the start of the proceedings till the award is passed. After the award, other conditions remaining constant, the loan and interest thereon is accounted as per the award.
16. In case funds have not been released for the full agreed amount and the time bound repayment schedule is active, interest is calculated on the basis of the amount released at the rate applicable as per agreement.
17. Investments with Venture Funds other Seed funds are carried at cost. Since the Funds are continuously evolving in terms its activities and is an ongoing concern, no permanent change in the value of the investment is envisaged or provided. Income / Loss is recognized in the Venture Fund Investments either on closure of the funds or disbursement of income during the tenure of the fund.
18. Unless otherwise agreed to by TDB, the payment received from a borrower shall be accounted towards such dues in the following order, viz., Interest including additional interest; further interest and liquidated damages on defaulted amount; repayment instalments of principal due and payable or in the manner as decided and approved by the Board.
19. Stock verification by the management is done on annual basis.
20. Figures are rounded off to the nearest rupee.

## Technology Development Board

### Significant Accounting Policies and Notes on Accounts-2021-22

#### Schedule – 25

#### Notes on Accounts

- Grants amounting to ₹ 12500 lakhs (P.Y. ₹ 1000 lakhs) were received during the financial year 2021-22.
- The overdue loan repayment (amount due but not received) as on 31<sup>st</sup> March, 2022 was ₹ 21648.26 lakhs (P.Y. ₹ 21937.28 lakhs). Overdue interest comprising of simple interest on loans was ₹ 11037.77 lakhs (P.Y. ₹ 10994.42 lakhs), additional interest on loan was ₹ 24671.74 lakhs (P.Y. ₹ 23265.42 lakhs) and additional interest on

simple interest was ₹ 9079.16 lakhs (P.Y. ₹8347.34 lakhs).

- With the change in the Government policy on Non-Performing Assets (NPA) and Insolvency & Bankruptcy Policy 2016, TDB is hopeful to recover substantial percentage of overdue accounts. Provision for doubtful debts is made on basis of representations for settlement with borrowers, recommendation of Dispute Resolution Committee (DRC) or other information as is made available by the legal department in such cases, and permanent impairment is recognized on final settlement of the claim amount.

- Investment and valuation in Venture capital funds (VCF):

Sl. No.	Particulars	Par Value of Unit	Amount Invested/Redeemed						NAV per Unit			
			Outstanding Amount as on 31.03.2021		Addition during the year		Redemption/Loss during the year		Closing Amount as on 31.03.2022		NAV as on 31.03.21	NAV as on 31.03.22
			Amount (Rs.)	Number of Units	Amount (Rs.)	Number of Units	Amount (Rs.)	Number of Units	Amount (Rs.)	Number of Units		
1	APDC Venture capital fund pvt ltd (*)	1,00,000	20,56,25,686	1,059	-	-	-	20,56,25,686	2,056	186	153	
2	GVEI Limited, Ahmedabad	1,00,000	1,50,000	2	-	-	-	1,50,000	2	1,25,42,465	80,85,916	
3	Inv Cap venture Trust Fund (*)	1,00,000	20,11,28,404	2,011	-	2,62,57,709	262	17,48,30,695	1,749	1,64,702	2,30,859	
4	Ekme venture capital fund/mtk sector seed capital fund (*)	10,000	2,09,278	21	-	-	-	2,09,278	21	34,215	46,028	
5	SME Tech Fund- KVCF Trust II	100	9,42,38,418	9,42,384	-	-	-	9,42,38,418	9,42,384	121	141	
6	SEAF India Agri business Fund	5,00,000	16,86,27,541	418	-	79,67,336	18	20,09,60,205	401,92	21,356	2,499	
7	SIDBI Venture capital Ltd - India Opportunistic Fund (*)	1,000	15,17,34,923	1,51,735	-	3,57,02,342	25,702	11,60,32,561	1,16,033	623	683	
8	Venture East- TeNe Fund II (*)	751	4,41,43,932	1,59,200	-	-	-	4,41,43,932	1,59,200	830	956	
9	CIE-India Fund for Sustainable Energy (GFTI) (*)	100	4,99,13,415	4,99,134	5,38,829	4,885	1,66,68,255	1,66,683	3,40,00,991	3,40,043	125	149,42
			<b>96,18,130</b>	<b>17,48,513</b>	<b>6,88,879</b>	<b>6,188</b>	<b>6,62,75,666</b>	<b>1,82,662</b>	<b>87,04,98,508</b>			

(\*) Provision/NAV is per audited result

	NAV Value (Rs.)	Cost of Investment	Unrealized (Loss)/profit
Current Year	82,46,94,157	87,04,98,508	- 4,58,04,351
Previous Year	75,80,71,932	90,62,83,719	- 14,82,11,787

**Note:**

1. The redemption from the Venture Fund recognized on the basis of the distribution by the fund in accordance with Para 17 of Schedule 24 referred above
- a) Income (Loss) on redemption of Units of Venture Funds Investment during the year earned during the year:

S. No.	Name of the Scheme	Profit/(Loss) in lakhs
1.	M/s Iyycap Venture Trust Fund	571.57
2.	Net Profit/(Loss)	571.57

5. TDB has signed agreement with M/s Global Innovation Technology Alliance (GITA), in joint venture with CII, in equity contribution of 51:49 respectively with a mandate to cover all key elements of innovation ecosystem that benefit industry and technology start-ups, with DST and other organizations. The equity participation of TDB in GITA is Rs. 7.21 crore up to 31st March 2022.
6. **Earmarked/ Endowment Fund: (Schedule 3)**

The transfer of money receipts and liabilities outstanding in the books of the Industrial Development Bank of India (IDBI) on account of Venture Capital Fund (VCF) transactions pertaining to grants released by Government of India are required to be transferred to the Board as on 1st September 1996. There are no investment or recovery

against existing investments in the portfolio held by IDBI since last several years. Audited financial statements for the year ended 31.03.2021 have been received, however due to non-performance of the fund, the amount of management expenses claimed by IDBI is disputed by TDB. The claim for management fee has been increased from Rs. 3,62,10,646/- as on 31.3.2019 to Rs. 4,36,02,446/- as on 31.3.2021. Since the amount claimed by IDBI is not acknowledged as payable by TDB the revised figures have not been taken on record and not being reported in the financial statements.

- b) No change in the borrower outstanding / recovery i.e.: the amount recoverable from the borrower which would include the amount of accrued interest/ additional interest in memorandum books has been reported upto 31.3.2021. Audited statements for year ended 31.3.2022 have not been received by TDB. Further write off of bad loans including accrued interest outstanding shall be done where the recovery process has reached a closure and no further repayments are expected from the loan accounts and the same have been approved for write off by the Board.
7. In accordance with the Agreement between Government of India through Department of Economic Affairs (DEA) and Department For International Development (DFID), Government of United Kingdom of

Great Britain together with TDB bid Memorandum of Understanding dated 29.8.2013, it was agreed that the incubation component of "Innovative Ventures and Technologies for Development (INVENT) programme will be Implemented and monitored with TDB, Department of Science & Technology, and Government of India. The responsibility of TDB is to ensure that funds will be spent on approved activities required to deliver the overall outputs and outcomes of the project. TDB is obliged to hold this fund in a separate bank account and the interest accrued on the bank deposit are to be credited to the fund as part of additional funds available for the program and as fund manager to be released as per project guideline from time and submit progress report and audited accounts to DFID.

8. In accordance with the Project guidelines as per order no. DST/SEED/TDB/COVID19/SCSP (G), Rs. 7500.00 lakhs were released by the Department of Science & Technology, Science for Equity Empowerment and Development (SEED) Division, for providing assistance as grants and loans for fighting COVID 19. The funds were provided to TDB with the express intent to address the havoc caused to the country by the COVID 19 virus. The amount received is accounted under targeted project funds and utilization/realization and refunds

if any are accounted against the said fund on behalf of the government. The transactions do not form part of TDB grants.

9. TDB had preferred an application before NCLT before the recovery of its Loan and its investments in equity in NICCO Corporation (P) Ltd. The NCLT has ordered the investment in equity to be considered as part of loan given by TDB. All realizations arising out of the liquidation proceedings of the company have first been adjusted against the outstanding loan amount and the balance against the cost of investment held under equity.
10. The following amount has been written off during the year due to non-recovery and approved by the Board.


Companies Name	Interest +Additional interest (Rs. in lakhs)
M/s Coral Telecom	123.33

11. Provision for doubtful interest and additional interest due on loans and also principal amount has been made against the following companies, which have agreed to settled their outstanding/ dues as per a proposed recommendation of Dispute Resolution Committee (DRC) and approved by the Sub Committee of the Board or where the matter has been admitted in Debt Recovery Tribunal (DRT) and recovery is considered doubtful. During the year no further interest has been provided.

Following are the details of provision upto 31.03.2022.

(Rs. in lakhs)

Companies Name	Provision of Interest & additional interest			
	2016-17	2017-18	2019-20	Total
M/s Medirad	705.40	408.81	-	1114.21
M/s Waterlife	-	1.01	-	1.01
M/s Amalgam Leather	-	880.78	-	880.78
M/s Exponential	-	92.88	-	92.88
M/s Dorvan Agro	-	-	116.16	116.16
<b>Total</b>	<b>705.40</b>	<b>1383.48</b>	<b>116.16</b>	<b>2,205.04</b>



**Separate Audit Report**  
of C&AG for the  
FY 2021-22



कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा,  
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग  
नई दिल्ली-110 002  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT,  
ENVIRONMENT & SCIENTIFIC DEPARTMENTS,  
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110 002

सं. म.नि.वै.वि./नि./SAR/TDB/2(22)/2022-23/ 719-720

दिनांक: 28-09-2022

सेवा में,

निदेशक

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड,  
प्रौद्योगिकी भवन, खण्ड-II,  
द्वितीय तल, नई महरौली रोड,  
नई दिल्ली-110016

**विषय:** प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 के लेखों पर पृथक ऑडिट रिपोर्ट।

महोदय,

मुझे प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली के वर्ष 2021-22 के लेखों पर पृथक ऑडिट रिपोर्ट अग्रहित करने का निर्देश हुआ है।

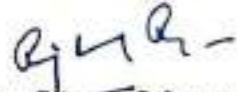
संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने से पहले वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखों को प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा अपनाया जाए। प्रत्येक दस्तावेज जो संसद में प्रस्तुत किया जाए उसकी तीन प्रतियां इस कार्यालय तथा दो प्रतियां भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक को अग्रहित की जाए। संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की तिथि (या) भी इस कार्यालय को सूचित की जाए।

आपसे अनुरोध है कि पृथक ऑडिट रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद अपने कार्यालय में कराने के पश्चात सॉफ्ट कॉपी तथा हार्ड कॉपी दोनों में हमें भेज दें ताकि हिन्दी प्रति को शीघ्र अग्रहित किया जा सके।

यह महानिदेशक द्वारा अनुमोदित है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

  
उप-निदेशक (निरीक्षण)

## **Separate Audit Report of Comptroller and Auditor General of India on the accounts of Technology Development Board, New Delhi for the year 2021-22**

We have audited the attached Balance Sheet of Technology Development Board (TDB), New Delhi as at 31<sup>st</sup> March 2022 and the Income & Expenditure Account/ Receipts & Payments Account for the year ended on that date under section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section 13(2) of the Technology Development Board Act, 1995 (No.44 of 1995). These financial statements are the responsibility of the Board's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller and Auditor General of India on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/ Comptroller and Auditor General's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that -

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit,

(ii) The Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Government of India,

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the Board, as required, in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that:

### **(A) Balance Sheet**

#### **A.1 Liabilities**

##### **A.1.1 Current Liabilities - Rs.4529.38 Lakh (Schedule 7)**

An amount of Rs. 2563 lakh was shown as utilised towards loan under Covid-19 Fund by TDB for the year 2021-22. However, no corresponding asset has been created against this disbursement. No disclosure was not made regarding expenditure against this loan.

##### **A.1.2 Current Liabilities- Rs. 4529.38 Lakh (Schedule 7)**

TDB has shown the interest earned amounting to Rs. 424.86 lakh (Rs.219.56 lakh for the year 2020-21 and Rs. 205.30 lakh for the year 2021-22) on the grant of Rs. 7500 lakh for the project 'Fighting Covid 19' as interest earned instead of current liabilities. This resulted in overstatement of income and understatement of current liabilities to the extent of Rs. 424.86 lakh.

### **(B) General**

#### **B.1 Investment from Earmarked/Endowment Fund - Rs.65.99 lakh (Schedule 9)**

It was already brought to the notice of TDB through previous year's Separate Audit Report that investments made in companies in a shape of 'Equity' was required to be shown at fair market price.

However, TDB adopted/ incorporated the last year's figure of Rs. 65.99 lakh of value of investment made in equity (after diminution in its value). As the actual/ audited figure of equity (after diminution in its value) for the current year was not reported in the books of accounts for the year 2021-22, therefore, Audit is unable to assure that there is no further diminution in the value of equity during the year and the figure of Rs.65.99 lakh reported as Investment (Equity), as on 31 March 2022 was correct and authentic.

## **B.2 Investments- Others-Rs.10213.26 lakh (Schedule 10)**

An amount of Rs.10213.26 lakh was reported in Schedules 10: 'Investments - others' appended to Balance sheet of TDB for 2018-19, as investments made in different companies in a shape of 'Equity/ Venture Capital Funds (VCFs)'.

It was observed that the reduction in the carrying amount and any reversals of such reduction was required to be charged or credited to the profit and loss statement. However, despite being mentioned in previous year's Separate Audit Report, TDB did not revalue them at fair market price.

As a result, TDB overstated its Investments (VCFs) and understated its expenditure to the extent reduction in value of these VCFs.

## **C. Grant-in-Aid**

TDB received a grant of Rs. 125.00 crore from the Department of Science and Technology during 2021-22. In addition to opening balance of Cash/ Bank balance of Rs. 316.61 crore, an amount of Rs 297.51 crore was received by TDB as interest on short term deposits/ loans/ royalty/ grants, repayment of loans, royalty, income from venture funds, donation etc. during the year 2021-22. After making a total payment of Rs. 53.93 crore for investments, establishment/ office expenses and disbursement of loans/ grants etc., Rs. 685.19 crore was shown as unspent as on 31 March 2022.

## **D. Management Letter:**

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Secretary, TDB through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

(i) Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Accounts and Receipts & Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(ii) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Significant Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

- a) In so far as it related to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Technology and Development Board, as at 31 March 2022; and
- b) In so far as it related to Income & Expenditure Accounts, of the *surplus* for the year ended on that date.

**For and on behalf of C&AG of India**



**Director General of Audit**

**Environment and Scientific Departments**

**Date:** २४-०९-२०२२

**Place:** New Delhi

## Annexure to Separate Audit Report

### 1. Adequacy of Internal Audit System

Internal audit of TDB for the year 2018-20 has been conducted. Audit further observed that total 20 internal audit paras pertaining to year 2008-10 to 2018-20 were outstanding for compliance/settlement, as on 31<sup>st</sup> March 2022.

### 2. Adequacy of Internal control system

In terms of Rule 238 of General Financial Rules 2017, each grantee Institution is required to furnish the utilization certificate within 12 months of the closure of the financial year, indicating that the grant has been utilized for the purpose for which it was sanctioned. However, Utilization Certificate in respect of one case aggregating to Rs. 3.15 lakh is still pending from grantee institution.

#### 2. A. Assets

##### 2. A. (i) Fixed Assets: Rs. 86.87 Lakh (Schedule 8)

Audit observed that Library Books & Periodicals worth Rs. 8560/- was not included under Schedule-8- Fixed Assets as a result of which the fixed assets were understated and the expenditure was overstated.

### 3. System of physical verification of fixed assets

Physical verification of fixed assets for the year 2021-22 has been conducted.

### 4. System of physical verification of inventories

Physical verification of inventories for the year 2021-22 has been conducted.

### 5. Regularity in payment of statutory dues

No statutory dues were outstanding.

Dy. Director (Inspection)

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा  
पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग  
ए.जी.सी.आर.भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट,  
नई दिल्ली-110002



OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT  
ENVIRONMENT & SCIENTIFIC DEPARTMENTS  
A.G.C.R. BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

Sanjay Kumar Jha  
Director General of Audit

D. O. No. DGA(ESD)/Inspection/2(22)/TDB/Annual A/cs/2022-23/81 Dated: 28-09-2022

Dear sir,

I have audited the Annual Accounts of the Technology Development Board, New Delhi for the year 2021-22 and have issued the Separate Audit Report thereon. During the course of audit, some deficiencies were noticed which were of a relatively minor nature and were, therefore, not included in the Separate Audit Report and are now enclosed in the Annexure. These are being brought to your notice for remedial and corrective action.

With warm regards,

Encl: Annexure

Yours sincerely,

Shri Rajesh Kumar Pathak,  
Secretary,  
Technology Development Board (TDB),  
Technology Bhawan, Block-2  
2<sup>nd</sup> Floor, New Mehrauli Road  
New Delhi-110016

## Annexure

### B. Income & Expenditure Account

#### B.1 Expenditure

##### B.1.1 Other Administrative Expenses: Rs. 1150.82 Lakh (Schedule 21)

The above includes an amount of Rs. 0.28 lakh being payment of telephone charges for the year 2020-21. This resulted in overstatement of current year expenditure and understatement of prior period expenditure to the same extent.

Dy. Director (Inspection)

